THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

अयोध्या के तीर्थयात्री दुर्घटना में घायल

मेदक, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी मंडल के वल्लूरू में बुधवार को एनएच-44 पर मिनी ट्रैवल बस पलटने से अयोध्या तीर्थयात्रा से लौट रहे 15 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हैदराबाद और सत्तुपल्ली से करीब 24 यात्री 24 मई को ट्रेन से अयोध्या की तीर्थ यात्रा पर गए थे।

चूंकि उनकी वापसी की टिकटें कन्फर्म नहीं थीं, इसलिए उन्होंने बस किराए पर ली। हैदराबाद लौटते समय वल्लूरू में बस पलट गई। घायलों को तुप्राण के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। बाद में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीर्थयात्रियों के घर पहुंचने से महज एक घंटा पहले ही यह दुर्घटना हुई। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच कर रही है।

वर्ष-29 अंक : 74 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ अमावस्या 2081 गुरुवार, 6 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

एनडीए गठबंधन : मोदी को नेता चुना गया

> बैठक में 16 पार्टियों के 21 लीडर शामिल > राष्ट्रपति ने लोकसभा भंग की

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद अब सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। इसी सिलसिले में बुधवार को एनडीए की पहली बैठक पीएम आवास में शाम 4 बजे हुई। एक घंटे चली बैठक में मोदी को एनडीए का नेता चुना गया।

बैठक में 16 पार्टियों के 21 नेता शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, एनडीए के सांसदों की 7 जून को बैठक होगी। इसके बाद शाम 5 से 7 बजे के बीच सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राष्ट्रपति के पास जाएंगे। राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा को सभी सहयोगी दलों के साथ वन-टू-वन बात करने और नई सरकार के स्वरूप पर चर्चा करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस बीच पीएम मोदी के इस्तीफे और कैबिनेट को भंग करने की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लोकसभा को भंग कर दिया। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि एनडीए ने 292 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जदयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है।

टीडीपी ने 6 मंत्रालय और स्पीकर पद मांगा

सूत्रों के मुताबिक, टीडीपी ने 6 मंत्रालयों समेत स्पीकर पद की मांग की। वहीं, जदयू ने 3, चिराग ने 2 (एक कैबिनेट, एक स्वतंत्र प्रभार), मांझी ने एक, शिंदे ने 2 (एक कैबिनेट, एक स्वतंत्र प्रभार) मंत्रालयों की मांग की है। वहीं, जयंत ने कहा है कि हमें इलेक्शन के पहले एक मंत्री पद देने का वादा किया गया था। इसी तरह अनुप्रिया पटेल भी एक मंत्री पद चाहती हैं। चंद्रबाबू नायडू ने कहा, 'बैठक अच्छी रही। हम एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़े तभी आज मीटिंग में शामिल हुए। आप लोगों को क्यों शक है। अगर हम गठबंधन का हिस्सा नहीं होते तो साथ मिलकर चुनाव कैसे लड़ते। हम साथ रहे, 3 पार्टियों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा।

नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया

* हार-जीत राजनीति का हिस्सा, नंबर गेम चलता रहता है

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे से पहले आखिरी मंत्री परिषद की बैठक में चुनावी नतीजों पर उन्होंने कहा कि हार-जीत राजनीति का हिस्सा है, नंबर गेम चलता रहता है। 2024 के नतीजे घोषित होने के बाद मोदी ने पीएम पद से अपना इस्तीफा दिया है और अगले कार्यकाल के लिए वह 8 जून तक फिर से प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उन्होंने मंत्री परिषद के सहयोगियों संग बैठक में यह भी कहा कि हमने दस साल अच्छा काम किया और आगे भी करेंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि सत्ता संगठन हर जगह जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे हैं और आगे भी उतरेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी ने अच्छे से काम किया, बहुत मेहनत की। मोदी ने मुस्कुराते हुए सभी का मनोबल बढ़ाया और सब को धन्यवाद दिया। मंत्रियों के साथ बैठक के बाद मोदी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे थे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंपा। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक एक्स हैंडल से नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू की तस्वीरें भी शेयर की गई हैं, जिसमें कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने अपना और केन्द्रीय मंत्रिपरिषद का त्यागपत्र सौंपा। राष्ट्रपति ने त्यागपत्र स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों से नई सरकार के गठन तक अपने पद पर बने रहने का अनुरोध किया।

इंडिया ब्लॉक : खड़गे के घर डेढ़ घंटे चली बैठक खत्म

* कांग्रेस अध्यक्ष बोले-जनादेश मोदी के खिलाफ, गठबंधन में सभी का स्वागत

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद इंडिया गठबंधन आगे की रणनीति तय करने के लिए मीटिंग की। मीटिंग मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली स्थित घर पर हुई। मीटिंग में सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी, एनसीपी के शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव गुट) के संजय राउत, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी, राजद के तेजस्वी यादव, डीएमके नेता एमके स्टालिन, झारखंड के सीएम चंपई सोरेन और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, आप नेता राघव चड्ढा और सीपीआई(एम) के सीताराम येचुरी समेत कई नेता मौजूद रहे।

खड़गे ने कहा कि हम बहुत अच्छा और एकसाथ लड़े। इंडिया गठबंधन उन सभी पार्टियों का स्वागत करता है, जो संविधान में लिखी आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक न्याय की बातों का सम्मान करते हैं। मोदी और उनके तरीके की राजनीति के खिलाफ जनादेश मिला है। व्यक्तिगत रूप से यह उनके लिए बड़ा राजनीतिक नुकसान है। यह उनकी नैतिक हार है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मंगलवार 4 जून को नतीजों के बाद कहा था कि हम आगे की रणनीति मीटिंग के बाद ही बताएंगे। अगर पूरी स्ट्रैटजी अभी बता दी तो मोदी जी होशियार हो जाएंगे। वहीं, राहुल गांधी ने भी कहा था कि विपक्ष में बैठने या सरकार बनाने का फैसला मीटिंग में ही होगा। दरअसल, नतीजों में गठबंधन को कुल 234 सीटें मिली हैं। सरकार बनाने के लिए गठबंधन को 272 सांसदों का समर्थन चाहिए। ऐसे में बहुमत के लिए उसे मौजूदा सीट शेयरिंग से बाहर भी पार्टनर खोजने होंगे।

'चचा की मुस्कुराहट के पीछे क्या है...'

> एक ही फ्लाइट में दिखे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद भी पब्लिक के दिमाग में एक ही सवाल चल रहा है कि आखिर सरकार किसकी बनेगी? सोशल मीडिया पर रिजल्ट के बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन का दामन थाम सकते हैं! अब जब सुबह-सुबह इंटरनेट पर एक वीडियो छाया तो पब्लिक भी दंग रह गई।

दरअसल इस वायरल वीडियो में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव एक ही फ्लाइट से सफर करते दिख रहे हैं। दरअसल नीतीश एनडीए की बैठक में शामिल होने तो तेजस्वी इंडिया ब्लॉक की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर दोनों का वीडियो धड़ल्ले से शेयर किया जा रहा है और जनता इसको लेकर अपने दिल की बात रख रही है।

नेतन्याहू-जेलेंस्की ने पीएम मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। भाजपा तीसरी बार लोकसभा चुनाव में भारत की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए जल्द ही सरकार बनाने का एलान कर सकता है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। ऐसे में दुनिया भर के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दे रहे हैं। इस्राइल, यूक्रेन, जमैका सहित अन्य देशों के प्रमुखों ने पीएम मोदी को शुभकामनाएं दी हैं। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी लोकसभा चुनाव में तीसरी जीत पर पीएम को बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार फिर से चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। इसके अलावा, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भी पीएम मोदी को बधाई दी।

एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि मैं भारत में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों के सफल आयोजन का स्वागत करता हूं। भारत के संसदीय चुनावों में लगातार तीसरी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और एनडीए की जीत हुई है। सभी को बधाई।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ी

> *कोर्ट ने अंतरिम जमानत याचिका खारिज की*

> *दिल्ली सीएम के मेडिकल टेस्ट कराने का निर्देश*

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार (5 मई) को अरविंद केजरीवाल की ज्यूडिशियल कस्टडी 19 जून तक बढ़ा दी। केजरीवाल को कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। कोर्ट ने केजरीवाल की मेडिकल ग्राउंड पर 7 दिन की जमानत की मांग वाली अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि केजरीवाल के जरूरी मेडिकल टेस्ट कराएं।

स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने 1 जून की हुई सुनवाई में केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला 5 जून के लिए सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल ने 7 दिन की जमानत मांगी थी, ताकि वे अपने मेडिकल टेस्ट करवा सकें, लेकिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में उनकी अपील का विरोध किया था। केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। जमानत पर 21 दिन बाहर रहने के बाद 2 जून की शाम 5 बजे केजरीवाल ने तिहाड़ में सरेंडर किया था। सरेंडर करने के करीब 30 मिनट बाद ही 5 जून तक की ईडी की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया था। एजेंसी ने केजरीवाल की कस्टडी के लिए आवेदन दायर किया था, लेकिन दिल्ली सीएम के अंतरिम जमानत पर होने के चलते आवेदन पेंडिंग था।

ईडी का दावा-केजरीवाल का वजन 7 किलो घटा नहीं, 1 किलो बढ़ा

ईडी ने कोर्ट में दावा किया था कि केजरीवाल ने तथ्यों को दबाया है और अपनी सेहत को लेकर झूठे बयान दिए हैं। उनका वजन 1 किलो बढ़ गया है, लेकिन वे झूठा दावा कर रहे हैं कि उनका वजन 7 किलो कम हो गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा था कि केजरीवाल ने 31 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भ्रामक दावा भी किया कि वह 2 जून को सरेंडर करने जा रहे हैं। हालांकि कोर्ट में केजरीवाल के वकील ने कहा कि वे बीमार हैं और उन्हें इलाज की जरूरत है।

रायबरेली में राहुल से हार के बाद मंत्री भड़के

रायबरेली, 5 जून (एजेंसियां)। रायबरेली में राहुल गांधी से मिली करारी हार के बाद भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने अपने राजनीतिक कार्यक्रमों से एक साल की छुट्टी ले ली है। उन्होंने कहा- अब जनता दर्शन कार्यक्रम को रोक कर अपने परिवार की जिम्मेदारियां पूरी करूंगा। मेरी तरह राहुल गांधी भी हर शनिवार और रविवार को जनता दर्शन करें। रायबरेली की जनता के सुख-सुख और शादी-ब्याह में शामिल हों। एक साल तक अपनी जिम्मेदारियों को राहुल गांधी को सौंपने की बात कहते हुए दिनेश सिंह ने कहा-जिन 3 लाख लोगों ने मुझे वोट दिया है, अब उनके लिए ही काम करूंगा। जिन लोगों ने राहुल गांधी को वोट दिया है, उनके लिए अब वह अपना उत्तरदायित्व पूरा करें। राहुल गांधी जो कुछ भी हैं, समाजवादी पार्टी के दम पर हैं। मैं नहीं मानता कि मैं राहुल गांधी से चुनाव हारा हूं। अगर राहुल गांधी के अंदर दम है, तो रायबरेली में अकेले मुझसे चुनाव लड़ें और जीतकर दिखाएं।

कर्नाटक कॉर्पोरेशन में करोड़ों के अवैध ट्रांसफर मामले में सीबीआई की जांच शुरू, यूबीआई ने की थी शिकायत

बेंगलुरु, 5 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़े करोड़ों के अवैध ट्रांसफर के मामले में सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वरा ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। परमेश्वरा ने बताया कि एजेंसी से औपचारिक आवेदन मिलने के बाद सरकार केस सीबीआई को सौंप देगी।

मुंबई स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्यालय की ओर से पिछले हफ्ते ऑपचारिक रूप से सीबीआई से शिकायत की गई थी। इसमें बताया गया था सरकारी निगम ने पब्लिक धन का गबन किया है। इसके बाद तीन अधिकारियों को निलंबित भी किया जा चुका है। वहीं कॉर्पोरेशन ने भी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खिलाफ 88 करोड़ रुपये का गबन करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई थी। कर्नाटक के गृहमंत्री ने बताया, 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सीबीआई से लिखित रूप में शिकायत की थी कि अगर किसी बैंक में 3 करोड़ रुपये से ज्यादा के गबन का मामला है, तो सीबीआई स्वत संज्ञान लेकर जांच कर सकती है। बैंक की शिकायत के आधार पर ही सीबीआई ने जांच शुरू की है।

'सीबीआई की जांच में राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी'

मंत्री ने बताया कि सीबीआई की जांच में राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा, 'हमको अभी भी फैसला लेना है कि सीबीआई मामले में पूछताछ कर सकती है या नहीं क्योंकि जनजाति कल्याण विभाग कॉपरेटिव विभाग के अंतर्गत आता है। सीबीआई को मामले में पूरी जानकारी देंगे, लेकिन उसके लिए एजेंसी को हमको लिखकर देना होगा। इसके बाद ही सरकार कोई फैसला लेगी।' उन्होंने आगे कहा कि अगर सीबीआई को लगता है कि कि यह जनजाति कल्याण विभाग का मामला है तो वह मंत्री बी नागरा से पूछताछ कर कर सकते हैं। लेकिन यह फैसला सीबीआई को लेना है कि उन्हें इस मामले में क्या करना है। अवैध तरीके से पैसे ट्रांसफर करने का मामला तब प्रकाश में आया जब कॉर्पोरेश एकाउंट के अधीक्षक ने 26 मई को सुसाइड कर लिया और साथ ही उन्होंने एक सुसाइड नोट भी लिखा था।

निवेश घोटाले के मास्टरमाइंड समीर जोशी के ठिकानों पर ईडी का छापा

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोड़ों के निवेश घोटाले के आरोपी समीर जोशी की कंपनी के महाराष्ट्र और गोवा स्थित ठिकानों पर छापा मारा है। समीर जोशी की कंपनी का नाम श्रीसूर्या मल्टी लेवल मार्केटिंग है। बता दें, समीर जोशी पर पांच हजार से अधिक निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगने का आरोप है। ईडी ने श्रीसूर्या मल्टी लेवल मार्केटिंग कंपनी की महाराष्ट्र और गोवा स्थित संपत्तियों को जब्त किया है। नागपुर, अकोला, मडगांव और अमरावती से कंपनी की चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया है। इनकी कुल कीमत 38.33 करोड़ रुपये आंकी गई है। ईडी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए, 2022) के तहत की है।

एक लाख रुपए लेने लखनऊ के कांग्रेस दफ्तर पहुंचीं महिलाएं

गारंटी कार्ड दिखाकर बोलीं-पांच जून को आने को कहा था, रिसिप्ट भी मिली

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट आने के दूसरे दिन बुधवार को मुस्लिम महिलाएं यूपी कांग्रेस पार्टी दफ्तर पहुंचीं। महिलाओं ने कांग्रेस का 'गारंटी कार्ड' दिखाते हुए 1 लाख रुपए की मांग की। कई महिलाओं ने पहले से मिला हुए गारंटी कार्ड पर अपना नाम, पता और नंबर भरकर पार्टी दफ्तर में जमा भी किया। महिलाओं ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने पैसे देने का वादा किया था।यह भी कहा था कि 5 जून को पैसे लेने आ जाएं। अब इंडिया गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए हम गारंटी कार्ड जमा करने आए हैं।

कांग्रेस दफ्तर पहुंचीं महिला जुबैदा ने कहा- कांग्रेस की सरकार बनने के लिए बड़ी नमाज पढ़ी हूं, दुआ मांगी हूं और भोलेनाथ के सामने हाथ जोड़कर पूजा किया है। अब तो सरकार बन जाएगी। लोगों ने बहुत नक्शेबाजी की है। वहीं तस्लीम ने कहा- कांग्रेस दफ्तर की तरफ से कुछ नहीं बताया गया है। कई फॉर्म्स जमा कर लिए गए हैं। जमा करने के बाद स्लिप भी दी गई है। कुछ महिलाओं ने कहा कि जिनके पास कार्ड नहीं है उन्हें दोपहर बाद बुलाया गया है।

सभी डॉक्यूमेंट लेकर आई थीं महिलाएं

मुस्लिम महिलाएं अपना-अपना पहचान-पत्र समेत अन्य डॉक्यूमेंट्स लेकर कांग्रेस दफ्तर पहुंची थीं। महिलाओं ने अपने हाथों में कांग्रेस का "गारंटी कार्ड' भी लिया था। जिसमें एक लाख रुपए के वेतन के अलावा हर शिक्षित युवा को पक्की नौकरी देने का वादा किया गया है।

उम्मे अलमा ने कहा- कांग्रेस अपना वादा पूरा करेगी और महिलाओं के खाते में पैसे आएंगे। एक मुस्लिम महिला ने कहा- ये अपने एरिया में मोटी-मोटी गड्डियां बांट रहे हैं और उन्हें कुछ नहीं दे रहे। एक महिला ने कहा कि वो छोटे बच्चे को घर में छोड़ कर आई हैं, वहीं एक मुस्लिम युवती ने कहा कि अगर पैसे नहीं मिलेंगे तो इन लोगों को स्पष्ट बोल देना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता सीपी राय ने कहा कि कांग्रेस की 5 गारंटी लोगों तक पहुंच गई हैं। सरकार बनने पर जो वादे किए हैं वो पूरा करेंगे। महिलाओं का कांग्रेस पर भरोसा है। हमने जुलाई तक पैसे देने का वादा किया था। अगर सरकार बनेगी तो कांग्रेस ने जो कहा है वो पूरा करेगी।

गारंटी कार्ड में मांगी गई है पूरी जानकारी

गारंटी कार्ड में नीचे के ओर नाम, उम्र, घर में मतदाताओं की संख्या, पता, मोबाइल नंबर जैसी जानकारी दर्ज करने के लिए खाली स्थान दिए गए हैं। साथ ही एक क्यूआर कोड भी दिया गया है।

नौ जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे प्रेम सिंह तमांग

गंगटोक, 5 जून (एजेंसियां)। सिक्किम विधानसभा चुनावों में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने जीत हासिल की है। पार्टी ने राज्य की एक सीट छोड़कर सभी सीटें जीत ली हैं। इस बीच, बुधवार को एसकेएम सुप्रीमो प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को कहा कि वे नौ जून को दूसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। तमांग और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह राजधानी गंगटोक स्थित पलजोर स्टेडियम में होगा।

शपथ ग्रहण समारोह के बारे में तमांग ने आगे कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। लोगों के अलावा, एसकेएम कार्यकर्ता भी समारोह में शिरकत करेंगे। उन्होंने एक बार फिर जनता का आभार जताया, जिन्होंने बड़ी संख्या में एसकेएम सदस्यों को विधानसभा पहुंचाया। तमांग ने कार्यकर्ताओं के समर्पण और उनकी कड़ी मेहनत को भी सराहा। उन्होंने कहा कि पार्टी को कार्यकर्ताओं के कारण ही चुनावों में भारी जीत मिली। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वे लोकसभा में एनडीए के साथ हैं। उनके सांसद इंद्र हंग सुब्बा केंद्र में एनडीए का हिस्सा होंगे। प्रेम सिंह तमांग का जन्म 5 फरवरी 1968 को पश्चिम सिक्किम के सिंग्लिंग बस्टी में हुआ था। उनके पिता का नाम कालू सिंह तमांग और मां का नाम धन माया तमांग है। शुरुआती शिक्षा हासिल करने के बाद तमांग ने 1988 में दार्जिलिंग गवर्नमेंट कॉलेज से कला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। राजनीति में आने से पहले तमांग सरकारी शिक्षक थे। हालांकि, शिक्षक की नौकरी के बदले उनकी सामाजिक कार्यों में अधिक रूचि रही।

डिप्टी सीएम फडणवीस ने की इस्तीफे की पेशकश

'मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं'

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश कर दी है। फडणवीस ने कहा कि 'मैं महाराष्ट्र में ऐसे नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं क्योंकि राज्य में पार्टी का नेतृत्व मेरे द्वारा ही किया जा रहा था। भाजपा आलाकमान से विनती करता हूं कि वे मुझे सरकार में जिम्मेदारी से मुक्त करें ताकि मैं आने वाले चुनाव में पार्टी के लिए ज्यादा से ज्यादा मेहनत कर सकूं।' हालांकि अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उनका इस्तीफा स्वीकार हुआ है या नहीं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में भाजपा का प्रदर्शन खराब रहा और पिछले चुनाव में 23 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 9 सीटों पर सिमट गई।

'सम्मानजनक विदाई चाहते हैं फडणवीस'

देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश पर शिवसेना यूबीटी की नेता सुषमा अंधारे ने कहा कि 'देवेंद्र जी एक सम्मानित तरीके से विदाई चाहते हैं। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और देवेंद्र फडणवीस के बीच कल बैठक हुई थी और मुझे पता चला कि उस बैठक में दोनों के बीच पार्टी की हार पर चर्चा हुई थी। चंद्रशेखर बावनकुले भी इस्तीफा दे सकते हैं। पार्टी दोनों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है, लेकिन वे एक सुरक्षित स्टैंड लेकर अपनी विदाई चाहते हैं।'

महाराष्ट्र में भाजपा को हुआ नुकसान

लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिन राज्यों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, उनमें महाराष्ट्र भी शामिल है। महाराष्ट्र में भाजपा सिर्फ नौ सीटें जीत सकी। वहीं बगावत और पार्टी में टूट झेलनी वालीं शिवसेना यूबीटी और एनसीपी एसपी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा और दोनों पार्टियों ने क्रमशः 9 और 8 सीटों पर जीत दर्ज की। सभी को चौंकाते हुए कांग्रेस 13 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन के इस खराब प्रदर्शन की उम्मीद कम ही थी। माना जा रहा है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी को लोगों की सहानुभूति मिली।

केंद्र को आप कार्यालय के लिए जमीन आवंटित करने पर

6 हफ्ते में फैसला लेने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) को अन्य राजनीतिक दलों की तरह यहां पार्टी के कार्यालय के लिए जगह लेने का अधिकार है। साथ ही उच्च न्यायालय ने केंद्र से इस मुद्दे पर छह सप्ताह के भीतर फैसला लेने को कहा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि 'जनरल पूल' (आवासीय आवंटन प्रणाली) में किसी आवास की अनुपलब्धता इस अनुरोध को खारिज करने की वजह नहीं हो सकती।

अदालत ने कहा, "उन्हें जनरल पूल से एक मकान मिलने का अधिकार है। महज दबाव या अनुपलब्धता इसे खारिज करने की वजह नहीं है क्योंकि दबाव हमेशा होता है और राजनीतिक दलों को हमेशा मकान आवंटित किए जाते रहे हैं।" 'आप' एक राष्ट्रीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त होने के आधार पर केंद्र द्वारा उसके कार्यालय के लिए जगह आवंटित करने की मांग कर रही है। पार्टी के वकील ने कहा कि 'आप' को 15 जून तक राउज एवेन्यू में अपने मौजूदा कार्यालय को खाली करना पड़ेगा। उन्होंने दलील दी कि दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग पर एक मकान उसे अस्थायी रूप से आवंटित किया जाना चाहिए जो अभी उसके एक मंत्री के पास है। बहरहाल, न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा कि पार्टी डीडीयू मार्ग पर स्थित संपत्ति पर अधिकार नहीं जता सकती। न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा कि अगर केंद्र 'आप' के प्रतिवेदन को खारिज कर देता है तो पार्टी उचित कदम उठा सकती है। 'आप' ने एक राष्ट्रीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त होने के आधार पर उसके कार्यालय के निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजधानी में जमीन का एक टुकड़ा देने या कुछ समय के लिए लाइसेंस आधार पर एक आवास के आवंटन का अनुरोध करते हुए पिछले साल अदालत का रुख किया था। जमीन के आवंटन का अनुरोध करने वाली 'आप' की याचिका अभी उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। उच्चतम न्यायालय ने मार्च में 'आप' को यहां राउज एवेन्यू स्थित उसके कार्यालयों को खाली करने के लिए 15 जून तक का समय दिया था।

अदालत ने पाया कि इस भूमि को न्यायिक अवसंरचना के विस्तार के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय को आवंटित किया गया था। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी ने अदालत में कहा कि चूंकि प्राधिकारियों ने नयी दिल्ली में प्रमुख स्थानों पर सभी अन्य राष्ट्रीय दलों को कार्यालय परिसरों के निर्माण के लिए जमीन आवंटित की है इसलिए यह सुनिश्चित करना भी उनकी जिम्मेदारी है कि केंद्र की नीति के अनुसार उसे भी ऐसा ही आवंटन किया जाए।

पत्नी-बेटे को गांव भेजकर फांसी लगाई

साथी कर्मचारी आया तो हुआ मौत का खुलासा

इंदौर, 5 जून (एजेंसियां)। इंदौर के हीरानगर में रहने वाले एक पेंटर ने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगा ली। हीरानगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नीलेश पुत्र राधेश्याम बिट्टी ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। नीलेश पेंटर है। उसके साथ काम करने वाला लड़का उसे उठाने रूम पर गया। अंदर से कोई जवाब नहीं आया तो पेंटर की मां के पास गया। इसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा। नीलेश फंदे पर लटका हुआ मिला। भाई निकलेश ने बताया कि रात में वह उनसे मिलकर गया था। इसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। परिवार ने किसी तरह के तनाव की बात से इनकार किया है। नीलेश ने एक दिन पहले ही अपनी पत्नी राजमनी और बेटे रियांश को गांव भेज दिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुछ नहीं होगा, कांग्रेस की सरकार बनाने की कोशिश नहीं होगी सफल- कुमारस्वामी

बेंगलूरू, 5 जून (एजेंसियां)। जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस की केंद्र में सरकार बनाने की कोशिश सफल नहीं होगी। दिल्ली रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि राजधानी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दलों की बैठक होगी और वह जेडीएस की ओर से इसमें भाग लेंगे। कांग्रेस की ओर से सरकार बनाने की कवायद पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कुमारस्वामी ने कहा, कुछ नहीं होगा।

मांड्या से जीते कुमारस्वामी

कुमारस्वामी जेडीएस में दूसरे नंबर के नेता हैं। उन्होंने एनडीए उम्मीदवार के तौर पर मांड्या सीट से लोकसभा चुनाव जीता है। पार्टी के उम्मीदवार मल्लेश बाबू कोलार से जीते हैं। हालांकि, हासन से पार्टी उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना चुनाव हार गए हैं।

एनडीए की 19 सीटों पर जीत

बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 542 के नतीजे घोषित किए, जिसमें भाजपा को 240 सीट पर जीत मिली है और कांग्रेस ने 99 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, कर्नाटक में एनडीए को 28 लोकसभा सीट में से 19 पर जीत मिली है। बीजेपी को 17 और जेडीएस को दो सीट पर जीत हासिल हुई है।

राज्य में 9 सीटें जीती कांग्रेस

बीजेपी को 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार को मिलाकर 25 सीट पर जीत मिली थी। वहीं, लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस को राज्य में एक सीट पर जीत मिली थी, जिसने इस बार 9 सीट पर जीत हासिल की है।

कच्छ तट से कोकीन के 13 पैकेट किए गए बरामद, कीमत 130 करोड रुपए

कच्छ, 5 जून (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले में गांधीधाम शहर के पास एक खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 130 करोड़ रुपये है। एक पुलिस ने यह जानकारी दी। कच्छ-पूर्व प्रभाग के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए मादक पदार्थ को समुद्र के किनारे छिपा दिया था। उन्होंने बताया कि आठ महीने में उसी खाड़ी क्षेत्र से यह मादक पदार्थ की दूसरी बड़ी बरामदगी है।

उन्होंने कहा, आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और विशेष अभियान समूह की एक संयुक्त टीम ने गांधीधाम शहर के पास मीठी रोहर गांव से गुजरने वाले क्रीक क्षेत्र से 130 करोड़ रुपये मूल्य के कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए। बागमार ने कहा कि इस प्रतिबंधित सामग्री को तस्करों ने समुद्र के किनारे छिपा दिया था और ये पैकेट पिछले साल सितंबर में उसी इलाके से बरामद किए गए पैकेट के समान हैं।

हर पैकेट का वजन 1 किग्रा

उन्होंने कहा कि एटीएस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक (एटीएस) सुनील जोशी ने कहा, "हमने कच्छ में गांधीधाम के पास एक खाड़ी क्षेत्र से तड़के कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए हैं। हर पैकेट का वजन एक किलोग्राम है।

हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।" पिछले साल सितंबर में कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी क्षेत्र से कोकीन के 80 लावारिस पैकेट बरामद किए थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन एक किलोग्राम था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी कीमत 800 करोड़ रुपये थी।

मंजूर है इल्जाम लगाओ हम पर लेकिन

लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद चुनाव आयोग का शायराना अंदाज

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को बहुमत मिल गया है वहीं विपक्ष को 234 सीट मिली हैं इसी बीच काउंटिंग के दौरान कई बार विपक्ष ने चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किये थे विपक्ष के आरोपों पर सीईसी राजीव कुमार ने साफ़ किया था कि अगर आप के पास ऐसा कोई सबूत हैं तो लेकर आइये, हम कार्रवाई जरूर करेंगे इन आरोपों के बीच सीईसी राजीव कुमार ने काव्यात्मक अंदाज में एक बात कही थी

सीईसी राजीव कुमार ने कही ये बात

सीईसी राजीव कुमार ने विपक्ष के इन आरोपों पर व्यंग करते हुए कहा, 'आज कल इल्जामातों का दौर बुलंद हैं, तल्खियों का बाजार गर्म हैं, पांच को पहले ही घेर लो यानी पेशबंदी, मंजूर हैं, इल्जाम लगाओ हम पर, शर्त इतनी कि साथ में सुबूत भी हो गोया कोई तो बात हैं, हर बार मुद्दई वही, कचहरी वही, गवाह कोई नहीं, शक का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं

जयराम रमेश ने लगाए थे आरोप

इससे पहले लोकसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले जयराम रमेश ने आरोप लगाए थे कि अमित शाह मतदान समाप्त होने के बाद देश भर के 150 जिलाधिकारियों को फोन किया था उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था,

'अब तक उन्होंने 150 लोगों से बात की है यह स्पष्ट रूप से धमकी है, जो दिखाती है कि बीजेपी कितनी हताश है अधिकारियों को किसी भी दबाव में नहीं आना चाहिए और संविधान का पालन करना चाहिए उनके इन आरोपों का जवाब देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, , 5 जून (एजेंसियां)। क्या कोई उन सभी (जिला मजिस्ट्रेट/रिटर्निंग ऑफिसर) को प्रभावित कर सकता है? हमें बताएं कि यह किसने किया हम उस व्यक्ति को सजा देंगे, जिसने ऐसा किया यह सही नहीं है कि आप अफवाह फैलाएं और हर किसी पर शक करें

24 साल बाद बीजेडी का सूर्य अस्त, हार के बाद नवीन पटनायक ने सीएम पद से दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर, 5 जून (एजेंसियां)। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) अध्यक्ष नवीन पटनायक ने बुधवार को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है उन्होंने भुवनेश्वर में राजभवन जाकर राज्यपाल रघुवर दास को अपना इस्तीफा सौंपा नवीन पटनायक पिछले 24 साल से राज्य के मुख्यमंत्री थे मंगलवार 4 जून को लोकसभा चुनाव के साथ ओडिशा में विधानसभा चुनाव के भी नतीजे आए लोकसभा चुनाव में यहां 21 में से 20 सीटें बीजेपी को मिलीं और एक कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में भी यहां बीजेपी ने बाजी मार ली 147 सीटों में से 78 सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल की बीजेडी को सिर्फ 51 सीटें मिलीं राज्य में पीएम मोदी का जादू चल गया बहुमत के साथ बीजेपी ने ओडिशा में जीत हासिल की अब बीजेपी पहली बार पूर्ण बहुमत से अकेले सरकार बनाएगी भाजपा ने अब तक मुख्यमंत्री की घोषणा नहीं की है

पार्टी ने पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा बहुत जल्द भाजपा नई सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है विधानसभा चुनाव में सीएम पटनायक दो सीटों से खड़े थे एक हिंजिली और दूसरी कंताबांजी हिंजिली सीट पर तो उन्होंने बीजेपी के शिशिर कुमार मिश्रा को 4636 वोटों से हराया तीसरे नंबर पर कांग्रेस के रजनीकांत पाढी रहे पटनायक को 66459 वोट मिले हिंजली विधानसभा सीट सीएम पटनायक की पांरपरिक सीट रही है तो वहीं, कांताबंजी में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ गया बीजेपी के लक्ष्मण बाग कांताबंजी सीट से जीत गए उन्होंने 16344 के भारी मतों से नवीन पटनायक को हरा दिया तीसरे नंबर पर कांग्रेस के संतोष सिंह सलूजा रहे लक्ष्मण को 90876 वोट मिले सीएम नवीन पटनायक को 74543 वोट मिले आयोग के आंकड़ों को देखें तो ओडिशा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 14 सीटें जीतीं जबकि माकपा को एक सीट मिली निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन सीटें जीतीं आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में 113 सीटें, भाजपा ने 23 सीटें और कांग्रेस ने नौ सीटें जीती थीं भाजपा-बीजेडी गठबंधन 2000 में ओडिशा में सत्ता में आया था और नवीन पटनायक मुख्यमंत्री बने थे वर्ष 2009 में बीजेडी ने दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत विफल होने के बाद अपने 11 साल पुराने रिश्ते को तोड़ दिया था पटनायक ने राज्य में इसके बाद हुए चुनावों में जीत हासिल की थी

भाजपा ने हिंदी बेल्ट में ही 71 सीटें गंवाईं

यूपी, राजस्थान और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा नुकसान; 2019 के मुकाबले सीटें 20% घटीं

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने 292 सीटें जीत ली हैं, जो बहुमत के आंकड़े 272 से 20 ज्यादा है। इस जीत के बावजूद भाजपा अकेले बहुमत लाने में कामयाब नहीं रही है। पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान उसका गढ़ कहे जाने वाले हिंदी बेल्ट में ही हुआ। भाजपा को यूपी में सबसे ज्यादा 29 सीटों का नुकसान हुआ है। 2019 में उसे 62 सीटें मिली थीं, जबकि इस बार पार्टी 33 पर सिमट गई। दूसरा सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है, जहां उसे 10 सीटों का नुकसान हुआ। 2019 की 24 के मुकाबले इस बार उसे 14 सीटों पर ही जीत मिल सकी है। बिहार में भाजपा 2019 के मुकाबले 5 सीटों के नुकसान में रही। यहां उसकी सीटें 17 से घटकर 12 रह गईं। इसी तरह झारखंड में पिछली बार की 12 के मुकाबले उसे 8 सीटें ही मिलीं। यानी कुल 4 सीटों का नुकसान हुआ। वहीं हरियाणा में पार्टी 10 से घटकर 5 सीटों पर सिमट गई। हिंदी बेल्ट से इतर महाराष्ट्र में भी भाजपा को जबर्दस्त झटका लगा है। 2019 की 23 के मुकाबले इस बार 9 सीटें ही मिली हैं। यानी वहां भाजपा को पूरी 14 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। कुल मिलाकर भाजपा को इस बार 20% सीटों का नुकसान है। वहीं कांग्रेस को 90% सीटों का फायदा हुआ है।

भाजपा ने पश्चिम-दक्षिण साधा, हिंसाग्रस्त मणिपुर की दोनों सीटें हारीं

उत्तरप्रदेश: 80 में से 43 सीटें सपा और कांग्रेस ने जीतीं। 80 सीटों में से 37 सपा, 33 भाजपा, 6 कांग्रेस, 2 रालोद और 1 अपना दल और एक निर्दलीय को मिली। भाजपा की 29 सीटें घटीं, सपा की 32 बढ़ीं। इसके पीछे की वजह रही कि बीजेपी का राम मंदिर का नरेटिव फेल हो गया। भाजपा अयोध्या नगरी की लोकसभा सीट फैजाबाद 50 हजार से ज्यादा वोटों से हारी। बीजेपी ने यहां के 7 सांसदों को इस बार टिकट नहीं दिया। इसका नुकसान भी हुआ, जबकि बसपा का 80-90% वोट इंडिया की पार्टियों को गया।

राजस्थान: 25 में से 14 भाजपा को, 8 कांग्रेस ने छीनीं। अन्य के खाते में 3 सीटें गईं। 2019 में भाजपा ने यहां 24 सीटें जीती थीं। 1 सीट रालोपा के पास थी। इस बार जातीय समीकरण ने भाजपा का गणित बिगाड़ दिया। आरक्षण को लेकर एससी-एसटी में नाराजगी का असर वोटों पर हुआ। जाट-राजपूतों का गुस्सा और गुर्जर-मीणा का एक होना भी फैक्टर रहा। भाजपा का वोट शेयर 60% से घटकर 49% पर आ गया।

हरियाणा: भाजपा 10 में से 5 ही सीटें बचा पाई। उसकी 5 सीटें छिन गईं। भाजपा और कांग्रेस को 5-5 सीटें मिलीं। 2019 में भाजपा ने यहां 10 सीटें जीती थीं। इसकी सबसे बड़ी वजह किसान आंदोलन, एंटी इन्कम्बेंसी और पहलवानों के विद्रोह का असर रहा। यही कारण था कि भाजपा को अपनी आधी सीटें गंवानी पड़ीं।

बिहार: जदयू के साथ से भाजपा बड़े झटके से बच गई। इंडिया का वोट शेयर 9% तक बढ़ गया। सीटें 7 हासिल कीं। कुल 40 सीटों में से 12 जदयू, 12 भाजपा, 5 लोजपा, 4 राजद, 3 कांग्रेस, 2 सीपीआई (एमएल), 1-1 हम व निर्दलीय को मिलीं। 2019 में भाजपा 17, जदयू 16, लोजपा 6 और एक कांग्रेस ने जीती थी। इस बार यहां एनडीए का वोट शेयर 2% घट गया। चुनाव से पहले जदयू को साथ लाकर भाजपा बड़े नुकसान से बच गई।

दक्षिण: केरल में भाजपा की एंट्री, तेलंगाना में दोगुनी, आंध्र में 3 सीटें जीतीं। कर्नाटक में 8 सीटें गवां दीं। यहां की कुल 129 सीटों में भाजपा को 29, कांग्रेस को 40 सीटें गईं। तमिलनाडु की 39 में से 22 द्रमुक ने, 9 कांग्रेस और 8 सीटें अन्य पार्टियों ने जीतीं। कर्नाटक की 28 में से 17 भाजपा, 9 कांग्रेस, 2 जेडीएस को। आंध्र की 25 में 16 टीडीपी, 4 वाईएसआर, भाजपा को 3 मिलीं। केरल में कांग्रेस को 14, भाजपा को 1 सीट मिली। तेलंगाना में भाजपा, कांग्रेस को 8-8 और अन्य ने एक सीटें जीतीं।

'जज संवैधानिक मूल्यों की निरंतरता को दर्शाते हैं'

ऑक्सफोर्ड में अपने भाषण में बोले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी में दिए अपने भाषण में कहा कि देश के संवैधानिक लोकतंत्र के मूल में चुनाव हैं, लेकिन जज संवैधानिक मूल्यों की निरंतरता को दर्शाते हैं, जो इस व्यवस्था की रक्षा करते हैं। मंगलवार को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में समाज में निर्णायकों की मानवीय भूमिका विषय पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका में पारदर्शिता लाने में तकनीक की अहम भूमिका है। सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों की आलोचना की बात को स्वीकार करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रौद्योगिकी का समग्र प्रभाव न्यायपालिका को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में मदद करना है।

दरअसल मुख्य न्यायाधीश से भारतीय चुनाव को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 'चुनाव संवैधानिक लोकतंत्र के मूल में हैं, लेकिन भारत में न्यायाधीशों का चुनाव नहीं किया जाता। न्यायाधीश संवैधानिक मूल्यों की निरंतरता की भावना को दर्शाते हैं। लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसमें हम परंपरा की भावना को दर्शाते हैं और ये भी दर्शाते हैं कि एक अच्छे समाज का भविष्य कैसा होना चाहिए।' बतौर जज फैसले सुनाते समय राजनीतिक और सामाजिक दबावों के बारे में पूछे जाने पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अपने 24 साल के अपने करियर में उन्हें कभी भी सत्ता की तरफ से राजनीतिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ा है। विशेष विवाह अधिनियम के फैसले पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मैं यहां फैसले का बचाव करने के लिए नहीं आया हूं क्योंकि मेरा मानना है कि एक बार जो फैसला सुना दिया गया, वह वैश्विक मानवता की संपत्ति बन जाता है।

विशेष विवाह अधिनियम संसद द्वारा पारित एक कानून था। उस मामले में मैं अल्पमत में था, लेकिन मेरे तीन सहकर्मी सहमत नहीं थे क्योंकि उनका मानना था कि समलैंगिक विवाह को मान्यता देना न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के बाहर है।

सीने में दर्द और बेचैनी को इग्नोर किया, मथुरा के पुलिसकर्मी की हार्टअटैक से मौत

इंदौर, 5 जून (एजेंसियां)। इंदौर में एक पुलिसकर्मी को सीने में दर्द हुआ और बेचैनी होने लगी। इस पर वह छुट्टी लेकर घर चला गया। घर पर तबियत और अधिक बिगड़ी तो मकान मालिक उसे अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। पुलिसकर्मी मथुरा का रहने वाला है। उसके परिवार में दो बच्चे और पत्नी हैं। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। विनोद जाट इंदौर के रावजी बाजार में पदस्थ था। मंगलवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई तो वह छुट्टी लेकर घर चला गया। घर जाने के बाद उसे सीने में और तेज दर्द हुआ। मकान मालिक उसे अस्पताल लेकर पहुंचा लेकिन यहां उसकी मौत हो गई। सदर बाजार पुलिस ने बताया कि विनोद का घर मरी माता चौराहे के पास है। वह मथुरा का रहने वाला है

रेलकर्मी ने परिवार समेत सुसाइड किया

पत्नी और दो बेटियों के साथ ट्रेन के सामने कूदा; पारिवारिक विवाद बनी वजह

जबलपुर, 5 जून (एजेंसियां)। जबलपुर में बुधवार सुबह रेलवे कर्मचारी ने पत्नी और दो बेटियों के साथ सुसाइड कर लिया। पूरे परिवार ने ट्रेन के आगे आकर खुदकुशी की। घटना भेड़ाघाट थाने की है। नरेंद्र चढ़ार (32) रेलवे में ग्रुप - डी कर्मचारी थे। पत्नी रीना चढ़ार (26) के साथ उन्होंने बेटी सानवी (6) और मानवी (3 महीने) के साथ आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद में रेलकर्मी ने यह कदम उठाया है। जीआरपी और भेड़ाघाट थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, घटना भेड़ाघाट रेलवे स्टेशन से नजदीक की है। चारों के शव कटे हुए मिले थे। घटनास्थल से थोड़ी दूर बाइक भी मिली है।

जयराम रमेश बोले- कांग्रेस के दोनों सांसद चुनकर मणिपुर ने मजबूत संदेश दिया, राज्य में भाईचारा बढ़ेगा

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव जयराम रमेश ने कहा है कि मणिपुर के लोगों ने दोनों सांसद कांग्रेस के चुनकर एक मजबूत संदेश दिया है। यह हिंसा प्रभावित राज्य में राहुल गांधी की यात्रा का परिणाम है। संघर्षग्रस्त मणिपुर में मंगलवार को आए लोकसभा चुनाव परिणाम में कांग्रेस के दोनों सांसदों ने जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी अल्फ्रेड कन्नगम एस आर्थर ने बाहरी मणिपुर सीट 85 हजार 418 वोटों से जीत दर्ज की। अल्फ्रेड ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी एनपीएफ के कचुई टिमोथी जिमिक को शिकस्त दी। वहीं आंतरिक मणिपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अंगोमचा बिमोल अकोइजम ने बीजेपी प्रत्याशी थौनाओजम बसंतकुमार को एक लाख 9 हजार 801 वोटों से हरा दिया।

'प्रधानमंत्री मोदी मुसीबत के समय मणिपुर के लोगों से नहीं मिले'

सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव जयराम रमेश ने लिखा, ' 3 मई 2023 से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के लोगों ने मणिपुर आंतरिक और बाहरी दोनों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी को चुनकर एक शक्तिशाली संदेश दिया है। यह जीत राहुलगांधी की उस यात्रा को सलामी जो उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 29 और 30 जून को हिंसा ग्रसित राज्य में की। जबकि राज्य सरकार ने राहुल गांधी की यात्रा के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। यह नरेंद्र मोदी पर करारा प्रहार है, जो खुद मुसीबत के समय मणिपुर के लोगों तक नहीं पहुंचे और और ना ही कुछ समय के लिए भी मणिपुर की यात्रा की। अब कांग्रेस के चुने हुए दोनों सांसदों पर यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वह यहां के लोगों से मिलजुलकर भाईचारे की भावना को बढ़ाएंगे।'

मई 2023 से हिंसा से जूझ रहा है मणिपुर

मणिपुर पिछले साल 2023 मई से संघर्षरत है, जब घाटी में बड़ी आबादी वाले मैतई समुदाय ने अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग की थी। इसके विरोध में पहाड़ी इलाकों में कुकी आदिवासियों ने जुलूस निकाला था और इसी के बाद से ही राज्य में जातीय हिंसा भड़क गई थी। तब से हिंसा की आग में जल रहे प्रदेश में सुरक्षा कर्मियों सहित दोनों समुदायों के 220 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे 5 और ट्रैकरों की मौत

अब तक आठ की जान जा चुकी, वायु सेना से मांगी मदद

उत्तरकाशी, 5 जून (एजेंसियां)। उत्तरकाशी-टिहरी जनपद की सीमा पर करीब 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित सहस्त्रताल में फंसे कर्नाटक, महाराष्ट्र के 5 और ट्रैकरों की मौत हो गई है। अब तक आठ ट्रैकरों की जान जा चुकी है। वहीं दस ट्रैकरों को एयरलिफ़्ट कर सुरक्षित निकाला जा चुका है। 29 मई को एक 22 सदस्यीय दल मल्ला-सिल्ला से कुश कुल्याण बुग्याल होते हुए सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के लिए निकला था। यहां चार ट्रैकर की ठंड लगने से मौत हो गई। 18 ट्रैकर वहां फंसे थे, इनमें से आज चार ट्रैकर की और मौत हो गई। जिला प्रशासन के अनुरोध पर वायु सेना के दो चेतक हेलिकॉप्टर अभियान में लगाए गए हैं। दस ट्रैकर को सुरक्षित लाया जा चुका है।

रेस्क्यू जारी

जिलाधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया है कि सहस्त्रताल की ट्रैकिंग रुट पर फंसे ट्रैकर्स को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ व वन विभाग के रेस्क्यू दल अलग-अलग दिशाओं से घटना स्थल के लिए गए हैं। वन विभाग की दस सदस्यों की रेकी व रेस्क्यू टीम सिल्ला गांव से आगे गई है। जबकि जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से एसडीआएफ के दल ने भी टिहरी जिले के बूढ़ाकेदार की तरफ से रेस्क्यू शुरू किया। इस रेस्क्यू अभियान के समन्वय में जुटे पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि एसडीआरएफ की माउंटेनियरिंग टीम भी देहरादून से हेलिकॉप्टर से एरियल रैकी के लिए गई है। साथ ही सहस्त्रताल ट्रेक रुट पर फंसे ट्रैकर्स को निकालने के लिए वायु सेवा के द्वारा भी सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

सुविचार

जब आपका वक्त खराब होता है तो लोग आपकी काबिलियत पर भी शक करने लगते है

रेवंत अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने में विफल रहे: डीके अरुणा

महबूबनगर, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के लिए सबसे प्रतिष्ठित माने जाने वाले महबूबनगर संसदीय सीट पर भाजपा उम्मीदवार डीके अरुणा ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है। कांग्रेस उम्मीदवार वामसी चंद रेड्डी ने डीके अरुणा के प्रतिद्वंद्वी के रूप में चुनाव लड़ा था। लेकिन उन्हें डीके अरुणा ने 3,510 मतों के अंतर से हराया। बुधवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी को जवाब दिया। उन्होंने मजाक उड़ाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कांग्रेस पार्टी के लिए अपने ही संसदीय क्षेत्र महबूबनगर को नहीं जीत पाए। केंद्रीय मंत्री पद के लिए पैरवी करने वाली खबरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस पद को हासिल करने के लिए कोई प्रयास नहीं करेंगी। उन्होंने कहा, "मैं केंद्रीय मंत्री पद के लिए कोई प्रयास नहीं करूंगी। मेरी पार्टी इस मुद्दे पर फैसला लेगी।" उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग की गई है। उन्होंने सीएम को चेतावनी दी कि उन्हें राज्य मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, जिन्होंने नलगोंडा एमपी सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित की, कोमाटिरेड्डी बंधुओं, जिन्होंने भुवनगिरी एमपी सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित की, से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने रेवंत से पूछा कि वह किस हैसियत से पीएम नरेंद्र मोदी से अपने पद पर बने न रहने के लिए कह रहे हैं? उन्होंने कहा, "लोग रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं पहचानते हैं।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

गुरुवार 06.06.2024 ज्येष्ठ बदी अमावस्या के अवसर पर पधारे

श्री आईजी गौशाला

आज, गुरुवार दिनांक 06 जून 2024 को अमावस्या, मल्काराम, बालाजीनगर (कापरा मंडल) (रजि. नं. 720/2008)

के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर लाभ लेवें

आईमाताजी भजन मण्डली बालाजी नगर, भजन कलाकार : अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल एवं महिला भजन मण्डली

आज की महाप्रसादी

पवन हाम्बड़, भीकाराम पंवार, चेलाराम पंवार, बगदाराम बर्फा, नवरत्न पंवार, प्रकाश हाम्बड़, राजेश हाम्बड़, पांचाराम पंवार, चन्दु पंवार, राजू पंवार, गौतम पंवार

हेल्थ चेकअप कैम्प प्रातः 10:30 से 3 बजे तक

गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशी जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने

(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no.: 62492036580, IFSC : SBIN0020435)

निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण

अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

AAI MAA ADS 9347945230

विश्व मंगल गौशाला

सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)

सस्नेह निमंत्रण

आज गुरुवार 6 जून 2024 प्रातः 11 बजे से

ज्येष्ठ अमावस्या

शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद

गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी

सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।

भजन गायक : श्री जयरामजी सी र वी

भोजन प्रसादी लाभार्थी : श्री जयरामजी सी र वी हथवेल्ली, श्री रमेशजी सी र वी रावलकोल

हरी घास व्यवस्था लाभार्थी : गुप्तदान सिकन्दराबाद, श्री नेतारामजी सुथार महाराजपेट, मोकीला

दूरभाष : 6305431734, 9346917593

Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429 HDFC Bank, Kanajiguda Branch

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला

श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317

कामधेनु गौ मंदिर | समर्थ नारायण महाराज | श्री प्रभुदत्तजी महाराज

आज गुरुवार, 06-06-2024 को अमावस्या

"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।

Online गौ सेवा के लिये

(For Income Tax Exemptions u/s 80g)

SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054

SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790

PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता

श्री गोपाल गौशाला

संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम

आज गुरुवार, 6-6-2024 को अमावस्या है। अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।

प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।

अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-; एक गाय की मासिक सेवा 1100/-; गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-; एक DCM गाडी घॉस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-

SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025

निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833

गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

MEENAKSHI

बाढ़ के पानी को समस्या बनने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए : कमिश्नर रोनाल्ड रॉस

जीएचएमसी आयुक्त ने जल भराव वाले क्षेत्रों का दौरा किया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने अधिकारियों को सोमाजीगुडा और खैरताबाद क्षेत्र में बाढ़ के पानी की समस्या से बचने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। बुधवार को कमिश्नर ईएसी जियाउद्दीन के साथ जल जमाव वाले बिंदुओं का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर मर्करी ताज कृष्णा होटल में जल जमाव वाले बिंदुओं की जांच की गयी. आयुक्त ने ईसी को एर्रामुंज़िल मेट्रो स्टेशन से बाढ़ को निर्देशित करने के लिए मर्करी, ताज होटल, आरटीए कार्यालय लेक गेस्ट हाउस में बांधों के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। इस कार्यक्रम में खैरताबाद जोनल एसई रत्नाकर, ईई इंदिराबाई व अन्य शामिल हुए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mohammed Moinuddin S/o. Mohammed ismaed R/o. 8-1-55/5A, Oldtandur- 501141, Vikarabad, TS.My Name Changed as MD Moinoddin S/o.MD Ismail

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

काम करते समय मनरेगा मजदूर की मौत

सिद्दीपेट, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दौलतबाद मंडल के चेतला नरसंपल्ली के बाहरी इलाके में बुधवार को मनरेगा की एक महिला मजदूर की काम करते समय मौत हो गई। मृतका उसी गांव की निवासी पासुला अनिता (34) थी। काम करते समय वह अचानक गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। अनिता की अचानक मौत के बाद उसकी दो स्कूल जाने वाली बेटियां दीपिका और दीक्षा अनाथ हो गईं। ग्रामीणों ने उनके लिए अनुग्रह राशि की मांग की है। दौलतबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

श्री धर्मसाई गौशाला

धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218

सस्नेह निमंत्रण

ज्येष्ठ बदी अमावस्या

आज गुरुवार, 06-06-2024 को दर्श अमावस्या

गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पूण्य के भागीधार बने

C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad

SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST A/c no-922020006836112 AXIS BANK, Shamshabad branch IFSC code-UTIB0000867 Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe:- 9440828585

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

आज गुरुवार, 06-06-2024 को ज्येष्ठ बदी अमावस्या के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें

नारायणी गो सेवा सदन

रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद

सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321

आज सोमवती अमावस्या है अपने पितरो के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारें। गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बने। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:

NARAYANI GOW SEVA SADAN, A/C No. 50200065063209, for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996, TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889 JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.

गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनो। सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।

निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व पर्यावरण दिवस पर हैदरनगर झील की सफाई शुरू

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फाउंटेनहेड ग्लोबल स्कूल ने बुधवार को हैदरनगर में सामुदायिक रैली और झील सफाई अभियान का आयोजन किया। संस्था प्रमुख सुधा रानी कोय्या के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं' विषय पर स्थानीय क्षेत्र में मौन जागरूकता रैली निकाली तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाले पोस्टर हाथों में थामे रहे। रैली के बाद छात्रों ने स्वान (जल एवं प्रकृति बचाओ) और ओजोन रन के सहयोग से मीडिकुंटा झील पर सफाई अभियान चलाया, जिस स्थान का वे पुनरुद्धार कर रहे हैं। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य कचरा एकत्र किया गया।

जय श्री राम : श्री गणेशाय नम : (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम

आज गुरुवार दिनांक 6 जून 2024

ज्येष्ठ अमावास्या

यादेवी श्री आईजी गौशाला

शुभस्थल : एन एच 44,मेडचल रोड, कल्लाकल।

गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा। अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर लाभ लेवे।

सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785 , सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842

Gpay / phone pay : 9246368842

CHOUDHARY BROTHERS

HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL

SOHANLAL : 9032160794

BEAUTIFUL HOMES

PRAJAPATI

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः

चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

Sri Jain Goshala Estd. 14-10-2001

अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य

आज अमावस्या गुरुवार, 6-6-2024 "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें

प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी

निवेदक : श्री जैन गौशाला

6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड़चल ज़िला (तेलंगाना)

सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045

BANK DETAILS BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited. Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No .: 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04

ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515 G Pay PhonePe

शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद

MEENAKSHI

निवेदक : कार्य समिति

ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद | शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद

गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने।

OM SHIV MANDIR GOSHALA MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch C/A No. 003103000000072 IFSC CODE: HDFC0CMCUBL

SHIV MANDIR GOSHALA AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch C/A No. 002001200018617 IFSC CODE: APMC00002

आज गुरुवार, 06-06-2024 को ज्येष्ठ बदी अमावस्या

जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।

Digital Donation are accepted on G Pay Google Pay/ PhonePe Phone Pay 9959271866

FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546

गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available | गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज गुरुवार दिनांक 6 जून 2024 अमावस्या है

हज़ारों गौवंश एव कबूतरों को अपने करकमलों से चारा-दाना अर्पण कीजिये।

आप सभी के पूर्ण सहयोग के कारण अपना नवजीवन यापन कर रही 6000 से अधिक गौवंश एवं दाना चुगते हजारों कबूतरों को सहपरिवार पधारकर चारा-दाना अर्पण कीजिये।

माँ सरस्वती वेटरीनरी हॉस्पिटल

185 पी. बुरूजुगुडा, पेद्दाशाहपुर तांडा शमशाबाद मंडल-509325, रंगारेड्डी जिला

उद्घाटन समारोह : रविवार दिनांक 7 जुलाई 2024 प्रात: 11.31 बजे

₹5,555/- प्रदान कर आजीवन सदस्यता प्राप्त करें

शुक्रवार दिनांक 5 जुलाई 2024 सायं 4 बजे सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौ निवास, गगनपहाड पर आप सभी के समक्ष होने वाले ड्रा में आपका ही सदस्यता क्रमांक (नम्बर) निकले और आपके परिवार द्वारा ही इस विशाल चिकित्सालय का उद्घाटन सम्पन्न होगा। पशु चिकित्सा अभियान में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान कर अनुग्रहित करें।

सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास

SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS

Estd. 2001 Regd. 664/2010

#7-4-117/3/1/1, Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad - 500 052, Telangana

Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260 , 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085

Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Br, Hyd.A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU

To Avail 80G Kindly Donate - AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST

CANARA BANK - Basheerbagh Branch, Hyd. A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878

NAVKAR AGENCIES

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में आज सुनवाई,

प्रयागराज, 5 जून (एजेंसियां)। मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई सुनवाई में अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 6 जून की तारीख तय की है शाही ईदगाह के वकील महमूद प्राचा ने रामपुर लोकसभा सीट पर मतगणना होने का हवाला देते हुए इस मामले की सुनवाई टालने का अनुरोध किया था प्राचा इस सीट से निर्दलीय उम्मीदवार हैं उन्होंने सुनवाई की तिथि पांच जून के बाद तय करने का अनुरोध किया था हालांकि, प्राचा के इस अनुरोध पर हिंदू पक्ष ने आपत्ति जताई लेकिन याचिकाकर्ता द्वारा दी गयी दलील पर विचार करते हुए जस्टिस मयंक कुमार जैन ने सुनवाई की अगली तारीख छह जून तय कर दी इससे पहले अदालत ने हिंदू और मुस्लिम पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 31 मई को कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था

मुस्लिम पक्ष को मिलेगा एक और मौका

शाही मस्जिद को हटाकर उसके स्थान पर मंदिर बनाने की मांग वाले हिंदू पक्ष के 18 मुकदमों के खिलाफ प्रतिवादियों ने लिखित जवाब दाखिल किया है हालांकि, बाद में शाही ईदगाह मस्जिद के वकील महमूद प्राचा की ओर से अर्जी दाखिल कर उनका पक्ष सुने जाने का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने इस मामले में फिर से सुनवाई शुरू की इस आदेश के बाद मुस्लिम पक्ष को इन 18 मुकदमों की पोषणीयता को चुनौती देने का और एक मौका मिलेगागौरतलब है कि अयोध्या विवाद की तर्ज पर मथुरा मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट सीधे तौर पर सुनवाई कर रहा है हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल की गई डेढ़ दर्जन याचिकाओं पर हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई कर रहा है अदालत में अभी मुकदमों की पोषणीयता पर ही बहस चल रही है

लापता छात्र के कपड़े नदी किनारे मिले

जालौन, 5 जून (एजेंसियां)। जालौन जिले में आटा थाना क्षेत्र के गांव ददरी में मंगलवार दोपहर से गायब छात्र के कपड़े बुधवार को बेतवा नदी के किनारे पड़े मिले हैं। इसकी जानकारी होते ही छात्र के परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। थाना क्षेत्र गांव ददरी निवासी कौशल किशोर का इकलौते बेटा अनुराग (16) कक्षा नौ में पढ़ता था। मंगलवार दोपहर अनुराग घर से बिना बताए निकल गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं उसका कुछ भी पता नहीं चल सका। आज सुबह ग्रामीणों ने सूचना दी कि अनुराग के कपड़े गांव के बाहर एक किलोमीटर दूर बेतवा नदी के किनारे रखे हुए हैं। परिजनों ने कपड़े से पहचान की और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस नदी में किशोर की खोजबीन में लगी हुई हैं।

मायावती ने मुसलमानों पर फोड़ा चुनाव में हार का ठीकरा

कहा-अब सोच समझकर टिकट देंगे

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है उन्होंने मुस्लिमों पर हार का ठीकरा फोड़ा है मायावती ने कहा कि भविष्य में सोच समझकर फैसला लेंगे मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी का खास अंग मुस्लिम समाज उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद भी बसपा को ठीक से नहीं समझ पा रहा है तो अब ऐसी स्थिति में आगे इनको सोच समझकर ही चुनाव में पार्टी के द्वारा मौका दिया जाएगा ताकि पार्टी को आगे भविष्य में इस बार की तरह भयंकर नुकसान न हो बसपा चीफ ने कहा कि इस चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई थीं और यहां जो परिणाम सामने आया है, यह भी जनता के सामने है हमारी पार्टी इसको गंभीरता से लेकर हर स्तर पर गहराई से सही विश्लेषण करेगी और पार्टी के हित में जो भी जरूरी कदम होगा, उसे उठाएगी

यूपी में बसपा को बड़ा झटका खाता भी नहीं खुला

मायावती ने कहा कि मुसलमानों ने हमे वोट नहीं दिया जबकि मैंने हमेशा इन्हें टिकट दिया उन्होंने कहा कि मेरी अपनी जाति ने बीएसपी को वोट किया मायावती को यूपी के नतीजों से बहुत बड़ा झटका लगा है उनकी पार्टी यूपी में एक भी सीट नहीं जीत पाई है यूपी में बसपा का वोट प्रतिशत 939 है वहीं, अगर देश की बात करें तो पूरे देश में बीएसपी का वोट प्रतिशत केवल 204 है

मायावती ने 23 मुस्लिमों को दिया था टिकट

लोकसभा चुनाव 2024 में मायावती ने मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देने में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए बसपा ने उत्तर प्रदेश में 23 मुस्लिम और 15 ब्राह्मणों को टिकट दिया था 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने 6 टिकट मुस्लिमों को दिया था बसपा चीफ मायावती 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया था मगर चुनाव में उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था

जौनपुर में एक लाख का इनामी प्रशांत सिंह ढेर, सात साल से चल रहा था फरार

जौनपुर, 5 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश जौनपुर में इनामी अपराधी प्रशांत सिंह को एनकाउंटर में मार गिराया गया है। देर रात पुलिस और अपराधी के बीच भिड़ंत हो गई। प्रशांत सिंह ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद एनकाउंटर शुरू हो गया। प्रशांत सिंह पर हत्या और डकैती के 40 से अधिक केस दर्ज थे। प्रशांत सिंह लंबे समय से वॉन्टेड भी चल रहा था। पुलिस ने बदमाश के पास से असलहे और एक बाइक भी बरामद की है। यूपी में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया समाप्त होते ही कानून व्यवस्था में बाधक बन रहे अपराधियों पर कार्रवाई शुरू की गई है। योगी सरकार लगातार अपराधियों के खिलाफ कड़े एक्शन ले रही है। जौनपुर में यह स्थिति देखने को मिली।

एक लाख का था इनामी

प्रशांत सिंह की पुलिस के साथ जौनपुर के खेतासराय थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हो गई। पुलिस एनकाउंटर में इनामी बदमाश प्रशांत सिंह उर्फ प्रिंस को गोली लग गई। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। प्रशांत सिंह पर पुलिस ने एक लाख का इनाम घोषित किया गया। प्रशांत सिंह कई हत्या और डकैती को अंजाम दिया गया था। पिछले सात सालों से अधिक समय से पुलिस को उसकी तलाश थी। वॉन्टेड प्रशांत की खोजबीन में पुलिस लगी हुई थी।

13 मई को शाहगंज में हुआ था मर्डर

शाहगंज थाना क्षेत्र में 13 मई को आशुतोष श्रीवास्तव का मर्डर हुआ था। इस हत्याकांड का आरोप आरोपी प्रिंस और उसके साथियों ने मिलकर अंजाम दिया। एनकाउंटर में मारे गए इनामी बदमाश के पास से पुलिस को 9 एमएम के दो असलहे मिले हैं। उसके पास से एक बाइक भी बरामद की गई है।

घरेलू कलह में दंपती ने खाया जहर

पत्नी की मौत, पति की हालत नाजुक, सुसाइड नोट में लिखी ये बात

फर्रुखाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में पारिवारिक कलेश के चलते दंपत्ति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पत्नी की मौत हो गई। वहीं, पति की हालत नाजुक बनी हुई है। महिला के भाई ने दहेज हत्या करने का आरोप लगाया। महिला की जनवरी में शादी हुई थी। कोतवाली क्षेत्र के गांव पपड़ी निवासी अजय कुमार उर्फ गोलू व उसकी पत्नी उपासना से परिवार के लोग आए दिन मारपीट करते थे। मंगलवार शाम को भी मारपीट हुई। इसके बाद दोनों ने सुसाइड नोट लिखकर जान देने का फैसला कर लिया। दोनों ने एक साथ जहर खा लिया।

परिजनों ने रात करीब तीन बजे सीएचसी में भर्ती कराया, जहां उपासना की मौत हो गई। अजय को नाजुक हालत में लोहिया रेफर कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में इलाज के बाद सैफई के लिए रेफर कर दिया गया। अजय की हालत नाजुक बताई गई है। उपासना की जनवरी माह में शादी हुई थी। उसका मायका शमसाबाद के मोहल्ला सिकंदरपुर महमूद में है। भाई अरविंद ने दहेज में बुलेट बाइक की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मेरठ में पार्टी की जीत से उत्साहित बीजेपी नेता ने एसपी को धमकाया

कहा- होश में रहो, सरकार आज भी हमारी है, कल भी रहेगी

मेरठ, 5 जून (एजेंसियां)। यूपी की मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल की जीत हुई है। ऐसे में बीजेपी के स्थानीय नेता और पदाधिकारी उत्साहित नजर आ रहे हैं। इस बीच खबर आई कि बीजेपी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल की एसपी क्राइम अनीत कुमार से तीखी बहस हुई है। इस दौरान विनीत ने एसपी को धमकी देते हुए कहा कि होश में रहो। अरुण गोविल के जीतने की खबर सुनकर बीजेपी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल शारदा मतगणना स्थल कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे थे। विश्वविद्यालय के गेट के बाहर पुलिस ने उनकी कार रोक दी तो विनीत नाराज हो गए। विनीत की एसपी क्राइम अनीत कुमार से तीखी नोंकझोंक हुई। कार को मतगणना स्थल के अंदर ले जाने से रोकने पर विनीत ने एसपी क्राइम अनीत कुमार को खूब खरी-खोटी सुनाई। विनीत ने एसपी को धमकी देते हुए कहा कि सरकार हमारी है, तुमको देख लूंगा। बीजेपी नेता ने पैरामिलिट्री फोर्स के अधिकारियों को भी जमकर सुनाया। वहीं एसपी क्राइम अनीत कुमार ने विनीत से कहा कि वह सरकार की नौकरी करते हैं, न कि आपकी। नोकझोंक का यह वीडियो अब वायरल हो रहा है।'

चार साल के बच्चे की चाकू से गला रेतकर हत्या

मां मजाक कर चिढ़ाती थी, इसलिए पड़ोसी युवती ने मार डाला, शव को बोरी में भरकर भूसे में छिपाया

उन्नाव, 5 जून (एजेंसियां)। उन्नाव में पड़ोसी से चल रही खुन्नस और तीखे शब्दों का प्रयोग कर मजाक उड़ाना एक मां को महंगा पड़ गया। पड़ोसी युवती ने उसके चार साल के मासूम बच्चे को अगवा करके चाकू से गला रेतकर मार डाला। मासूम के लापता होने पर चाचा ने थाना पहुंच कर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। छानबीन कर रही पुलिस ने मंगववार देर रात मासूम के शव को पड़ोसी के कमरे में भरे भूसे से बरामद कर लिया है। शव को बोरी में भरकर पशु बाड़े में भूसे में छिपा दिया गया। आरोपी युवती ने घटना कबूली है। पुलिस युवती के पिता और भाई से भी पूछताछ कर रही है। गोंदरी गांव के रहने वाले दिनेश गुजरात में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। गांव में उसकी पत्नी पूनम अपने इकलौते पांच वर्षीय बेटे अक्षत के साथ रहती थी। शाम को अक्षत खेलने के लिए घर से निकल गया था और शाम तक वह घर नहीं पहुंचा।

डंपर की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत

सड़क निर्माण के दौरान हुआ हादसा

चंदौली, 5 जून (एजेंसियां)। चंदौली जिले के बलुआ थाना क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ में बुधवार की भोर में सड़क निर्माण में कार्य कर रहे दो मजदूरों की डंपर की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों की पहचान राजू माझी (30) व कांग्रेस माझी (28) के रूप में हुई। डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चंदौली से लेकर चहनियां तीरगांवा तक एपको कंपनी द्वारा हाईवे का निर्माण किया जा रहा है। बिहार के गया जनपद के रहने वाले भुरुआ थाना क्षेत्र के बिरहिमा गांव के रहने वाले राजू माझी पुत्र अवतार माझी व इसी थाना क्षेत्र के ग्राम बुधवाचक के रहने वाले कांग्रेस माझी पुत्र राधे माझी सड़क निर्माण में मजदूरी का कार्य करते थे। बुधवार की भोर में करीब 3 बजे सड़क ढालने के लिए लक्ष्मणगढ़ में निर्माण स्थल पर दोनों मजदूर प्लास्टिक बिछा रहे थे। सड़क निर्माण में ही लगे डंपर को चालक बैक करने लगा, जिससे दोनों मजदूर इसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। डंपर चालक यह देख भाग खड़ा हुआ। वहां कार्य में लगे अन्य मजदूर उन्हें चहनियां स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंडिया गठबंधन के लोग समझदारी दिखाते तो परिणाम और बेहतर होते- चंद्रशेखर आजाद

नगीना, 5 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट पर आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के चंद्रशेखर आजाद ने शानदार जीत हासिल की है. 4 जून, मंगलवार को हुई मतगणना में भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर ने 1,51,473 वोटों से अपने निकटम प्रतिद्वंदी बीजेपी के ओम कुमार से जीत हासिल की है. चंद्रशेखर को कुल 5,12,552 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार ओम कुमार को 3,61,079 वोट मिले. तीसरे स्थान पर समाजवादी पार्टी के मनोज कुमार रहे. मनोज को 1,02,374 लोगों ने वोट किया. बहुजन समाज पार्टी-बीएसपी के सुरेंद्र पाल सिंह 13,272 वोट लेकर चौथे स्थान पर रहे. चुनाव जीतने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चंद्रशेखर ने नगीना की जनता का आभार व्यक्त किया.

अमेठी से हार के बाद स्मृति ईरानी ने शेयर किया पोस्ट, सोशल मीडिया पर लोग बोले- 'घमंड ले डूबा मैडम'

अमेठी, 5 जून (एजेंसियां)। अमेठी से बीजेपी की सीट से खड़ी स्मृति ईरानी को लोकसभा चुनाव को इस सीट से हार का सामना करना पड़ रहा है। वे इस सीट से जीत हासिल करने में नाकामयाब रहीं। स्मृति ईरानी नेसोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए खुशी- खुशी हार को कबूल किया है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि, 'ऐसा ही जीवन है..

मेरे जीवन का एक दशक एक गाँव से दूसरे गाँव तक जाना, जीवन बनाना, आशा और आकांक्षाओं का पोषण करना, बुनियादी ढांचे पर काम करना - सड़कें, नाली, खाद्य आपूर्ति, बाईपास, मेडिकल कॉलेज और बहुत कुछ। हार और जीत में जो लोग मेरे साथ खड़े रहे, मैं उनका सदैव आभारी हूं। आज जश्न मनाने वालों को बधाई। और पूछने वालों से, जोश कैसा है? मैं कहता हूं- अभी भी बहुत ज्यादा है सर। इसके बाद स्मृति ईरानी ने कहा कि चाहे वे अमेठी से हार गई हैं, लेकिन उनका जोश भी कम नहीं हुआ। स्मृति ने अपने पोस्ट में लिखा है कि जिंदगी ऐसी ही होती है। मेरा एक दशक तो एक गांव से दूसरे गांव भटकते हुए, लोगों की जिंदगियां सवारते हुए, उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को बढ़ाते हुए, रोड, नालियां, बाईपास, मेडिकल कॉलेज और बहुत कुछ पर काम करते हुए बीत गया।

हिस्ट्रीशीटर की गोलियों से भूनकर हत्या

बदमाशों ने शरीर में उतार दिया 10 कारतूस; जांच में जुटी पुलिस

आरा, 5 जून (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अन्तर्गत सकड्डी एवं कुल्हड़िया गांव के बीच हथियारबंद अपराधियों ने देर रात एक हिस्ट्रीशीटर की गोलियों से भून कर हत्या कर दी। मृतक 28 वर्षीय मिथिलेश पासवान कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडीहां (कुबेरचक) गांव वार्ड नंबर दो निवासी सुरेश पासवान के पुत्र थे। अपराधियों ने काफी करीब से उसे दस गोलियां मारी है। वारदात की सूचना मिलते ही सदर-टू डीएसपी रंजीत कुमार सिंह एवं कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतकों के स्वजनों से मिल घटना की जानकारी ली। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। शव का पोस्टमार्टम आरा के सदर अस्पताल में कराया गया। पुलिस के अनुसार मारे गए मिथलेश पासवान के विरुद्ध भोजपुर के आरा टाउन थाना में बम ब्लास्ट, कोईलवर में हत्या और अरवल में आर्म्स एक्ट का आदि कई केस है

साथी के घर से मिलकर लौटने के दौरान वारदात

इधर, मृतक के स्वजन ने बताया कि रात वह बाइक से टाउन थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में शहर के कुख्यात अपराधी छोटू मिश्रा के घर गया था। मिलने के बाद जब बाइक से वापस अपने गांव लौट रहा था कि उसी दौरान सकड्डी एवं कुल्हड़िया गांव के बीच हथियारबंद अपराधियों ने गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी। हालांकि, उक्त अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या क्यों की, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

एक दर्जन से अधिक कांडों में वार्जशीटडेट

इधर ,सदर-टू डीएसपी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि मृतक मिथलेश पासवान टाउन,कोईलवर,चांदी,गीधा एवं अरवल थाने में रंगदारी,लूट,हत्या,आर्म एक्ट सहित करीब एक दर्जन से अधिक मामलो में आरोपित था। पूर्व में जेल भी गया था। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसकी कहीं दूसरी जगह गोली मारकर उसकी हत्या की गई है और हत्या करने के बाद उसे सकड्डी गांव के समीप सड़क किनारे फेंक दिया गया है। बता दें कि 29 अप्रैल 2016 में रंगदारी नहीं देने पर आरा शहर में स्थित एनएसशॉपिंग मॉल में बम ब्लास्ट की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसमें मिथिलेश पासवान भी आरोपित था। मृतक अपने दो भाई व दो बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां व दो बहन पूनम,सोनी एवं एक भाई शैलेश है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

"अयोध्या में रामजी का आशीर्वाद इंडिया गठबंधन को मिला", चुनाव परिणाम पर बोले तेजस्वी- मोदी फैक्टर खत्म

पटना, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम अब आ चुके हैं। बिहार की कुल 40 लोकसभा सीट में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 30 सीट पर जीत हासिल करने में सफल रहा, जबकि विपक्षी महागठबंधन की झोली में 9 सीटें आईं। वहीं, चुनाव परिणाम के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। 'अयोध्या में रामजी का आशीर्वाद इंडिया गठबंधन को मिला' तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोगों का प्रदर्शन बहुत बढ़िया रहा है। जिस हिसाब से हमने मुद्दों पर चुनाव लड़ा है वे सभी देख सकते हैं। अयोध्या में राम जी का आशीर्वाद इंडिया गठबंधन को मिला। जो मोदी फैक्टर की बात हो रही थी वो खत्म हो गया। भाजपा बहुमत से दूर चली गई है। जो सहयोगी हैं, अब उन पर निर्भर है। हमें खुशी है कि हमारा जो प्रयास था उसमें हम लोग कामयाब हुए हैं। हमारी उम्मीद है कि जो भी नई सरकार बनें वे बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाए और हमने जो आरक्षण बढ़ाया है उसको शेड्यूल लाइन में किया जाए। यादव ने कहा कि पिछली बार की तुलना में इस बार हम लोगों ने मुद्दे की बात थी, रोजगार की बात थी। बिहार की जनता ने और देश की जनता ने जो भाजपा की विभाजन कार्य नीतियां, नफरत की राजनीति, उसकी तानाशाही के खिलाफ वोट किया।

हिस्ट्रीशीटर और 18 मुकदमा, स्वीमिंग पूल में ताबड़तोड़ फायरिंग

बिलाल ने गोलियां बरसाकर अरशद को मारा, आखिर क्या है रंजिश

मेरठ, 5 जून (एजेंसियां)। जिले के लोहियानगर क्षेत्र के एक स्वीमिंग पूल पर एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। गोली चलते ही स्वीमिंग पूल पर नहाने आये लोगों में भगदड़ मच गई। वारदात के बाद आरोपी हमलावर मौके से फरार हो गये। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक युवक नौचन्दी थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और उसके ऊपर 18 मुकदमे दर्ज थे।

घटना के समय युवक स्वीमिंग पूल पर नहाने आया था। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने मंगलवार रात हुई इस घटना के बारे में बुधवार को बताया कि मृतक युवक का नाम अरशद (30) है। जैदी फार्म निवासी अरशद थाना नौचंदी क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर था और उस पर 18 मुकदमे दर्ज थे। लोहियानगर क्षेत्र के एक स्वीमिंग पूल पूल में नहाने के दौरान अरशद का बिलाल नाम के युवक के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

विवाद के चलते बिलाल ने गोली चला दी जिससे अरशद की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आरोपी हमलावर बिलाल पर भी हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमे दर्ज हैं। मृतक के परिजनों की तरफ से आरोपी हमलावर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं।

ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद पर उठे सवाल

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बुरे प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगियों पर सवाल उठाए हैं. योगी सरकार के मंत्री धर्मवीर प्रजापित ने कहा है कि हमको बड़बोलेपन का नुकसान हुआ है. धर्मवीर प्रजापति ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर और निषाद पार्टी के नेता और मंत्री संजय निषाद से जुड़े सवाल पर जवाब दिया. उन्होंने कहा कि बड़बोलेपन का नुकसान हुआ है.

चढ़ा रहेगा पारा, झुलसाती रहेगी तपिश, धूल भरी तेज हवा और लू बढ़ाएगी परेशानी; कैसा रहेगा मौसम

लखनऊ, 5 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गर्मी अभी और सताएगी। अभी राहत मिलने के आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं। हालांकि धूल भरी आंधी चलने के आसार हैं। दरअसल, धीरे-धीरे पुरवा थमेगी और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण फिर गर्मी बढ़ेगी। मंगलवार को सियासी पारा के साथ अधिकतम तापमान भी चढ़ा रहा। प्रदेश में झांसी के बाद कानपुर और हमीरपुर में सबसे अधिक तापमान रहा। कानपुर स्थित सीएसए के मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस सप्ताह गर्मी इसी तरह बनी रहेगी। देश के कई इलाकों में चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र बने हैं और बादलों की श्रृंखला भी है लेकिन इसका असर कानपुर परिक्षेत्र पर नहीं आएगा। बादलों की आवाजाही से तापमान एक-दो डिग्री नीचे-ऊपर हो सकता है लेकिन वेट बल्ब तापमान की वजह से उमस भरी गर्मी इसी तरह परेशान करती रहेगी। मौसम विभाग का कहना है कि पछुआ का असर अब दिखेगा, इसलिए फिर से तैयार हो जाइए लू और चढ़ते पारे के चलते गर्मी झेलने के लिए। मौसम विभाग ने इसे लेकर चेतावनी भी जारी की है। वहीं मंगलवार को कानपुर, प्रयागराज, झांसी, उरई और आगरा में तापमान 45 पार रहा। यहां पर लू का असर भी रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, गुरुवार से पुरवा हवा कमजोर पड़ जाएगी, इसके चलते लू का दायरा बढ़ेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 30 से 40 किमी की रफ्तार से धूल भरी हवा चलने के आसार हैं। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में 30 से 40 किमी की रफ्तार से धूल भरी हवा चल सकती है। लखनऊ में तापमान विगत तीन दिनों से लगभग स्थिर बना हुआ है। मंगलवार को भी अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री रहा और न्यूनतम तापमान 29.2 रहा। दिन के पारे में एक डिग्री से भी कम का बदलाव है, जबकि रात का पारा एकदम स्थिर है। बुधवार को भी इसमें विशेष बदलाव के आसार नहीं हैं। हालांकि सोमवार की रात को शहर के गोमतीनगर, सीतापुर रोड व कुछ इलाकों में बरसात भी हुई थी, इसके चलते सुबह नमी बनी हुई थी।

दिल्ली एयरपोर्ट को मिला ऐसा ई-मेल

रोकनी पड़ गई एयर कनाडा फ्लाइट, दहशत में आए यात्री

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में उस समय हड़कंप मच गया जब देर रात यहां एक विमान को उड़ाने की धमकी मिली धमकी ई-मेल के जरिए मिली इसमें लिखा था कि एयर कनाडा के टोरंटो जाने वाले विमान को उड़ा दिया जाएगा ई-मेल की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई फ्लाइट अभी उड़ान भरने ही वाली थी कि उसे तुरंत रोका गया पुलिस ने विमान की जांच की लेकिन वहां कुछ भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है पता लगाया जा रहा है कि ई-मेल कहां से भेजा गया है पुलिस ने बताया कि दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) कार्यालय को मंगलवार रात 10.50 बजे एक ईमेल मिला इसमें कहा गया कि दिल्ली-टोरंटो एयर कनाडा की उड़ान में बम रखा गया है उड़ान भरते ही फ्लाइट को उड़ा देंगे इसके बाद तुरंत फ्लाइट को उड़ान भरने से रोका गया सभी यात्रियों को फ्लाइट से उतारा गया पुलिस ने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए फ्लाइट की जांच की लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला इससे यात्री भी दहशत में आ गए

इससे पहले भी मिल चुकी हैं ऐसी धमकियां

यह कोई पहला मामला नहीं है इसी तरह पिछले हफ्ते पेरिस से मुंबई आने वाली विस्तारा फ्लाइट में 306 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे और "एक एयरसिकनेस बैग पर बम होने की धमकी भरा एक हांथ से लिखा नोट" मिला था शुक्रवार को 177 यात्रियों के साथ दिल्ली से श्रीनगर जाने वाली विस्तारा फ्लाइट को बीच हवा में बम की धमकी मिली थी फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से श्रीनगर में उतारा गया और सभी यात्रियों और चालक दल को बाहर निकाल लिया गया शनिवार को चेन्नई से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिली थी फ्लाइट 6ई 5314 ने चेन्नई से सुबह करीब सात बजे उड़ान भरी थी यह सुबह करीब पौने नौ बजे मुंबई हवाईअड्डे पर उतरी हवाईअड्डे के अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारा गया पूरे विमान की तलाशी ली गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

नतीजों के बाद से नाराज हैं अजित पवार

एनडीए की बैठक से पहले उठाया ये कदम

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में बीजेपी गठबंधन को बड़ा झटका लगा है सबसे खराब प्रदर्शन अजित पवार की पार्टी एनसीपी का रहा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) मात्र एक सीट पर जीत दर्ज कर सकी इस बीच सूत्रों ने बताया कि अजित पवार दिल्ली में एनडीए की बैठक में शामिल नहीं होंगे उनके करीबी प्रफुल्ल पटेल भी दिल्ली नहीं आएंगे ऐसे में अटकलें लगाई जा रही है कि क्या अजित पवार रिजल्ट से नाखुश हैं बीजेपी ने आज (बुधवार, 5 जून) लोकसभा रिजल्ट के बाद एनडीए की बैठक बुलाई है ये बैठक इसलिए भी ज्यादा अहम है क्योंकि इस चुनाव में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है बीजेपी 240 सीटों पर सिमट गई एनडीए को 293 सीटें मिली है

बीपीसीएल की सुरक्षा में चूक, चोरों ने ओएचई तार चोरी किया, शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

सागर, 5 जून (एजेंसियां)। सागर जिले के आगासौद थाना क्षेत्र अंतर्गत बीपीसीएल (भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड) की कड़ी सुरक्षा के बीच अज्ञात चोर ग्राम देहरी के पास पुलिया के ऊपर रेलवे लाइन पर मौजूद ओएचई तार चुरा ले गए। जिसका शिकायत निजी सुरक्षा कंपनी ने आगासौद थाने में दी है। जानकारी अनुसार चेकमेंट सिक्योरिटी सर्विसेज जो बीपीसीएल बीना रिफाइनरी की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है ने आगासौद थाने में एक आवेदन दिया है। जिसमें बताया गया कि रात में ग्राम देहरी के पास पुलिया के ऊपर से चोरों ने करीब ढाई सौ मीटर तार चोरी कर लिया और करीब इतना ही तार अज्ञात चोर क्षतिग्रस्त कर गए।

मुंबई एयरपोर्ट के बाहर दिखा 4 फीट लंबा कोबरा, यूं किया गया रेस्क्यू

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा से सटे छोटे से बगीचे से 4 फीट लंबे इंडियन स्पेक्टेकल कोबरा को रेस्क्यू किया गया वन्यजीव पशु संरक्षण एवं बचाव संघ के सचिव अतुल कांबले ने कहा, सुबह करीब 11.50 बजे हमें फोन पर सूचना मिली कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मूर्ति के आसपास एक बड़ा सांप देखा गया है, जिसके बाद हम मौके पर पहुंचे उन्होंने रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर रोशन शिंदे और स्थानीय पुलिस से भी संपर्क किया, जो ऑपरेशन के लिए वहां पहुंचे थे जब काम्बले और अन्य लोग वहां पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि एक माली ने पौधों की देखभाल करते हुए उसे देखा

मिला 4 फीट लंबा कोबरा

इस घटना से डरे हुए माली ने इसकी सूचना अन्य लोगों को दी जिसके बाद वन्यजीव पशु संरक्षण एवं बचाव संघ से संपर्क किया गया

वह बचाव दल के आने तक कोबरा पर नजर रखता रहा कांबले ने सचिन मोरे नामक एक पुलिस अधिकारी और अन्य लोगों के साथ मिलकर सावधानीपूर्वक सांप को बचाया टीम ने उसे किसी भी तरह की चोट पहुंचाए बिना उसे सुरक्षित जगह पर छोड़ दिया यह पूछे जाने पर कि यह विषैला सांप भारी यातायात वाले भीड़ भरे इलाके में कैसे पहुंचा, इस पर कांबले ने कहा,

आसपास मुंबई मेट्रो की खुदाई का काम चल रहा है और हो सकता है कि सांप अपने बिल से निकलकर बगीचे की ठंडी जगह में छिप गया हो, लेकिन सही समय पर देखकर उसे बचा लिया गया इंडियन स्पेक्टेकल कोबरा भारतीय उपमहाद्वीप में रहने वाले सबसे विषैले सांपों में से एक है यह सांप घने और खुले जंगलों, चट्टानी इलाकों, आर्द्रभूमि, खेतों और यहां तक कि मानव बस्तियों में भी पाया जाता है इस कोबरा के अंदर बेहद अधिक मात्रा में जहर होता है,

पत्नी के पूर्व प्रेमी को रास्ते में रोका

बहस के बाद मारी गोली, फिर मौके से हो गया फरार

बालाघाट, 5 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में एक युवक ने पड़ोस में रहने वाले शख्स को देसी कट्टे से गोली मार दी घटना वारासिवनी थानाक्षेत्र के कायदी गांव की है मंगलवार दोपहर लगभग 12 बजे युवक ने पड़ोसी को रास्ते में रोका दोनों के बीच बहस हुई फिर युवक ने पड़ोसी पर फायर कर दिया गोली पड़ोसी के सीने में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया घटना के बाद घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया वहां से फिर उसे नागपुर रेफर कर दिया कायदी गांव में रहने वाला 24 वर्षीय राकेश अपनी गर्भवती पत्नी का उपचार करवाने के लिए उसे अस्पताल ले जा रहा था तभी रास्ते में महेश उर्फ छोटू बनोटे ने बंजारी के पास उसका रास्ता रोक लिया महेश के साथ उसका एक साथी भी था महेश और राकेश के बीच किसी बात को लेकर बहस होने लगी तभी महेश ने जेब से देसी कट्टा निकाला और राकेश को गोली मार दी फिर अपने साथी के साथ वहां से फरार हो गया राकेश के सीने में गोली लगी थी पति को तड़पता देख पत्नी चीखने-चिल्लाने लगी तभी वहां कई लोग भी राकेश की मदद के लिए आ पहुंचे उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जडॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए नागपुर अस्पताल रेफर कर दिया घायल युवक की चाची ने बताया कि दो साल पहले महेश की पत्नी के साथ उनके भतीजे राकेश का अफेयर था लेकिन बाद में समझौता करते विवाद खत्म करवा दिया गया

चीता गामिनी के एक शावक की मौत

मां के पास ही मिला शव, तीन महीने का था

भोपाल, 5 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से एक बुरी खबर आई है। मादा चीता गामिनी के छह शावकों में से एक की मौत हो गई। कूनो नेशनल पार्क की टीम को गामिनी के पास शावक मृत अवस्था में पड़ा मिला। वह करीब तीन महीने का था। दरअसल, मादा चीता गामिनी ने 9 मार्च को 6 शावकों को जन्म दिया था। इनमें से एक शावक की मंगलवार शाम को मौत हो गई है। पार्क प्रबंधन के अनुसार चीता गामिनी का एक शावक उसके पास काफी देर से अचेत पड़ा था। वह कोई हरकत नहीं कर रहा था। संदेह होने पर डॉक्टरों की टीम ने वहां जाकर उसका चेकअप किया, तब पता चला कि उसकी मौत हो गई है। शावक बीमार नहीं था, ऐसे में उसकी मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पार्क प्रबंधन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही शावक की मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

अब पांच शावक बचे

मादा चीता गामिनी ने बीती 9 मार्च को 6 शावकों को जन्म दिया था। एक की मौत होने के बाद अब पांच शावक बचे हैं। सभी अपनी मां गामिनी के साथ उसके बाड़े में हैं। पार्क प्रबंधन सभी नजर बनाए हुए है।

गांव डेरोली अहीर में लगी भीषण आग, तीन गाड़ियों ने दो घंटे में पाया काबू; 50 से अधिक पेड़ जले

महेंद्रगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। महेंद्रगढ़ के गांव डेरोली अहीर में अज्ञात कारणों से दोपहर के समय लगी आग में 50 से अधिक लोगों का ईंधन जलकर राख हो गया। आग लगने से 50 से अधिक हरे पेड़ भी आग की भेंट चढ़ गए। ग्रामीणों की ओर से तीन तरफ से गांव में प्रवेश करने वाली सड़कों के बीच अपना ईंधन जिसमें सरसों के ढांसे, कपास की लकड़ी, गोबर के उपलों को लगाया हुआ था। दोपहर के समय 12:45 बजे अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। उप दमकल अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि सूचना के बाद एक दमकल की गाड़ी भेजी गई थी

एमपी में भाजपा का क्लीन स्वीप

ऐतिहासिक जीत पर शिवराज सीएम से मुलाकात करने पहुंचे मुख्यमंत्री आवास

भोपाल, 5 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में भाजपा ने छिंदवाड़ा सीट जीतकर प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया। इस ऐतिहासक जीत के बाद सुबह बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुलाकात करने पहुंचे। मुख्यमंत्री निवास में दोनों नेताओं ने प्रदेश में भाजपा की जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में क्लीन स्वीप के साथ ही वोट शेयर का रिकॉर्ड भी बनाया है। इस जीत का श्रेय भाजपा के प्रदेश में बूथ प्रबंधन के साथ ही कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम दिया गया है। भाजपा का प्रदेश में वोट शेयर 58 प्रतिशत से बढ़कर 5927 प्रतिशत हो गया है। वहीं, कांग्रेस का वोट शेयर पिछली बार के मुकाबले 3450 प्रतिशत से घटकर 3244 प्रतिशत रह गया है। प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 2014 में भाजपा ने 29 में से 27 और 2019 में 28 सीट जीती थी।

पिछली बार छिंदवाड़ा सीट पर कांग्रेस अपना कब्जा बरकरार रखने में कामयाब रही थी। 26 साल बाद भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गढ़ को ढहा दिया। छिंदवाड़ा को भाजपा ने रणनीतिक रूप से जीता है। इस सीट पर केंद्रीय नेताओं के साथ ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दोनों ने लगातार सभाएं और बैठकें की थी।

इंदौर की ऑयल मिल में आग

फ्लैट चपेट में आए:धमाकों की आवाज से घरों के कांच फूटे, गीले कंबल में लिपटकर बाहर निकले लोग

इंदौर , 5 जून (एजेंसियां)। मंगलवार देर रात ऑयल मिल में आग लग गई। आग फैली तो पास के दो फ्लैट इसकी चपेट में आ गए। दोनों परिवारों को गीले कंबल में लपेटकर बाहर निकाला गया। आग ने भीषण रूप ले लिया, लपटें काफी दूर से दिखाई देने लगीं। 6 फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार सुबह तक आग पर काबू पाया। तब तक दोनों फ्लैट में रखा गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार, शहर के चितावद पेट्रोल पंप के पास सिद्धि विनायक ऑयल कंपनी में रात करीब 3 बजे आग लगी थी। यह कंपनी अभिषेक गोयल की बताई जा रही है। मिल के पास अशोक डोर का परिवार रहता है। उन्होंने बताया, रात करीब 3.15 बजे धमाकों की आवाज आई। घरों के कांच फूट गए। नींद खुली तो चारों तरफ धुआं फैला था। एक फ्लैट में भाई का परिवार भी रहता है। आग और धुआं बढ़ रहा था। घर के सभी सदस्यों को दूसरे दरवाजे से गीले कंबल में लपेटकर 10 मिनट में बाहर निकाला। अशोक डोर ने बताया, हादसे के समय घर में पत्नी अनिता, बेटी मिकिता, बेटा हर्ष, उज्जैन से आई बेटी सोनिया और उसका 6 साल का बेटा रियांश मौजूद था। भाई के फ्लैट में भाभी शकुंतला, वर्षा, अंजलि, आनंद और शिवानी सो रहे थे। सभी सुरक्षित हैं। दोनों फ्लैट का पूरा सामान जल गया। गृहस्थी का सामान, कैश और ज्वेलरी के जलने से लाखों का नुकसान हुआ है। अशोक ने बताया, ऑयल मिल के मालिक को कई बार समझाया कि इस तरह के व्यवसाय से जान माल का खतरा रहता है।

अमृतसर बॉर्डर पर तस्कर से 2 करोड़ बरामद

सूचना के बाद बीएसएफ - पुलिस का जॉइंट सर्च ऑपरेशन; दो तस्कर भी काबू

अमृतसर, 5 जून (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने चुनाव के एक दिन बाद एक तस्कर के घर पर छापा मारकर 1 करोड़ 97 लाख रुपये जब्त किए हैं। बीएसएफ को मिली जानकारी के बाद पंजाब पुलिस की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। तस्कर के घर से बीएसएफ को तीन बैग बरामद हुए। जिनमें ये पूरा कैश भर कर रखा गया था। पुलिस ने इस दौरान दो तस्करों को भी काबू किया है। बीएसएफ की तरफ से ये सर्च अभियान अमृतसर के सीमावर्ती गांव कक्कड़ में किया गया था। बीएसएफ अधिकारियों द्वारा जारी सूचना की गई सूचना के अनुसार सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल एक संदिग्ध तस्कर के बारे में टिप मिली थी। सूचना थी कि आरोपी तस्कर ने मात्रा में ड्रग मनी घर में छिपा रखी है। जिसके बाद बीएसएफ ने पुलिस के साथ संपर्क किया और सुबह के समय तस्कर के घर पर रेड शुरू कर दी। बीएसएफ ने जांच के दौरान घर के अलग-अलग कौनो में रखे हुए तीन बैग बरादम किए। जिनमें ये सारा पैसा भर कर छिपाया गया था। फिलाहल दो तस्करों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि यह बरामदगी सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी को खत्म करने के लिए फोर्स की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नतीजों के बाद चिदंबरम ने मांगा पीएम मोदी का इस्तीफा

बोले- इस सरकार में बेरोजगारी, महंगाई चरम पर

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में बने रहने का अधिकार खो दिया है। इसलिए उन्हें नैतिकता के आधार पर खुद ही स्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए चिदंबरम ने कहा, मोदी सरकार बरोजगारी और महंगाई को कम करने में नाकाम रही है।

बहुमत के आंकडे से भाजपा 32 सीटें दूर रही

लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को कुल 240 सीट मिलीं, जो कि बहुतम के आंकड़े 272 से 32 सीटें दूर है। हालांकि चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आश्वस्त किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। लेकिन भाजपा को सरकार बनाने के लिए जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी पर निर्भर रहना होगा।

'भाजपा ने खुद के लिए 370 का लक्ष्य रखा और 240 सीटें मिलीं'

चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अब सत्ता छोड़ देनी चाहिए। पिछली बार भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं और इस बार 370 सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन पार्टी 240 के आसपास ही सिमट गई। मोदी सरकार ने लोगों के दो सबसे बड़े मुद्दे बेरोजगारी और महंगाई को स्वीकार नहीं किया। मोदी सरकार में बेरोजगारी और महंगाई दोनों चरम पर हैं।

'जनता ने बता दिया उन्हें नई सरकार चाहिए'

चिदंबरम ने आगे कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के जनमत से स्पष्ट हो गया है कि वो नई सरकार चाहते हैं। राजनीतिक पार्टियों को जनता के फैसले का सम्मान करते हुए नई सरकार बनानी चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि भाजपा ने एनडीए के 400 पार का दावा किया था लेकिन वो 240 पर ही सिमट गए। हालांकि कांग्रेस को लेकर चिदंबरम का कहना है कि 99 सीटें जीतने के साथ ही कांग्रेस में काफी मजबूती हुई है।

मोदी बोले- यह 'सबके साथ, सबके विकास' की जीत

टीआरए लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर संबोधित करते हुए कहा, 'एनडीए को एकबार फिर से बहुमत देने के लिए जनता का बहुत धन्यवाद, आपने हम पर एक बार फिर विश्वास जताया है। यह 'सबसे साथ और सबके विकास' की जीत है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है।'

केजरीवाल ने जेल से बचाने को मांगी थी जीत पर दिल्ली ने दी हार; अब क्या बोली आप

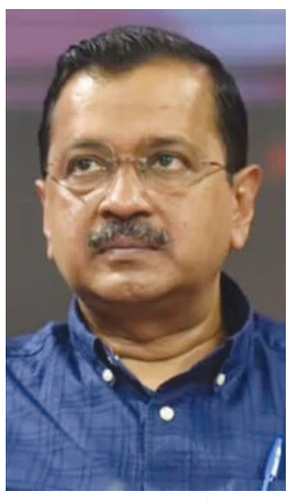

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की हार का यह कहकर बचाव किया है कि जनता पुराने पैटर्न पर रही। आप ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में दिल्ली की जनता भाजपा को चुनती है और विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को और एक बार फिर ऐसा ही हुआ है। पार्टी ने दिल्ली में हार को लेकर केजरीवाल की उस अपील पर भी जवाब दिया है जिसमें उन्होंने जनता से कहा था कि उन्हें जेल से बचाने के लिए इंडिया गठबंधन को जिताएं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने बुधवार को दिल्ली, पंजाब और देश के चुनावी नतीजों पर पार्टी का रुख साफ किया। उन्होंने जनादेश को मोदी सरकार के खिलाफ बताते हुए कहा कि भाजपा को 63 सीटें कम मिली हैं और वह बहुमत से दूर रह गई।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन ने मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद अच्छा काम किया। उन्होंने इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिम जमानत पर केजरीवाल बाहर निकले तो सिर्फ आम आदमी पार्टी नहीं बल्कि पूरे गठबंधन के लिए प्रचार किया। पाठक ने कहा, 'जहां तक आम आदमी पार्टी की बात है तो पहले दिन से हमारा एक ही गोल था कि हम अहम नहीं हैं, देश जरूरी है। इसी भावना के साथ गठबंधन में आएं। अपनी पूरी ताकत के साथ गठबंधन के लिए काम किया। आप को भाजपा ने चुनौती दी थी कि इस चुनाव से पहले आप की पार्टी को तोड़ देंगे खत्म कर देंगे। इन्होंने हमारे सारे नेताओं को जेल में डाला।

हमारे सबसे बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया। हमारे कार्यकर्ताओं को धमकाया। हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश की। सारे साजिशें की, उसके बाद भी नतीजा यह निकला कि जनता ने उन्हें नकार दिया।' पाठक ने इंडिया गठबंधन में पार्टी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को 20 दिन का समय मिला। प्रचार के लिए कई राज्यों में गए। सभी दलों और नेताओं के लिए प्रचार किया। चंडीगढ़ में भी प्रचार के लिए गए। मैंने उन्हें पूछा कि, चंडीगढ़ में करना उपयोगी है क्या, तो उन्होंने कहा कि देश जरूरी है। आम आदमी पार्टी जरूरी नहीं है।

लोकसभा चुनाव में सभी ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों की जमानत जब्त, नहीं मिला जनता का समर्थन

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सभी तीन ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है, जो देश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने के लिए इस समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करता है। भारत में अभी तक किसी ट्रांसजेंडर ने लोकसभा चुनाव नहीं जीता है। तीनों ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। धनबाद से चुनाव लड़ने वाली सुनैना किन्नर को 3,462 मत मिले। दक्षिणी दिल्ली से उम्मीदवार राजन सिंह को 325 मत मिले। दमोह (मध्य प्रदेश) से चुनाव लड़ने वाली दुर्गा मौसी को 1,124 मत मिले। इनमें से कोई भी ट्रांसजेंडर उम्मीदवार जीत के करीब भी नहीं पहुंच पाया और सभी अपनी जमानत राशि बचाने में भी असफल रहे। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार जो उम्मीदवार कुल वैध मतों का कम से कम छठा हिस्सा प्राप्त करने में असफल रहते हैं उनकी जमानत राशि जब्त हो जाती है।

देशभर में क्या रहे नतीजे?

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिये हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी को 240 और कांग्रेस को 99 सीटों पर विजयी घोषित किया गया है। बता दें कि लोकसभा में 543 सदस्य हैं, लेकिन सूरत से बीजेपी उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद 542 सीटों के लिए मतगणना हुई। बुधवार को जारी किए गए अंतिम परिणाम के मुताबिक एनडीए ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। बीजेपी के उम्मीदवारों ने इस बार भी मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा, लेकिन पार्टी 240 सीट जीत पाई जोकि बहुमत के लिए 272 सीट के आंकड़े से कम है। ऐसे में बीजेपी को सरकार बनाने के लिए एनडीए के सहयोगी दलों के समर्थन की जरूरत है।

नप के पूर्व चेयरमैन अशोक गुप्ता से गैंगस्टर नंदू ने मांगी दो करोड़ की रंगदारी, व्हाट्सऐप पर धमकी

बहादुरगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। बहादुरगढ़ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष व गणपति धाम के प्रधान अशोक गुप्ता को व्हाट्सएप कॉल कर गैंगस्टर नंदू ने दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। रंगदारी न देने पर इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रहे नफे सिंह राठी जैसा हाल करने की धमकी दी है। यह कॉल व्हाट्सएप के जरिए की गई। अशोक गुप्ता बहादुरगढ़ की अनाज मंडी के निवासी है और फिलहाल मुल्तान नगर, नई दिल्ली में रहते हैं। अशोक गुप्ता ने दिल्ली के पश्चिम विहार थाना में शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे उनके मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप कॉल आई। उन्होंने यह कॉल रिसीव की तो कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर नंदू बताया और दो करोड़ रुपये देने की मांग की। रंगदारी न देने पर इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रहे नफे सिंह राठी जैसा हाल करने की धमकी दी गई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 6 जून- 2024

क्यों गच्चा दे गए मतदाता?

किसी को उम्मीद नहीं थी कि यूपी में ऐसा भी खेला हो जाएगा। वह यूपी जो राम के अयोध्या की है, योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व के चेहरे की है, और काशी के कर्मयोगी नरेंद्र मोदी की है। इसके बाद भी सवाल लाजमी है कि यूपी ने अच्छी भली चलती सरकार को गच्चा क्यों दिया? देखा जाए तो यूपी में जिस मायावती को भाजपा अपना प्लस प्वाइंट मान रही थी, उन्हीं की बसपा ने खेला कर दिया। बसपा ने अपनी रही-सही साख तो गंवाई ही साथ ही अब यह तोहमत भी लग रहा है कि वो कांग्रेस और सपा की वोट कटवा पार्टी कहलाने के भी काबिल नहीं बची। यानी उसका पूरा वजूद खत्म हो गया है। इससे भाजपा की उम्मीद को पलीता लग गया कि बसपा, सपा और कांग्रेस के कुछ तो वोट काटेगी ही, जिसका फायदा बीजेपी को मिलेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बसपा के वोटर शांत होकर अपने मुखिया की चाल को देखते रहे। वोट डालने का समय आया तो वे बसपा की जगह कांग्रेस और सपा को वोट देकर चले गए। सबूत तब सामने आया जब चार- चार लाख वोटों की गिनती हो जाने तक बसपा प्रत्याशियों को पाँच हज़ार वोट तक नहीं मिले। यही वजह थी कि यहाँ राहुल गांधी और अखिलेश यादव नाम के दो लड़कों की जय जयकार हो गई। बार- बार इन दोनों को शहज़ादे- शहज़ादे कहकर चिढ़ाना भी मतदाताओं को रास नहीं आया। लगभग यही हाल पश्चिम बंगाल का भी रहा। वहाँ के ज़्यादा वोटिंग प्रतिशत को देखकर भाजपा समझ रही थी कि बढे वोट पके सेब की तरह उसकी झोली में ही आ टपकेंगे। लेकिन अस्सी फीसद वोटिंग वाली सीटों पर भी उसे सफलता नहीं मिली। ज़्यादा वोटिंग ने आख़िरकार ममता की झोली ही भरी और तृणमूल कांग्रेस पहले से कहीं अधिक सीटों पर जीत गई। राजस्थान में भी यही हुआ, यहाँ दो बार से कांग्रेस की कमान जिनके पास भी थी, पार्टी ज़ीरो पर रही थी लेकिन गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व ने इस बार कमाल कर दिया। प्रत्याशियों का चयन ही इस बार सबसे महत्वपूर्ण था, जिसमें कोई गलती नहीं की गई। यही वजह रही कि भाजपा को यूपी और महाराष्ट्र के बाद सबसे बड़ा झटका राजस्थान में लगा। हरियाणा में सरकार का चेहरा बदलकर भाजपा ने संभावित हार से पार पाने की कोशिश ज़रूर की थी, लेकिन वहाँ भी बात नहीं बनी। दस में से पाँच सीटें कांग्रेस लूट ले गई। पंजाब में जहां पिछली बार भाजपा की दो सीटें थीं, इस बार कुछ भी हाथ नहीं लगा। महाराष्ट्र में लोगों ने उद्धव ठाकरे और भतीजे से धोखा खाए शरद पवार को सहानुभूति वोट दे दिया। भाजपा के पाले में गए अजित दादा पवार की पार्टी को तो मात्र एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा। उद्धव की सेना ने नौ- दस सीटें हासिल करके कमाल कर दिखाया। साफ़ दिखाई दे रहा है कि महाराष्ट्र की जनता ने तोड़फोड़ की राजनीति को सिरे से नकार दिया है। कम सीट मिलने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह पहला मौक़ा होगा जब उन्हें गठबंधन की सरकार का नेतृत्व करना पड़ेगा। समर्थक दल भी ऐसे हैं नीतीश कुमार (जद यू) और चंद्रबाबू नायडू (टीटीपी), जिनके विचार और रीति- नीति भाजपा से बहुत ज़्यादा मेल नहीं खाते। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परिणामों को देखने के बाद अब कोई किसी एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं करेगा। उनकी गफलत के खेल से देश में शेयर बाजार के जरिए लोगों ने लगभग बत्तीस लाख करोड रुपए डूब गए। इसलिए ऐसे पोल करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई होना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई लोगों की भावनाओं से ठगी कर धोखा देने की सोच भी न सके।

पीडीए ने पलटी बाजी

जब आम चुनाव शुरू नहीं हुए थे, तब सबको यही लग रहा था कि यूपी में बीजेपी 72 से 75 सीटें जीत सकती है। लेकिन बाद में यूपी से जो संकेत मिल रहे थे, उससे साफ लग रहा था राज्य में कुछ अप्रत्याशित घटने वाला है। और चुनाव परिणामों ने इन अंदेशों पर मुहर लगा दी। यूपी में बीजेपी ने शुरुआत से कई गलतियां की। अव्वल तो इसने राज्य में मौजूदा सांसदों के ना के बराबर टिकट काटे, जबकि वहां पर सांसदों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर जबर्दस्त एंटी इनकम्बेंसी थी। तमाम मतदाता कह रहे थे कि हमने दो चुनावों में मोदी जी के कहने पर वोट दिया, पर सांसदों ने अपेक्षित काम नहीं किया। समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ परिणामों से चौंकाया, बल्कि अखिलेश यादव इन चुनावों में सही राजकुमार साबित हुए।अखिलेश ने बुद्धिमानी दिखाते हुए कांग्रेस के साथ समझौता कर लिया। इससे एक तो अल्पसंख्यक वोटों के बीच में जो भी संभावित भ्रम था, वो दूर हो गया और सारा का सारा वोट एक ही जगह पड़ा। उसका ध्रुवीकरण हो गया। दूसरा, मायावती का जो दलित वोटर था। उसे भी एक ध्रुव की दरकार थी। कांग्रेस की वजह से उस वोटर ने साइकिल यानी सपा को चुना। इस तरह कांग्रेस और सपा, दोनों को दलितों के वोट मिले।

इसके बाद अखिलेश यादव ने टिकट वितरण भी बुद्धिमानी से किया। जो पार्टी यादवों-मुसलमानों की मानी जाती थी, उसमें सिर्फ पांच यादवों को टिकट दिए गए। इससे एक नैरेटिव सेट हुआ। सपा ने दस कुर्मियों को, छह सीटें कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी बिरादरी को दीं। तीन निषाद, चार ब्राह्मण और एक पाल को टिकट दीं। यही नहीं, उन्होंने चुनावों के बीच में अपना पार्टी अध्यक्ष बदलकर श्यामलाल पाल को पार्टी अध्यक्ष बनाया। सपा ने दो दलितों को उन निर्वाचन क्षेत्रों की जनसंख्या मूलक संरचना को ध्यान में रखते हुए जनरल सीटों से लड़ाया। ये भी एक तरह का मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। इस तरह उन्होंने खुद को मुस्लिम-यादवों की पार्टी के टैग से बाहर निकाला। बीजेपी के खिलाफ केवल यूपी में ही नहीं सारे देश में कुछ नाराजगी थी, वह इकट्ठी होते-होते अब 2024 के आम चुनावों में बाहर निकली। 2016 की नोटबंदी से असंगठित क्षेत्र ध्वस्त हो गया। इससे बेरोजगारी तेजी से बढ़ी। 2019 में हुए ईडब्ल्यूएस आरक्षण की घोषणा को देश के दलित और पिछड़े ध्यान से देख रहे थे, उन्हें यह बात खटकी।

इसलिए जब विपक्ष ने उनके बीच ये प्रचार किया कि बीजेपी 400 सीटें इसलिए जीतना चाहती है, ताकि वो आरक्षण खत्म करने के लिए संविधान बदल सके, तो लोगों ने तुरंत विपक्ष की बात पर भरोसा कर लिया। वहीं, कृषि कानूनों का भी इन चुनावों पर असर दिखाई दिया।

पश्चिमी यूपी, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा के जाट भी बीजेपी के विरोधी हो गए। बीजेपी के हल्कों में लंबे समय से चर्चा है कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक खास तरह की राजनीति कर रहे हैं। यूपी में राजपूत बिरादरी खुलकर बीजेपी के खिलाफ रही। इस तरह यूपी में राजपूतों के वोट बीजेपी को नहीं मिले, दूसरा जाटों के वोट भी नहीं मिले। बतौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऊपरी तौर पर भाषण देते रहे, लगा कि वह अपना सारा काम कर रहे हैं। लेकिन पार्टी को जिताने के लिए उन्होंने कोई विशेष प्रयास नहीं किए। यूपी में बीजेपी के अंदर आंतरिक संकट भी सीटें घटने की एक बड़ी वजह है। पीडीए यानी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक अगर अखिलेश यादव की थीसिस थी, तो तेजस्वी ने थीसिस 'माईबाप' बनाई। मतलब मुसलमान, यादव, बहुजन, अगड़ा, आधी आबादी, पिछड़ा। इसके तहत तेजस्वी ने सात कोइरी और कुर्मी को टिकए दिए। इसी तरीके से मध्य बिहार में टिकट वितरण हुआ। इसका फायदा साफ दिखा।

खंडित जनादेश का संदेश क्या है ?

डॉ. चक्रपाल सिंह

18 वी लोकसभा के अंतिम परिणाम आ चुके हैं। भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन डी ए) सरकार गठन की तैयारी में जुट चुका है। जनता ने खंडित जनादेश देकर निकट भविष्य में एकल पार्टी शासन अथवा द्वि-धुर्वीय राजनीति की बहु-प्रचारित व प्रसारित उच्चवर्गीय बौद्धिक कल्पनाओं को विराम दे दिया है। राज्य स्तर पर जीत हार के परिणामों ने सभी को चौंकाया है। स्थानीय नेताओं से लेकर केंद्रीय नेताओं तथा सर्वेक्षण एजेंसियों द्वारा लक्षित चुनावी उद्देश्यों हेतु प्रायोजित सभी चुनाव पूर्व एवं चुनाव बाद के सर्वेक्षण अनुमान धरे के धरे रह गए। इनकी चुनावी भविष्य वाणियां झूठ साबित हुईं। जबकि, चुनाव विश्लेषकों के अनुसार तकनीकी तौर पर इनके अनुमानों में 1-5 प्रतिशत की ही गलती रहने की संभावना रहती है। इस तरह हाल फिलाल इन एजेंसियों की भविष्य की प्रासंगिकता एवं विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह तो लग ही गया है। वहीं, इनकी जिम्मेदारी व जवाबदेही तय करने तथा इनके लिए दिशानिर्देश बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। आयोजित चुनावी सर्वेक्षणों के नतीजों को अंतिम चुनावी परिणाम मानने वाले नेताओं एवं दलों का असली परिणामों पर चौंकना यही साबित करता है, कि ये लोग जमीनी वास्तविकताओं से कट चुकें हैं या फिर जानबूझकर हकीकत पर पर्दा डालने के लिए हर बार नया रूप धारण करना इनकी फितरत बन चुकी है। यही कारण है कि ये लोग हार जीत के असली कारणों का विश्लेषण करने की बजाय सतही विश्लेषण करने में व्यस्त हैं। हाँ, इतना अवश्य है कि झूठे वायदों एवं नकली नारों से बार बार, हर बार धोखा खाई जनता में न केवल राजनीतिक चेतना जाग रही है, बल्कि अपने मत का असली महत्त्व समझने की समझ भी विकसित हो चुकी है। यही कारण है एक बार फिर भारतीय मतदाता ने खंडित जनादेश भारत भाग्यविधाताओं ! को दिया। इस चुनाव में कोई भी दल अथवा नेता यह दावा करने की स्थिति में नहीं है कि जनता ने उसे व उसकी पार्टी को सत्ता के लिए जिताया है। कहने के लिए कोई कुछ भी दावा करे, पर इस चुनाव में जीत का दावा करने वाले सभी हारे हैं। खंडित जनादेश इस हार एवं जनता की असली मंशा की पुष्टि करता है। जनता नहीं चाहती कि हम बेचैन रहें और जनप्रतिनिधि बिना कुछ करे धरे चैन की नींद सोएं। खंडित जनादेश का अर्थ भी यही है कि विपक्ष से लेकर प्रधानमंत्री तथा उनके सहयोगियों तक में राजनैतिक असुरक्षा, सत्ता एवं मध्यावधि चुनाव का एक अदृश्य भय हमेशा व्याप्त रहेगा। लेकिन भारतीय जनता का दुर्भाग्य यही है कि इस हकीकत को झुठलाने का राजनीतिक उपक्रम जारी है। थिति ये है कि अब भी चुनावी विफलता के मूल कारणों एवं कारकों पर चिंतन करने को कोई तैयार नहीं है।

जनता के असली संदेश को समझने के लिए राजनीतिज्ञों में चुनावोपरांत कोई अंतरावलोकन या चिंतन-मंथन चल भी रहा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। ये इस बिंदु पर विचार करने की आवश्यकता ही महसूस नहीं कर रहे हैं कि आखिर मतदाता थोड़े बहुत अंतराल के बाद, बार बार खंडित जनादेश क्यों देता है? वस्तुस्थित यह कि है कि मोर्चे के अंदर मोर्चा, मोर्चे के बाहर मोर्चा, पार्टी के अंदर पार्टी, गठबंधन के अंदर गठबंधन का नेतृत्व करने वाले तमाम नेता अपनी अपनी छवियों को बचाने का, अपने ही दलों व घरों में अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को ठिकाने लगाने के लिए कमर कस चुके हैं। या फिर, हार के लिए इसे उसे जिम्मेदार ठहराने में लगे हुए हैं। लेकिन कहीं भी ये लोग चुने जाने के बाद अपने क्षेत्र का कितना दौरा किए, जो वायदे किए थे, उनको कितना पूरा किया ? ये भूले से यह याद करने की कोशिश नहीं करते हैं ।सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य व खेती से जुड़ी ग्रामीणों की समस्याओं का अभी तक हल क्यों नहीं हुआ? 75 वर्षों तक सामाजिक अन्याय व अभावों की ठोकर खाते खाते चेते भारतीय मतदाताओं के समझदारीपूर्ण मततान को जातिगत, धार्मिक, सामाजिक, प्रशासनिक, राजनीतिक तर्क-वितर्कों से नहीं नकारा जा सकता है। 18 वीं लोकसभा का खंडित जनादेश इसका उत्कृष्ट उदाहरण है और मजबूत व स्वस्थ लोकतंत्र का शुभ लक्षण भी। यही नहीं इससे सामाजिक स्तर पर चल रही है उथल–पुथल एवं परिवर्तन का स्पष्ट संकेत भी मिलता है। लोगों ने एक बार पुनः क्षेत्रीय शक्तियों (दलों) में अपना हित देखा है, उन पर विश्वास किया है। नतीजतन 17 वीं लोकसभा की तुलना में 18 वीं लोकसभा में क्षेत्रीय दलों की समवेत शक्ति कहीं अधिक हुई है । जिसे किसी बहाने की चादर से ढकना या नकारना राजनीतिक, बौद्धिक व लोकतांत्रिक बेईमानी होगी। वो बात अलग है, भारतीय समाज के उच्चवर्गीय बौद्धिक आग्रह एवं पढ़ा-लिखा शहरी नौकरीपेशा वर्ग इसे भारतीय मतदाता की नासमझी कहे या फिर भारतीय लोकतंत्र का भीड़ तंत्र में बदलना कहकर शुतुरमुर्गी आचरण करे, लेकिन हकीकत ये है कि जनता ये मान व समझ चुकी है कि अब बहुत दिनों तक वह धर्म की अफीम एवं जाति की ओस चाट कर अपनी भूख-प्यास मिटाने का भ्रम पाल कर ज़िंदा नहीं रहा सकती है। उसे लोक लुभावन नारे नहीं , रोजी रोटी का स्थाई बंदोबस्त चाहिए। उसे सब्सिडियों की आड़ में सहानुभूति नहीं समानभूति चाहिए। किसी के रहमोकरम पर नहीं, अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए। जब तक जीवन मरण से जुड़े भूख,प्यास, अन्याय की विषम सामाजिक व आर्थिक हालातों को स्थायी रूप से जमीन पर ठीक नहीं किया जाता है, तब तक खंडित जनादेश की स्थितियां बनी रहेंगी। इसके लिए ग्रामीण, गरीब और निरक्षर जनता को दोषी ठहराना इनके साथ न केवल बौद्धिक अन्याय होगा बल्कि जनप्रतिनिधियों का अपनी अकर्मण्यता, गैर-जिम्मेदारी, भ्रष्टाचार, अनैतिकता, बेईमानी एवं अप्रतिबद्धता पर परदा डालना होगा। फिर वही प्रश्न, क्या खंडित जनादेश यथास्थिति की परंपरागत मानसिकता से ऊपर उठकर सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना को स्वीकृत प्रदान करेगा? क्षेत्रीय शक्तियों की राजनैतिक शक्ति को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करेगा। क्योंकि, इनकी अनुपस्थिति अथवा सहयोग के बिना किसी एक पार्टी का सत्ता में आना फिलहाल दिखाई नहीं देता है। क्षेत्रीय शक्तियों से गठबंधन एवं सहयोग राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुका है।

सही अर्थों में लोकतंत्र टिका ही सह-अस्तित्व की मूल भावना पर है। जैसे जैसे ये भावना मजबूत होगी, लोकतंत्र और मजबूत होगा। लोकतंत्र में किसी भी प्रकार की जातिय-धार्मिक शुद्धता, राजनैतिक व वैचारिक छल कपट एवं सामाजिक विशिष्टता के लिए कहीं कोई स्थान नहीं होता है। अतः क्षेत्रीय व राष्ट्रीय पार्टियों में राजनीतिक सह-जीविता के सिद्धांत को आत्मसात करने की जितनी ईमानदारीपूर्ण कोशिश होगी, उतना ये एक दूसरे के नज़दीक आएँगे। मजबूरी में ही सही भाजपा के नेतृत्व में गठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मंत्रिमंडल इस भावना की अस्पष्ट ही सही लेकिन पुष्टि करेगा। सामाजिक, आर्थिक, वैचारिक एवं राजनीतिक पारदर्शिता गठबंधन को और मजबूत करेगी। यह तभी संभव होगा जब पूरी ईमानदारी से नीति एवं नीयत के अंतर्विरोध को समाप्त कर राष्ट्रीय पार्टियों के नेता आगे आएंगे। फिर वही प्रश्न क्या जनप्रतिनिधि सच में ऐसा करेंगे? जनप्रतिनिधियों की उफनती महत्वाकांक्षा सत्ता के गठबंधन का तटबंध नहीं तोड़ेंगी ? राष्ट्रीय पार्टियों के नेता क्षेत्रीय दलों का उपहास उड़ाने या फिर उनके अस्तित्त्व को समाप्त करने की चालों से इतर इनके महत्व एवं उनकी प्रासंगिकता को देश व समाज हित में समझेंगे। सामाजिक व आर्थिक सह-अस्तित्व को आत्मसात कर सहजीविता के सिद्धांत का ईमानदारी से पालन करेंगे। भाग्यविधाता ! अपनी अपनी छवियों की जेल तोड़ कर बाहर आएंगे। 21 वीं सदी के मजबूत भारत का इतिहास लिखेंगे। जनता के खंडित जनादेश का असली संदेश यही है।

बसपा की खस्ता हालत का जिम्मेदार कौन?

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी की उम्मीदें पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। 2019 में 10 सीटें जीतने वाली बसपा को उम्मीद थी कि इस बार भी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इसके पीछे कई वजह है कि इस बार बसपा ने देश भर में अपने बलबूते पर चुनाव लड़ा जबकि अन्य पार्टियां गठबंधन में चुनाव लड़ रही थीं। बहुजन समाज पार्टी का मत प्रतिशत गिरा और सीटें भी नहीं आईं। बसपा की राह दिन प्रतिदिन कठिन होती जा रही है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की हालत 2014 जैसी हो गई। पार्टी 10 साल पीछे चली गई। 2014 में बहुजन समाज पार्टी अपने बल पर चुनाव लड़ी थी और एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई थी। 2024 में भी पार्टी ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला लिया और पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई। पार्टी की स्थिति बदतर होती जा रही है। पार्टी के देश भर में 483 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे जबकि उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार मैदान में थे लेकिन कहीं से भी बहुजन समाज पार्टी के लिए खुशखबरी नहीं आई। जहाँ रिजल्ट देख कर अधिकतर विरोधी पार्टिया खुश है, वहीँ बसपा के खेमे में मायूसी फैली है और वो बसपा। बहुजन समाज पार्टी के लिए लोकसभा के नतीजे विधानसभा चुनाव 2022 से भी खराब रहे। विधानसभा में तो कम से कम पार्टी को एक सीट मिल गयी थी लेकिन, लोकसभा के चुनाव में तो उसका खाता खुलना तो छोड़िए, एक भी उम्मीद्वार ऐसा नहीं है जो दूसरे नंबर पर भी हो। ऐसी बुरी गत पार्टी ने पहले नहीं देखी थी। हाल ये है कि उत्तरप्रदेश की सभी 80 सीटों में से हर जगह बसपा या तो तीसरे नंबर पर रही या चौथे नंबर पर। वोटरों ने पार्टी का वो हाल कर दिया कि बसपा शायद ही किसी सीट पर अपनी जमानत बचा पाई।

ये हाल उस पार्टी का है जो उत्तरप्रदेश में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। उसने 10 सीटें जीती थीं लेकिन, पांच साल के बाद उसे एक भी सीट नसीब नहीं हुई। बसपा को 10 फीसदी भी वोट नहीं मिले।

पार्टी की इस हालत की सबसे बड़ी वजह तो यही मानी जा रही है कि गठबंधन के दौर में मायावती ने अकेले लड़ने का फैसला किया। उनके इस फैसले के बाद से ही कहा जा रहा था कि मायावती हारी हुई बाजी लड़ रही है। विधानसभा चुनाव 2022 के रिजल्ट के बाद ये तो तय हो ही गया था कि बसपा उत्तरप्रदेश में भाजपा और सपा से काफी पीछे हो गयी है। ऐसे में इस लोकसभा चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कुव्वत पार्टी में तो थी नहीं। मायावती को लगा होगा कि यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ तो पार्टी को कुछ सीटें मिल जायेंगी। नतीजे से पता चलता कि मुकाबला द्विपक्षीय हुआ। ऐसे में बसपा कहीं की नहीं रही।लंबे समय से ये कहा जा रहा था मायावती भाजपा को जिताने के लिए चुनाव लड़ेंगी। चुनाव के शुरुआती दिनों में यही भावना जनमानस में फैली हुई थी। हालांकि टिकट बटवारे के बाद इस सोच में थोड़ा बदलाव तो आया लेकिन, भाजपा की बी टीम के लेवल से पार्टी उबर नहीं पायी। अब बी टीम को कौन वोट देना चाहेगा।

इसी वजह से ये माना जा रहा है कि दलित वोटबैंक में बड़ी टूट हुई है। वैसे तो ये टूट पहले से चली आ रही है लेकिन, ऐसा माना जा रहा है कि बसपा के मूल जाटव वोटरों में भी टूट हुई है। बसपा से वे टूटकर भाजपा और सपा की ओर गये लेकिन, बड़ा हिस्सा सपा और कांग्रेस की ओर जाता दिखा। जाटवों के टूटने की स्थिति में और भी दलित जातियों ने पार्टी से मुंह मोड़ लिया। नगीना और सहारनपुर की सीट इसका बढ़िया उदाहरण है। नगीना में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद जीते। उन्हें 5 लाख से ज्यादा वोट मिले। इसका साफ मतलब है कि दलित वोटरों ने बसपा को छोड़ आजाद को वोट किया। बसपा इस सीट पर चौथी पोजीशन पर है। उसे 15 हजार भी वोट मिलता नहीं दिखा। सहारनपुर में भी ऐसा ही हुआ है। यहां बसपा तीसरे नंबर पर है। माजिद अली को डेढ़ लाख से थोड़े ज्यादा वोट मिले। इसमें बड़ी संख्या मुसलमानों की मानी जा रही है यानी दलित वोटबैंक कांग्रेस के इमरान मसूद की ओर गया। इसी वोट की कमी के कारण मसूद कई चुनाव हारे और अब इसे पाकर वे जीत गए।

चुनाव के दौरान विपक्षी पार्टियां ये नैरेटिव कायम कर पाने में सफल हो पायीं कि भाजपा आरक्षण और संविधान को खत्म करने पर आमादा है। इसे कांग्रेस और सपा ने जोर-शोर से उठाया लेकिन, आरक्षण और संविधान को लेकर सबसे आगे रहने वाली बसपा के नेता ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी। दलित वोटबैंक में ये संदेश गया कि वाकई में अब मायावती बहुजन आंदोलन से दूर हो गयी है। आकाश आनन्द को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते समय पुराने बहुजन नेताओं ने दबी जुबान यही बातें की थीं।

चुनाव के ऐन पहले आकाश आनन्द को उत्तराधिकारी घोषित करना भी बसपा के लिए घातक ही हुआ माना जा रहा है। बहुजन नेताओं ने अपने काडर को ऐसा कोई संदेश कभी नहीं दिया था। लिहाजा सीनियर लीडर्स और काडर में अंदर ही अंदर नाराजगी थी। खैर, चुनाव में आकाश आनन्द ने अपने भाषणों से माहौल तो खड़ा कर लिया था लेकिन एकाएक मायावती ने उन्हें पीछे खींच लिया। इससे जुड़े कार्यकर्ता भी हताश हो गये। अब उनके पास दूसरी पार्टी की तरफ जाने के अलावा कोई रास्ता न दिखा। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनाव दर चुनाव बसपा टूटती चली जा रही है। चौंकाने वाली बात तो ये है कि अब से पहले ये कभी नहीं कहा गया कि जाटव वोटबैंक में टूट हुई लेकिन, इस बार के चुनाव में वो भी देखने को मिला। जाहिर है, 2027 में होने वाला उत्तरप्रदेश का अगला विधानसभा भी बसपा के लिए निराशाजनक ही रह सकता है। संभव है कि चन्द्रशेखर आजाद के इर्द गिर्द बहुजन जमात सिमटने लगे। उत्तरप्रदेश में वैसे तो 29 से अधिक सीटें ऐसी हैं जहां दलित वोट बैंक 22 से लेकर 40 फीसदी तक है। इसके बाद भी बसपा एक भी सीट इस चुनाव में नहीं जीत पाई। उदाहरण के रूप में नगीना लोकसभा सीट बसपा पिछली बार जीती थी, लेकिन इस बार यहां से आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद चुनाव जीत गए। अंबेडकरनगर में 28 फीसदी दलित वोट है लेकिन सपा के लालजी वर्मा के साथ यह वोट बैंक जाता हुआ दिखा।

मुफ्त में काम होने की खुशी

सुरेश मिश्रा

राजस्व विभाग में मेरा काम मुफ्त में हो गया। इतनी खुशी मुझे जीवन में कभी नहीं मिली थी। एक बार के लिए मैं मूर्छित होने वाला था। वो तो मेरे परिजनों ने मुझे सही समय पर डॉक्टर के पास पहुँचाया। डॉक्टर ने मेरे परिजनों को बताया कि मुझे मुफ्ताटैक का दौरा पड़ा है। इन्हें ज्यादा खुश होने के अवसर मत दीजिए। नहीं तो आगे इन पर फिर से इस तरह का दौरा पड़ सकता है।

मुझे घर पर लाया गया। कुछ दिन बीते। एक दिन अचानक मेरी बंजर भूमि के लिए किसान फसल योजना के पैसे मेरे खाते में जमा होने लगे। मैं दिल्ली का किसान हूँ। यहाँ केवल राजनीति नहीं होती। कभी-कभी चमत्कार भी होते हैं। मैंने जीवन में कभी खेती नहीं की। इसलिए बिन उगाई फसल के लिए पैसे मिलने लगे तो किसे खुशी नहीं होगी। मुझे फिर से मुफ्ताटैक का दौरा पड़ने ही वाला था कि बेटे ने आकर बताया कि सरकार ने केवल आधे पैसे जमा किए हैं और आना बाकी है।

जैसे-तैसे मैं मुफ्ताटैक से बच पाया। मैं आधार कार्ड से बूढ़ा हो चला हूँ। इसलिए वृद्ध पेंशन योजना का लाभार्थी हूँ। असलियत में मेरी उम्र कुछ और है। उम्र ऐसी कि मैं कहीं भी नौकरी कर सकता हूँ। लेकिन जब बैठे-बिठाए चार पैसे मिल रहे हों, तो भला कोई नौकरी क्यों करेगा। कभी-कभी मेरा ईमान जाग उठता था। चुल्लू भर पानी में डूब मरने की इच्छा भी होती थी। हाय मैं यह भी न कर सका, क्योंकि सरकार मुफ्त का पानी चुल्लू भर की मात्रा से अधिक देती थी।

मैं अपनी इकाई से कम सरकार की इकाई से ज्यादा चलता हूँ। सरकार ने फलाँ इकाई तक बिजली मुफ्त कर दी थी। इसलिए मैंने उस इकाई को कभी पार नहीं की जहाँ मुझे सरकार को एक रुपया भी देना पड़े। कहते हैं मुफ्त की आदत पड़ जाए तो कैंसर और एड्स की बीमारियाँ भी बौने लगने लगती हैं। कभी-कभी तो लगता है कि मुफ्त की फिनाइल पैसे देकर खरीदे गए दूध से भी अधिक मजा देता होगा।

मैं जब भी टीवी चलाता हूँ तो एक नई उम्मीद जाग उठती है कि आज सरकार कौनसी मुफ्त योजना लाने जा रही है। अब मुझे मुफ्तखोरी की आदत पड़ गई है। बीवी-बच्चों को भी मुफ्तभोगी बनने की ट्रेनिंग देता रहता हूँ। वे समझदार हैं। इसीलिए काम की तलाश से ज्यादा मुफ्त स्कीमों की खोज में लगे रहते हैं। मुझे गर्व है कि वे मुझ पर गए हैं। अब तो डॉक्टरों का कहना है कि मुझे मुफ्ताटैक का दौरा नहीं पड़ सकता, क्योंकि उन्होंने मुझे अनंत इच्छाओं की डोज़ वाली दवा लेने की सलाह जो दी है।

लगातार तीसरी बार मोदी सरकार

डॉ.वेदप्रकाश

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव का उत्सव समाप्त हुआ। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा ने सहयोगियों के साथ राजग के रूप में बहुमत प्राप्त किया। यद्यपि पहले की तुलना में इस बार भाजपा को कम सीटें मिली लेकिन उसने कश्मीर से केरल, अरुणाचल से गुजरात सभी जगह सफलता हासिल की। मध्यप्रदेश,दिल्ली,उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश आदि में तो भाजपा ने इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र प्रथम की भावना को प्राथमिकता देते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं रक्षा आदि क्षेत्रों में विगत 10 वर्षों में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। सकारात्मकता, जन भागीदारी, सबका साथ-सबका विकास और सबमें विश्वास उनके मूल मंत्र रहे हैं। वस्तुतः यह जीत साफ नीयत से सही विकास की जीत है। चुनाव के नतीजे यह भी दिखाते हैं कि जाति,संप्रदाय,क्षेत्रीयता और भ्रम-भय की संकीर्णता अभी समाप्त नहीं हुई है लेकिन जनता का बड़ा वर्ग भ्रम और भय की राजनीति से अलग देश के विकास को देख रहा है। यह भी सर्वविदित है कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के दो कार्यकाल यानी वर्ष 2014 से ही उनकी सभी योजनाएं सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रही हैं। परिणामतः पिछले 10 वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने अपने पहले ही भाषण में 15 अगस्त 2014 को लालकिले की प्राचीर से मां भारती के कल्याण का संकल्प प्रस्तुत किया था- हम आजादी के इस पावन पर्व पर मां भारती के कल्याण के लिए, हमारे देश के गरीब, पीड़ित, दलित,शोषित, समाज के पिछड़े हुए सभी लोगों के कल्याण का, उनके लिए कुछ न कुछ कर गुजरने के संकल्प का यह पर्व है। इस संकल्प के साथ ही वे आलोचना को दरकिनार करके समर्पित भाव से योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित करने में जुट गए। राजनीति के क्षेत्र में नरेंद्र मोदी विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। उनका व्यक्तित्व- कृतित्व आरंभ से ही संकल्प से सिद्धि का पर्याय रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उस प्रदेश का कायाकल्प हम सभी के सामने है तो देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनके दो कार्यकाल अभूतपूर्व परिवर्तनों एवं गुड गवर्नेंस के सहारे अंतोदय को समर्पित रहे हैं। वे नए भारत को विकास की पंचधारा के साथ जोड़कर शासन- प्रशासन का फोकस देश के सामर्थ्य, संसाधन, संस्कार, परंपरा, संस्कृति और सुरक्षा पर केंद्रित करते हैं। वे सामान्य से सामान्य व्यक्ति की भागीदारी की भी सराहना करते हैं। यह दुर्भाग्य ही रहा कि स्वतंत्रता के बाद लगभग सात दशक बीतने पर भी अनेक क्षेत्रों में बदहाली यथावत बनी रही। सामान्य व्यक्ति के जीवन में एवं राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर जिस गति और विजन के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता थी, वह कहीं न कहीं व्यक्तिगत स्वार्थों की भेंट चढ़ गया। भ्रष्टाचार एक व्यवस्था के रूप में पनपता रहा। वर्ष 2014 के बाद जनधन खाता और डिजिटल इंडिया जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ यह हुआ कि कल्याणकारी योजनाएं सीधे लाभार्थी तक पहुंचने लगी। अर्थव्यवस्था की मजबूती एवं विविध आयामी सशक्तिकरण के लिए योजनाएं तत्काल प्रभाव से क्रियान्वित की गई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत लगभग 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण, कॉविड-19 के दौरान महिलाओं को लगभग 20 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता, पीएम आवास योजना के तहत लगभग चार करोड़ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में आवास, जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 9 करोड़ घरों को नल से जल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से लगभग 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुक्त राशन, स्टैंड अप इंडिया योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लिए लगभग 7,350 करोड़ की वित्तीय सहायता, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में लगातार वृद्धि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 36 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 1.32 लाख करोड़ राशि का सीधे वितरण, सस्ती और महत्वपूर्ण दवाइयों के लिए जन औषधि केंद्र,गरीबों को इलाज हेतु आयुष्मान भारत योजना, कनेक्टिविटी के लिए रोडवेज, वॉटरवेज, एयरवेज एवं रेलवे आदि क्षेत्रों में ढांचा सुविधाओं से गतिशीलता, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, चार धाम योजना, काशी विश्वनाथ धाम का जीर्णोद्धार, श्री उज्जैन महाकाल मंदिर कॉरिडोर का पुनरुद्धार, स्टैचू ऑफ यूनिटी स्मारक आदि ऐसे सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व के कार्य हैं जिनसे देश में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। प्रत्येक प्रदेश में करोड़ों लोग सीधे इनसे प्रभावित हुए हैं। इस बार का लोकसभा चुनाव सीधे-सीधे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व एवं इंडी गठबंधन के बीच विचार और विकास के मुद्दे पर केंद्रित था। जहां समूचा इंडी गठबंधन भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण के लिए मतदाताओं में भ्रम और भय फैलता रहा। फेक वीडियो के सहारे झूठे नेरेटिव बनाए, वहीं प्रधानमंत्री मोदी लगातार जन भागीदारी, नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसानों के सामर्थ्य,कौशल विकास, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, नया भारत, आत्मनिर्भर भारत, अर्थव्यवस्था में निरंतर आगे बढ़ता भारत और विकसित भारत के विजन को लेकर चलते रहे। इस बार के चुनाव से यह स्पष्ट हो गया है कि अब भारत का जनमानस भारत भाव से जागृत होकर विकास यात्रा में सहभागी बन चुका है। यह भी स्पष्ट है कि विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने समाज और राष्ट्र जीवन में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के जिस विजन से काम किया है वह गुड गवर्नेंस एवं गरीब कल्याण हेतु कारगर साबित हुआ है। यह भी स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का तीसरा कालखंड समाज, राष्ट्र एवं विश्व के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

शनि जयंती के दिन थाली में इन चीजों को रखकर करें पूजा

उत्तराखंड के ऋषिकेश में स्थित श्री सच्चा अखिलेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी शुभम तिवारी ने बताया कि शनि जयंती का यह पर्व हर साल ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस साल शनि जयंती 6 जून, 2024 दिन गुरुवार को पड़ रही है। मान्यताओं के अनुसार शनि जयंती के दिन भगवान शनि की पूजा करने से घर में सुख-शांति का वास होता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में इस दिन की पूजा के लिए कुछ सामग्री बताई गई है, जो भगवान शनि को अति प्रिय है। जिसको अपनी पूजा थाली में शामिल करने से भगवान शनि की कृपा प्राप्त होती है। वो चीजें हैं शनिदेव की प्रतिमा, शनि देव की चालीसा, शनिदेव कथा की पुस्तक, काले और नीले वस्त्र, नीले फूल और फूलों की माला, सरसों का तेल, तिल का तेल और काला तिल।

पुजारी शुभम ने बताया कि इस पवित्र दिन जो भक्त भगवान शनि की पूजा करते हैं और उनके लिए उपवास रखते हैं, उन्हें कर्मफल दाता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन शनि देव जब किसी राशि में वक्री अवस्था में होते हैं, तो उसके जीवन में उथल-पुथल मच जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा के साथ और भी बहुत सारी बातें हैं, जिनका ध्यान देना चाहिए और बताई गई चीजों को पूजा में शामिल करना चाहिए

सावित्री व्रत में महिलाएं क्यों करती हैं बरगद की पूजा

वट सावित्री पूजा 06 जून, गुरुवार को ज्येष्ठ की अमावस्या के दिन मनाई जाएगी। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं। ऐसा माना जाता है कि व्रत का पालन करने से महिलाएं अपने पति के लिए सौभाग्य और समृद्धि लाने में सक्षम होती हैं। वट सावित्री पूजा विवाहित महिलाओं द्वारा की जाती है। इसमें महिलाएं वट यानी बरगद की पूजा करती हैं। यह त्योहार ज्येष्ठ माह की अमावस्या को मनाया जाता है। वट सावित्री व्रत में बरगद के पेड़ का महत्व अतुलनीय है।

बरगद के पेड़ का महत्व

बरगद के पेड़ की पूजा का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बरगद के पेड़ में हिंदू पौराणिक कथाओं के त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश विद्यमान हैं। पेड़ की जड़ें ब्रह्मा का प्रतिनिधित्व करती हैं। वट वृक्ष का तना विष्णु का प्रतिनिधित्व करता है और भगवान शिव बरगद के पेड़ के ऊपरी हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस पवित्र पेड़ के नीचे पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जिस तरह सावित्री ने अपने समर्पण से अपने पति सत्यवान को यमराज से वापस लाई थीं, उसी तरह इस शुभ व्रत को रखने वाली विवाहित महिलाओं को एक सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

कैसे होती है पूजा

इस दिन सुबह जल्दी स्नान करने के बाद, विवाहित महिलाएं दुल्हन के रूप में तैयार होती हैं, अपने माथे पर सिंदूर लगाती हैं। इसके बाद वट वृक्ष या बरगद के पेड़ को चावल और फूल अर्पित करती हैं। इसके बाद पेड़ के तने के चारों ओर पीले या लाल रंग के धागे बांधते हैं, उस पर सिंदूर या सिंदूर छिड़कते हैं और प्रार्थना करते हुए पेड़ की परिक्रमा करती हैं। देवी सावित्री की भी पूजा की जाती है। इसके बाद महिलाएं भोग लगाकर अपने व्रत का पारायण करती हैं।

ज्येष्ठ अमावस्या आज

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या तिथि 5 जून बुधवार को शाम में 07 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ हो चुकी है। इस तिथि का समापन कल 6 जून गुरुवार को शाम 06 बजकर 07 मिनट तक है। अब देखिए कि ज्येष्ठ अमावस्या की तिथि में सूर्योदय कल 6 जून को प्राप्त हो रही है, ऐसे में ज्येष्ठ अमावस्या आज ही मनाना उचित है।

ज्येष्ठ अमावस्या आज है ज्येष्ठ अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने के बाद दान करते हैं। ज्येष्ठ माह में जल का दान करना महापुण्य फलदायी होता है। ज्येष्ठ अमावस्या आज है या कल? ज्येष्ठ अमावस्या पर स्नान दान का समय क्या है? ज्येष्ठ अमावस्या पर 1 नहीं 3 बड़े व्रत-पर्व पड़ रहे हैं।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, सूर्योदय के समय जो तिथि होती है, उस दिन ही वह तिथि मान्य होती है। ज्येष्ठ अमावस्या की तिथि उस दिन मान्य होगी, जिस दिन सूर्योदय में यह तिथि होगी। अब इस साल ज्येष्ठ अमावस्या की तिथि देखते हैं।

ज्येष्ठ अमावस्या का शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ अमावस्या के दिन जिन लोगों को स्नान दान और पितरों की पूजा करनी है, वे लोग ब्रह्म मुहूर्त में स्नान दान करते हैं। दिन में 11 बजे के बाद पितरों के लिए श्राद्ध, पिंडदान आदि कर सकते हैं। पितरों के लिए तर्पण, दान आदि सुबह में कर सकते हैं।

ज्येष्ठ अमावस्या के दिन का शुभ-उत्तम मुहूर्त प्रातः 05:23 एएम से सुबह 07:07 एएम तक है। उसके बाद चर-सामान्य मुहूर्त 10:36 ए एम से 12:20 पी एम तक है। लाभ-उन्नति मुहूर्त 12:20 पी एम से 02:04 पी एम तक है और अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त 02:04 पी एम से 03:49 पी एम तक है।

विचित्र किंतु सत्य : आस पास पानी की किल्लत

रुद्रलिंगों पर अविरल जलधारा पांडवों की है ये तपोस्थली

राजस्थान के दौसा की भूमि संत महात्माओं की धरती है। यहां के कई मंदिर और धर्म स्थल प्रसिद्ध हैं। इनसे जुड़े कई किस्से और किंवदंतियां हैं। ऐसा ही एक स्थान है झांझीरामपुरा। कहते हैं यहां पानी की अविरल धारा बह रही है। लेकिन ये कहां से आ रही है कोई नहीं जानता।

दौसा जिले में अनेक साधु संतों ने जन्म लिया। यहां कई मंदिरों से जुड़े अनेक रहस्य हैं जिनके बारे में कम ही लोग जानते हैं। ऐसा ही एक स्थल है बांदीकुई उपखण्ड क्षेत्र में पहाड़ियों से घिरा झांझीरामपुरा। जैसे जैसे इसके बारे में प्रसिद्धि फैल रही है ये जगह भी लोगों की आस्था का केन्द्र बनता जा रहा है। कहते हैं यहां पहाड़ों से झरने के रूप में गोमुख से अविरल जलधारा बहती है। यह पानी गौमुख कुण्ड से आगे स्थित बड़े कुण्ड से होकर बाहर वाले कुण्ड

में होते हुए कमल कुण्ड में जाता है। पहाड़ी से गौ-मुख में होकर आने वाला पानी ऊपर किसी को दिखाई नहीं देता है। इस गौ-मुख में वर्षभर पानी आता है कुण्ड में लोग स्नान करते हैं।

झाझीरामपुरा का धार्मिक महत्व

महंत मनोज अवस्थी ने बताया झांझीरामपुरा तीर्थस्थल महाभारत काल की तपोभूमि है। अरावली के पहाड़ों में संत तपस्या करते थे। पांडवों ने वनवास के समय अस्त्र शस्त्रों की प्राप्ति के लिए बाबा भूरासिद्ध महाराज के सान्निध में रुद्रदेव की उपासना शुरू की थी। पांडवों और भूरासिद्ध महाराज की कठोर तपस्या से एकादश रुद्र प्रकट हुए। उसी दिन से रुद्रों के ऊपर गंगा जल से अविरल जलाभिषेक हो रहा है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव और उनके वामांग में मॉ पार्वती नंदी पर हैं। भगवान शिव के बायीं और दायीं तरफ पांच-पांच रुद्रलिंग प्रतिष्ठित हैं। इन सभी एकादश रुद्रों पर प्रकृति स्वयं जलाभिषेक कर रही है।

आस-पास सूखा, कुंड में अविरल धारा

स्थानीय महिला कमला ब्याडवाल बताती हैं झांझीरामपुरा धार्मिक स्थल के आसपास पानी की विकट समस्या होने लगी है। लेकिन झांझीरामपुरा धार्मिक स्थल पर लगातार गोमुख से पानी आ रहा है। ये पानी कहां से आता है इसके बारे में कोई नहीं जानता। यहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु विशेष कर श्रावण मास में आते हैं।

सावन और जन्माष्टमी पर कार्यक्रम

स्थानीय लोगों ने बताया श्रावण मास में प्रथम सोमवार महिला पुरुषों की अधिक संख्या रहती है। यहां मेला भी लगता है। हालांकि श्रावण माह के सभी सोमवारों को महिलाएं अधिक पहुंचती हैं। विशेष कर जन्माष्टमी पर यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं।

झांझीरामपुर तक कैसे पहुंचें

दौसा जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूरी पर यह धार्मिक स्थल है। बांदीकुई उपखंड क्षेत्र का आखिरी गांव है। अलवर गंगापुर मेगा हाईवे से इसकी करीब 5 किलोमीटर की दूरी है। इसके लिए श्रावण महीने में तो किराए पर वाहन मिल जाते हैं लेकिन अन्य महीनों में यहां आने की कोई व्यवस्था नहीं है। ज्यादातर श्रद्धालु अपने निजी वाहन से यहां आते हैं।

कमाल का ब्रह्म कमल, पूजा करने से होती है धनवर्षा

ब्रह्म कमल फूल के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन क्या आपको इसकी मान्यता और सही तरीके से पूजा करने की विधि मालूम है। फूल खिलने से पहले और उसके बाद पूजन की विधि अलग-अलग होती है। इस फूल की पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है। लेकिन यह फूल भगवान को नहीं चढ़ाया जाता है। इसके पीछे कई मान्यताएं हैं।

इस उपाय से होगी धन की वर्षा

ज्योतिषी अशोक वार्ष्णेय ने बताया कि ब्रह्म कमल जब मध्य रात्रि में पूरा खिल जाता है। उसके बाद उसकी पूजा अर्चना करके, जो भी मन्नत मांगेंगे, वह पूरी होती है। उसके बाद इस फूल को सूर्योदय से पहले तोड़ लें और फिर पूजा करें। उसे धूप में सुखाकर लाल कपड़े में बांधकर अपने तिजोरी, गल्ला, अलमारी या पूजा करने वाले स्थान में रख लें। इससे आपका घर हमेशा धन धान्य से भरा रहेगा।

ब्रह्म कमल की पूजा कैसे करें

ज्योतिषी अशोक वार्ष्णेय ने बताया कि ब्रह्म कमल में मां लक्ष्मी का वास होता है। वहीं इसमें स्वयं भगवान ब्रह्मा जी निवास करते हैं, जिसके दर्शन मात्र से उन्नति के रास्ते खुल जाते हैं। ब्रह्म कमल जब खिलना शुरू होता है, तब उसे पूरा खिलने में 3 से 4 घंटे लगते हैं। वहां प्रारंभ से ही धूप अगरबत्ती दीपक जलाकर रखना चाहिए और जब पूरा खिल जाता है तब श्रीफल चढ़ाकर पूजा अर्चना आरती करनी चाहिए। ब्रह्म कमल के सामने बैठकर ध्यान लगाकर जो भी मन्नत मांगी जाती है, वो पूरी होता है। ब्रह्म कमल भगवान को इसलिए नहीं चढ़ाया जाता क्योंकि वह स्वयं ब्रह्मा जी के प्रतीक है और भगवान ब्रह्मा जी स्वयं ब्रह्मांड के रचेता हैं। उनके नाम के पुष्प को किसी अन्य भगवान पर नहीं चढ़ाया जा सकता।

वास्तु के हिसाब से इसका महत्व

ब्रहम कमल पर्यावरण को शुद्ध करता है और इसे हरा-भरा रखने में मदद करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ब्रह्म कमल का पौधा सुख, सौभाग्य और समृद्धि को आकर्षित करता है और व्यक्ति के जीवन में मनोवैज्ञानिक संतुलन बनाए रखता है। इसके अलावा इस फूल में बुरी ताकतों से बचाने की शक्ति होती है। वास्तु नियमों के अनुसार, ब्रह्म कमल किसी को उपहार के रूप देना या फिर बेचना गलत माना जाता है।

पुखराज रत्न इन 4 राशियों को बनाता है मालामाल

पुखराज रत्न इन 4 राशियों को बनाता है मालामाल, बस पहनने से पहले रखें इन बातों का ख्याल राशिचक्र की 4 राशियों के लिए पुखराज रत्न बेहद शुभ फलदायक माना जाता है, अगर ये इस रत्न को धारण कर लें तो करियर से लेकर पारिवारिक जीवन में सुधार आ सकते हैं। आइए जानते हैं कौन सी हैं राशियां।

धनु राशि

पुखराज रत्न को गुरु से संबंधित माना जाता है। गुरु धनु राशि के भी स्वामी हैं, ऐसे में अगर धनु राशि के जातक पुखराज रत्न को धारण कर लेते हैं तो उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। पुखराज धारण करने से धनु राशि के जातकों को करियर के क्षेत्र में उन्नति मिलने लगती है और पारिवारिक माहौल में भी सुधार होता है। मानसिक समस्याओं से मुक्ति और शारीरिक बल के लिए भी धनु राशि के लोग पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।

मीन राशि

यह राशि गुरु ग्रह के स्वामित्व वाली दूसरी राशि है। मीन राशि के लोगों के लिए भी पुखराज धारण करना बहुत शुभ माना गया है। मीन राशि के लोग अगर पुखराज धारण कर लेते हैं तो उनकी एकाग्रता में वृद्धि देखने को मिलती है। इसके साथ ही धन-संपत्ति में भी इजाफा होता है। पुखराज रत्न धारण करते ही इनको जीवन में अच्छे परिणाम मिलने शुरू हो सकते हैं।

सिंह राशि

सूर्य की राशि सिंह के स्वामी सूर्य और गुरु के बीच मित्रता का संबंध है। इसलिए गुरु का रत्न पुखराज सिंह राशि के जातकों के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इस राशि के लोग पुखराज रत्न धारण करके अपने क्रोध को नियंत्रण में ला सकते हैं। इसके साथ ही इनके नेतृत्व करने की क्षमता को भी पुखराज रत्न विकसित करता है। सिंह राशि के लोग पुखराज रत्न धारण करक करियर के क्षेत्र में भी उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

मेष राशि

मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि के जातकों के जीवन की कई समस्याएं पुखराज रत्न धारण करके दूर हो सकती हैं। पुखराज इस राशि वालों को मानसिक शांति प्रदान करता है और बुद्धि विवेक में वृद्धि करता है। इसके साथ ही जिन लोगों को कारोबार या करियर के क्षेत्र में परेशानियां

आ रही हैं, उन्हें पुखराज पहनने से सही रास्ता मिल सकता है।

पुखराज पहनने से पहले रखें इन बातों का ख्याल

आपको पुखराज पहनने से पहले किसी योग्य ज्योतिष जानकार से सलाह अवश्य लेनी चाहिए। अगर आपके लिए पुखराज शुभ फलदायक नहीं है तो पहनने से आपको बचना चाहिए। पुखराज पहनने के लिए सबसे सही दिन गुरुवार का माना जाता है, इसलिए इसी दिन पुखराज आपको धारण करना चाहिए। यह रत्न आपको सोने की अंगूठी में ही धारण करना चाहिए। इसके साथ ही तर्जनी उंगली के अलावा किसी भी उंगली पर इसे धारण न करें। पुखराज पहनने के बाद मांस का सेवन करने से आपको बचना चाहिए। इस रत्न के साथ गलती से भी पन्ना और हीरा रत्न धारण न करें। इन बातों का ख्याल रखते हुए अगर आप पुखराज पहनते हैं तो जीवन में कई अच्छे बदलाव आप देख सकते हैं।

घर की उत्तर दिशा में आप भी तो नहीं रखते ये 5 चीजें?

आपके घर का सही वास्तु जैसे आपको कई लाभ दिला सकता है, वैसे ही वास्तु के गलत होने पर कई बुरे परिणाम भी आपको मिल सकते हैं। वास्तु में हर दिशा से जुड़े कुछ-न-कुछ नियम बताए गए हैं, ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि घर की उत्तर दिशा में आपको क्या चीजें रखने से बचना चाहिए। अगर आप इन चीजों को उत्तर दिशा में रखते हैं तो न आपको किस्मत का साथ मिलता है और ना ही घर में बरकत होती है।

जूते-चप्पल न रखें इस दिशा में

उत्तर दिशा में जूते-चप्पल रखना बहुत अशुभ माना जाता है। इस दिशा में अगर आप जूते-चप्पल रखते हैं तो माता लक्ष्मी आप से रूठ सकती हैं और भाग्य का भी साथ छूट सकता है। इसलिए गलती से भी कभी इस दिशा में जूते चप्पल आपको नहीं रखने चाहिए।

उत्तर दिशा में न हों भारी चीजें

वास्तु के अनुसार, उत्तर की दिशा का खुला होना बेहद आवश्यक होता है। इस दिशा में अगर आप भारी सामान को रखते हैं तो ये भी धन

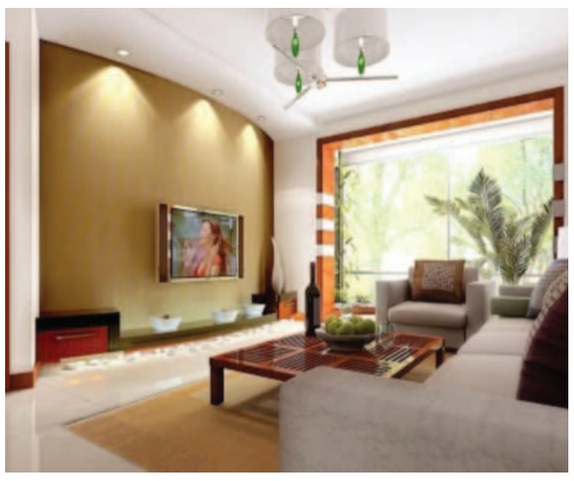

आगमन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह जगह जितनी खुली हुई हो उतनी ही आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। साथ ही इस स्थान में रखे सामान पर आपको कभी भी गंदगी नहीं जमने देनी चाहिए।

कूड़ेदान

कुछ लोग उत्तर दिशा में कूड़ेदान रखने की गलती कर देते हैं, और फिर सोचते रहते हैं कि किस्मत साथ क्यों नहीं दे रही, धन हानि क्यों हो रही है। अगर आपके घर की उत्तर दिशा में भी कूड़ेदान पड़ा रहता है तो आज ही उसे वहां से हटा दें, इसके बाद आप देखेंगे कि आपके जीवन में कई अच्छे परिवर्तन आने लगे हैं।

शौचालय

घर की उत्तर दिशा में शौचालय बनाने से भी आपको बचना चाहिए। वास्तु के अनुसार इस दिशा में शौचालय होने से देवी-देवताओं की कृपा रुकती है।

साथ ही कमाया गया धन घर में बना नहीं रहता। बेवजह के खर्चे बार-बार परेशान करते रहते हैं। इस दिशा में शौचालय का होना घर के लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा नहीं माना जाता, उत्तर दिशा का शौचालय आपको कई स्वास्त्य समस्याएं दे सकता है। इसलिए घर की इस दिशा में कभी भी शौचालय न बनाएं।

वट सावित्री व्रत के दिन बरगद के पेड़ में 7 बार क्यों बांधा जाता है कच्चा सूत?

हर वर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि के दिन सावित्री व्रत किया जाता है। इस साल पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाएं 6 जून 2024 को वट सावित्री का व्रत रखेंगी। इस व्रत में वट वृक्ष की परिक्रमा की जाती है और उसमें 7 बार कच्चा सूत बांधा जाता है। तो आइए जानते हैं कि इसका क्या धार्मिक महत्व है।

वट सावित्री के दिन बरगद पेड़ में कच्चा सूत क्यों बांधा जाता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत के दिन बरगद पेड़ की विधिपूर्वत पूजा करने से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। सुहागिन महिलाएं वट सावित्री के दिन बरगद पेड़ की पूजा के साथ उसकी सात बार परिक्रमा करती हैं। इसके अलावा व्रती महिलाएं बरगद के पेड़ में सात बार कच्चा सूत भी लपेटती हैं। कहते हैं कि वट वृक्ष में सात बार कच्चा सूत लपेटने से पति-पत्नी का संबंध सात जन्मों तक बना रहता है। वट सावित्री के दिन बरगद पेड़ में कच्चा सूत क्यों बांधा जाता है? मान्यताओं के मुताबिक, बरगद के पेड़ पर कलावा बांधने से अकाल मृत्यु जैसे योग टल जाते हैं।

वट सावित्री व्रत में बरगद के पेड़ की पूजा क्यों की जाती है?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, यमराज ने माता सावित्री के पति सत्यवान के प्राणों को वट वृक्ष के नीचे ही लौटाया था और उन्हें 100 पुत्रों का वरदान दिया था। कहा जाता है कि उसके बाद से ही वट सावित्री व्रत और वट वृक्ष की पूजा की परंपरा शुरू हुई। मान्यता है कि वट सावित्री व्रत के दिन दिन बरगद पेड़ की पूजा करने से यमराज देवता के साथ त्रिदेवों की भी कृपा प्राप्त होती है।

'खतरों के खिलाड़ी 14' में झगड़े के बाद निकाले गए आसिम रियाज! फैंस दे रहे रिएक्शन

खतरों के खिलाड़ी के चौदहवें सीजन की शूटिंग रोमानिया में हो रही है और सूत्रों के मुताबिक, बिग बॉस 13 के फेम आसिम रियाज पहले ही शो से बाहर हो चुके हैं। शो के दूसरे कंटेस्टेंट एक्टर शालीन भनोट से झगड़ा होने के बाद, वो बाहर चले गए। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिम ने फिल्ममेकर और शो के होस्ट रोहित शेट्टी से भी बहस की थी।

एविक्शन की खबरों के बाद आसिम की पहली तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है। एविक्शन के बाद आसिम अपने को-कंटेस्टेंट्स के साथ रोमानिया में मस्ती करते हुए नजर आये हैं। 'रब से है दुआ' एक्ट्रेस अदिति शर्मा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें शेयर की हैं। शेयर की गई फोटो में अदिति शर्मा, जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ, अनुपमा स्टारर आशीष महरोत्रा, करण वीर मेहरा और आसिम रियाज दिखाई दे रहे हैं।

अदिति शर्मा के पोस्ट पर आसिम रियाज को लेकर ही सवाल उठ रहे हैं। लोग हैरान हैं कि अगर आसिम को एविक्ट कर दिया गया है तो वह फोटो में क्यों दिख रहे हैं। आपको बता दें कि आसिम एविक्ट हुए हैं या नहीं। इसकी अभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, आसिम एक टास्क को करने के लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि ये जोखिम भरा टास्क है, इसको लेकर आसिम की शालीन भनोट से बहस हो गई। टीवी एक्टर अभिषेक कुमार ने भी शालीन का सपोर्ट किया, जिससे लड़ाई और बढ़ गई। जब रोहित ने बीच में इंटरफेरेंस करने की कोशिश की, तो आसिम ने कथित तौर पर रोहित के सामने मिसबिहेव किया। हालांकि रोहित इस मामले को छोड़ने के लिए तैयार थे, लेकिन आसिम ने शो से बाहर निकलने का फैसला किया।

दूसरे धर्म में शादी करने पर बोलीं ऋचा चड्ढा : 'जब परिवार आपके साथ हो तो कोई दिक्कत नहीं आती

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने एक इंटरव्यू में अपनी और अली फजल की इंटरफेथ मैरिज पर बात की है। ऋचा हिंदू जबकि अली मुस्लिम हैं, ऐसे में दोनों की शादी कैसे पॉसिबल हो पाई? इस बारे में ऋचा ने कहा, 'अगर आप अपनी चॉइस पर अडिग हैं और आपका परिवार आपके सपोर्ट में है तो फिर आपको किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता है। आप जब प्यार में पड़ते हैं तो उसमें कोई फिल्टर नहीं होता, प्यार बस प्यार ही होता है।'

नहीं चाहती थी कि फैमिली परेशान हो: ऋचा

ऋचा ने आगे कहा कि जब वो अली को डेट कर रही थीं तो बिल्कुल नहीं चाहती थीं कि उनकी फैमिली मीडिया की नजर में आए और कोई उन्हें परेशान करे। ऋचा ने कहा, 'जब मैं इस बात के लिए तैयार हो गई कि मुझे अपनी फैमिली को अली के बारे में बताना है तो हमने पब्लिकली अपना रिश्ता कबूला।'

ऋचा ने बताया कि उन्होंने अली के साथ अपनी रिलेशनशिप तब कन्फर्म की थी जब दोनों 2017 में वेनिस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए जाने वाले थे। उन्हें लगा था कि ये बिल्कुल सही मौका है जब वो अपना रिलेशनशिप अनाउंस कर सकते हैं। इसके कुछ साल बाद दोनों ने 2020 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी कर ली थी।

कोरोना लॉकडाउन के दौरान की थी कोर्ट मैरिज

इस बारे में ऋचा ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था, 'हमने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की थी और ये बहुत अच्छा डिसीजन था। सब शांति से हो गया था। मुझे लगता है कि इन सब चीजों को मीडिया काफी बड़ा बना देती है जिससे स्थिति बिगड़ जाती है।' कोर्ट मैरिज के बाद 4 अक्टूबर 2022 को अली फजल और ऋचा ने धूमधाम से लखनऊ में शादी की थी। इसी साल फरवरी में ऋचा और अली ने अपने फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की थी और बताया था कि दोनों पहली बार पेरेंट्स बनने वाले हैं।

ऋचा पिछले दिनों सीरीज 'हीरामंडी' में नजर आ चुकी हैं। इस सीरीज में उन्होंने लज्जो का किरदार निभाया था। संजय लीला भंसाली की इस सीरीज में ऋचा के साथ मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, सोनाक्षी सिन्हा, फरदीन खान, फरीदा जलाल जैसे कई कलाकार अहम किरदारों में नजर आए। 'हीरामंडी' के अलावा ऋचा 'मिर्जापुर 3' और 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आने वाली हैं।

आमिर खान के बेटे ने फिल्म 'महाराज' के लिए घटाया 26 किलो वजन, ट्रांसफॉर्मेशन देख हैरान हो रही जनता

आमिर खान के बेटे जुनैद अपनी अपकमिंग फिल्म 'महाराज' लेकर जल्द ही नेटफ्लिक्स पर हाजिर हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि जुनैद ने इस फिल्म के लिए काफी कड़ी मेहनत की है और 26 किलो वजन घटाया है। जुनैद के फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की खूब चर्चा हो रही है।

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे और एक्टर जुनैद खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'महाराज' को लेकर सुर्खियों में हैं। वह इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए जबरदस्त फिज़िकल ट्रांसफॉर्मेशन किया जिसे लेकर इस वक्त खूब चर्चा हो रही है।

एक्टर ने अपनी पहली फिल्म के लिए दो साल में तकरीबन 26 किलो वजन घटाया, जो इस बात का सबूत है कि अपनी डेब्यू फिल्म को सफल बनाने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की।

जुनैद के पास इस वक्त कई प्रोजेक्ट्स

बताया जा रहा है कि जुनैद के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिनकी तैयारियों में वह काफी बिजी हैं। 1800 की एक सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में जुनैद पत्रकार की भूमिका में दिखेंगे। इसमें जयदीप अहलावत, शरवरी वाघ और शालिनी पांडे अहम भूमिका में नजर आएंगे।

YRF के बैनर तले बनी इस फिल्म को सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने डायरेक्ट किया है, जो 'वी आर फैमिली' और 'हिचकी' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। 'महाराज' के अलावा, जुनैद फिल्म 'एक दिन' में भी नजर आने वाले है। बता दें कि फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है। इस फिल्म में वह एक्ट्रेस साई पल्लवी के साथ नजर आएंगे। फिलहाल, जुनैद खुशी कपूर के साथ एक प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हैं, जिसका टाइटल अभी तय नहीं हुआ है। हाल ही में उन्होंने अपना जन्मदिन इस फिल्म के सेट पर काम करते हुए सेलिब्रेट किया। एक्टर के एक करीबी सूत्र ने बताया कि जुनैद ने फिल्म के लिए पूरे दिन शूटिंग की। फिल्म का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है, जो 'सीक्रेट सुपरस्टार' और 'लाल सिंह चड्ढा' के लिए जाने जाते हैं। 'महाराज' 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

संजीदा शेख के तलाक पर दिए बयान पर बिफरे पूर्व पति आमिर अली

आमिर अली और संजीदा शेख कभी टीवी के पॉपुलर कपल्स में शुमार थे। दोनों ने साल 2012 में शादी की, पर 2022 में उनका तलाक हो गया। उनकी एक बेटी भी है। हाल ही संजीदा शेख ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह तलाक के बाद खुद को खुशनसीब महसूस कर रही हैं। साथ ही यह भी कहा था कि हौसला तोड़ने और नीचा दिखाने वाले पार्टनर से दूरी बनाए रखना बेहतर है। इस बयान के बाद चर्चाएं होने लगीं कि यह बात संजीदा ने पूर्व पति आमिर अली के लिए कही है। और अब इस पर आमिर अली का रिएक्शन आया है।

आमिर अलि ने कहा कि उनकी क्लास ऐसी नहीं है कि वह किसी को नीचा दिखाएं। वह और संजीदा पांच साल से साथ नहीं हैं। एक्टर ने यह भी कहा कि संजीदा शेख शायद किसी और वाकये की बात कर रही होंगी, जो उनकी जिंदगी में तलाक के बाद हुआ होगा। आमिर अली ने 'न्यूज18' से कहा, 'वह और मैं एक-दूसरे के बारे में जो कुछ भी कहते हैं, जरूरी नहीं कि वो हमारे बारे में हो। अब हम लगभग पांच साल से एक साथ नहीं हैं। मुझे लगता है, वह उस दौर में कुछ ऐसी ही स्थिति से गुजरी होंगी।'

'मेरा क्लास ऐसा नहीं कि कीचड़ उछालूं'

आमिर अली ने यह भी रिवील किया कि शादी टूटने और तलाक के बाद वह बहुत बुरे दौर से गुजरे, पर अब वह इस बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। आमिर ने कहा कि उनका संजीदा शेख के साथ रिश्ता एक पुरानी कहानी है, जो खत्म हो चुकी है।

वह बोले, 'मुझे पता है कि अलग होने के उस दौर में मुझ पर क्या गुजरी और मेरे साथ क्या हुआ। लेकिन सरेआम कीचड़ उछालना या छीछालेदर नहीं चाहता। यह मेरा क्लास नहीं है। मैंने कभी किसी को नीचा नहीं दिखाया है और न ही कभी दिखाऊंगा, खासकर जिनके साथ मेरा रिश्ता रहा है।'

सूरज बड़जात्या की फिल्म में सलमान खान हुए रिप्लेस! प्रेम की भूमिका निभाएंगे कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन लगातार सफलता की सीढ़ी चढ़ रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें लगातार कई फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं। फिलहाल, कार्तिक अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चंदू चैंपियन' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कार्तिक के फैंस उनकी हर एक फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं, फिलहाल उन्हें इंतजार है कार्तिक की फिल्म 'चंदू चैंपियन' का। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म में सलमान खान की जगह कार्तिक आर्यन को साइन कर लिया गया है।

प्रेम की शादी

सलमान खान की ज्यादातर फिल्मों में उनका नाम प्रेम होता है। निर्देशक सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म में भी जो मैन लीड अभिनेता होगा उसका नाम प्रेम रखा जाएगा। लेकिन अब सलमान के हाथों से यह फिल्म कार्तिक आर्यन के पास चली गई है। अगर जानकारी सही है तो सलमान की जगह कार्तिक फिल्म में प्रेम का किरदार निभाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज और कार्तिक के बीच फिल्म को लेकर

मीटिंग पहले ही हो चुकी है। सूरज की इस आगामी फिल्म का नाम 'प्रेम की शादी' बताया जा रहा है। सूरज बड़जात्या अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म परिवारों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ड्रामा फिल्म होगी। हो सकता है कि 'चंदू चैंपियन' की रिलीज के बाद इस फिल्म की शूटिंग का काम शुरू हो जाए।

कार्तिक की आगामी फिल्में

'चंदू चैंपियन' की बात करें तो यह फिल्म भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन से प्रेरित है। यह फिल्म कार्तिक आर्यन के एक युवा लड़के से एक सैनिक, मुक्केबाज और अंत में एक उत्तरजीवी बनने की कहानी पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर ग्वालियर के कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में लॉन्च किया गया था।

'चंदू चैंपियन' के ट्रेलर और गाने की रिलीज के बाद से ही फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'चंदू चैंपियन' के अलावा इस साल कार्तिक आर्यन हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आएंगे। फिल्म में तृप्ति डिमरी और विद्या बालन भी अहम रोल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक अनुराग बसु की आगामी फिल्म में कार्तिक और तृप्ति साथ नजर आ सकते हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी।

डिज्नी एंड पिक्सर से जुड़ीं अनन्या पांडे

'इनसाइड आउट 2' के हिंदी वर्जन में मेन कैरेक्टर राइली को देंगी आवाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे डिज्नी एंड पिक्सर की एनिमेटेड फिल्म 'इनसाइड आउट' से जुड़ गई हैं। उन्होंने फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए मेन कैरेक्टर राइली को अपनी आवाज दी है। हाल ही में डिज्नी फिल्म्स इंडिया ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अनन्या डबिंग स्टूडियो में फिल्म के लिए डबिंग करती नजर आ रही हैं।

इस अचीवमेंट पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए अनन्या ने कहा, 'मैं हमेशा से डिज्नी और पिक्सर की एनिमेटेड फिल्मों की बड़ी फैन रही हूं। इनकी कहानियां एंटरटेनिंग और रिलेटेबल होने के साथ ही साथ अक्सर आपको दूसरी दुनिया में ले जाती हैं।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'राइली के किरदार को आवाज देने के बाद मेरे बचपन की कई यादें ताजा हो गईं। डबिंग करने का यह पूरा प्रोसेस बड़ा ही मजेदार रहा और मैंने इसे पूरे दिल से एंजॉय किया है।' बताते चलें कि अनन्या से पहले काजोल, परिणीति चोपड़ा, ऐश्वर्या राय बच्चन, शाहरुख खान और आर्यन खान जैसे बॉलीवुड सेलेब्स ने डिज्नी के एनिमेटेड कैरेक्टर्स को अपनी आवाज दी है।

'इनसाइड आउट 2' की कहानी राइली नाम के एक किरदार की लाइफ और उसके इमोशंस के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म 14 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का पहला पार्ट 2015 में रिलीज हुआ था। 2016 में इसे बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म के ऑस्कर अवॉर्ड से नवाजा गया था। वर्कफ्रंट पर अनन्या फिल्म 'कंट्रोल' की शूटिंग में बिजी हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं।

धनुष की 51वीं फिल्म 'कुबेर' में एक्शन करते दिखेंगे धनुष और नागार्जुन!

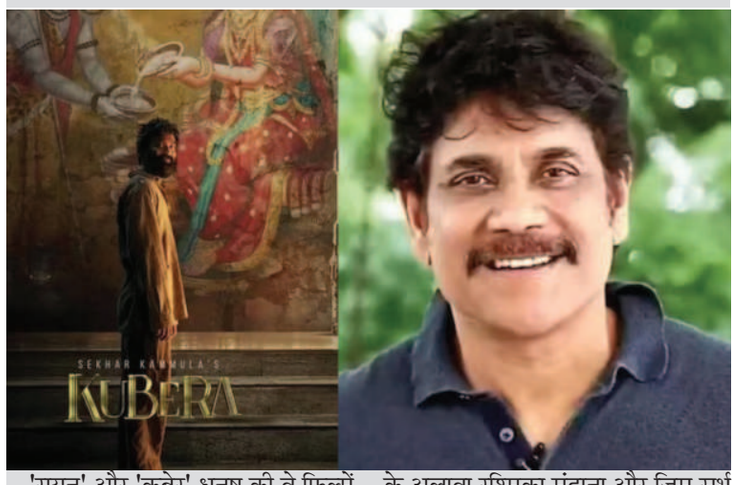

'रायन' और 'कुबेर' धनुष की वे फिल्में हैं, जिन्हें देखने के लिए दर्शक काफी उतावले नजर आ रहे हैं। 'रायन' दो वजह से खास है। पहली वजह है- यह धनुष के करियर की 50वीं फिल्म है और दूसरी- यह बतौर निर्देशक धनुष की दूसरी फिल्म है। वहीं, 'कुबेर' को लेकर भी धनुष के फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। इस फिल्म पर एक ताजा अपडेट भी सामने आया है।

एक्शन सीन की चल रही है शूटिंग

'कुबेर' की शूटिंग कई दिनों से जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजा जानकारी यह है कि इन दिनों इस फिल्म के एक्शन सीन की शूटिंग चल रही है। कहा जा रहा है कि इस सीन में धनुष और नागार्जुन दोनों नजर आने वाले हैं। एक चर्चा यह भी है कि इस फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं।

रश्मिका मंदाना भी कर रही हैं काम

इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला कर रहे हैं। फिल्म में धनुष और नागार्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस द्वारा किया जा रहा है। 'कुबेर' का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। बता दें कि निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष 'कुबेर' के जरिए पहली बार साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

'रायन' में नजर आएंगे यह कलाकार

फिल्म 'रायन' की बात करें तो इसे 13 जून, 2024 को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिर खबर आई कि रिलीज की तारीख पीछे खिसका दी गई है। कहा जा रहा है कि 'रायन' को जुलाई या फिर अगस्त में रिलीज किया जा सकता है। बता दें कि फिल्म का एक गाना रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में धनुष के साथ-साथ संदीप किशन, कालिदास जयराम, एसजे सूर्या, सेल्वाराघवन, प्रकाश राज, अपर्णा बालमुरली, दुशारा विजयन और वरलक्ष्मी सरथकुमार भी काम कर रहे हैं।

अनुराग कश्यप ने गुलशन देवैया को बताया टाइगर श्रॉफ का अवतार, बोले- इनके जैसा एक्शन कोई नहीं कर सकता

गुलशन देवैया और अनुराग कश्यप जल्द ही वेब सीरीज 'बैड कॉप' में नजर आएंगे। इसमें गुलशन कॉप की भूमिका में हैं। वहीं, अनुराग कश्यप बैड बॉय के रूप में खतरनाक अंदाज में नजर आएंगे। यह सीरीज डिज्नी हॉटस्टार पर आएगी। अनुराग कश्यप इस सीरीज में एक्शन करते नजर आएंगे। उन्होंने एक्शन सीन करने का अपना अनुभव साझा किया है। साथ ही गुलशन देवैया की भी जमकर तारीफ की है।

गुलशन देवैया और अनुराग कश्यप ने सीरीज की रिलीज डेट पर भी अपडेट दिया है। मीडिया बातचीत के दौरान गुलशन देवैया से उनके किरदार के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, "काफी अच्छा किरदार है। सीरीज की कहानी मनोरंजक है। किरदार काफी मनोरंजक है"। अनुराग कश्यप ने गुलशन की तुलना टाइगर श्रॉफ से की और कहा कि उन्होंने इसमें बहुत खतरनाक एक्शन किया है।

अनुराग कश्यप ने गुलशन देवैया को लेकर कहा, 'इन्होंने जैसा खतरनाक एक्शन किया है, वैसा कोई नहीं कर सकता। आप इन्हें टाइगर श्रॉफ का अवतार समझ लीजिए'। गुलशन ने कहा, 'एक्शन करना मुश्किल था। आदित्य दत्त के साथ मैंने पहले भी 'कमांडो 3' में काम किया है। उन्होंने मुझे पहले ही बोल दिया था कि इस सीरीज में एक्शन करना है। काफी मुश्किल था, लेकिन करना तो पड़ा। बहुत मजा भी आया। मुझे ऐसी विविधता बहुत पसंद है'।

सीरीज में अनुराग कश्यप एक्शन करते दिखेंगे। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'मुझे इस सीरीज में अपना रोल करने में बहुत मजा आया। फाइट सीन भी किए हैं, लेकिन फाइट सीन मैं सिर्फ गुलशन देवैया की वजह से कर पाया। फाइट सीन के लिए मेरा फिजिकल फिटनेस लेवल उतना ज्यादा नहीं था। ये आदित्य दत्त के साथ पहले काम कर चुके थे। तो इन्होंने एक्शन सीन में मेरी बहुत मदद की, नहीं तो मेरे से होता नहीं'। एक्शन को लेकर अनुराग कश्यप ने कहा, 'आसान तो कुछ नहीं होता, समझदारी से सबकुछ करना पड़ता है। मैं खुद को उस स्तर का एक्टर नहीं मानता, जिनके साथ मैं काम करता हूं। जब पर्सनैलिटी और कैरेक्टर मिलते हैं तो वो चीज वर्क कर जाती है इसमें शायद वही हुआ। अगर मैं बतौर डायरेक्टर देखूं तो खुद को कभी कास्ट नहीं करता। प्रोड्यूस करना भी मेरे लिए भारी काम है। मजबूरी में करना पड़ता है, क्योंकि लोग इससे बहुत डर जाते हैं। मैं अलग स्तर पर जाकर फिल्म बनाता हूं'। बतौर कलाकार आप दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी? इस पर दोनों सितारों ने कहा कि कोई प्रतिस्पर्धा नहीं बढ़ेगी। अनुराग कश्यप ने कहा कि प्रतिस्पर्धा क्या बढ़ेगी मैंने तो एक्शन ही इनकी वजह से किया है। बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से पूछा गया कि आपके अलावा आप इंडस्ट्री में विलेन के रूप में किसे पसंद करते हैं? इस पर अनुराग कश्यप ने कहा, 'हीरो-विलेन वाला टाइम अब चला गया। अभी सबकुछ ग्रे है। वो जमाना अलग होता था'। वहीं गुलशन से पूछा गया कि कॉप के अंदाज में किसे देखना पसंद करेंगे? गुलशन ने कहा, 'अलग-अलग स्टार्स हैं।

प्रोटीन का किंग है सोयाबीन

सोयाबीन एक अत्यंत पौष्टिक खाद्य पदार्थ है जो न केवल प्रोटीन में समृद्ध है बल्कि कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। यहाँ सोयाबीन से मिलने वाले प्रमुख फायदों के बारे में बताया गया है। सब्जियों में यूज किए जाने वाला सोयाबीन हाई प्रोटीन से युक्त एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जो केवल वजन कम करने में ही नहीं बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचाने में मदद करता है। यह यह शाकाहारियों के लिए हाई प्रोटीन का एक बेस्ट सोर्स हैइसमें मौजूद प्रोटीन वेट लॉस के अलावा दिल के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है।

प्रोटीन के अलावा सोयाबीन में कई अन्य तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे कि कैल्शियम। सोयाबीन हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में भी सहायक हो सकता है। तो आइए आज सोयाबीन के कुछ बड़े फायदों के बारे में जान लेते हैं।

वेट लॉस वालों के लिए सोयाबीन एक हाई प्रोटीन डाइट है। प्रोटीन मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है, जिससे शरीर में अधिक कैलोरी बर्न होती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। प्रोटीन मांसपेशियों की रिकवरी और मजबूत बनाने का भी काम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

सोयाबीन का सेवन आपके हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है। इसमें मौजूद आइसोफ्लेवोंस नामक गुण बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। जिससे दिल की और भी कई बीमारियों का खतरा कम होता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भी पाया जाता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

हड्डियों के लाभकारी है

सोयाबीन कैल्शियम और मैग्नीशियम का भी अच्छा सोर्स है, जो हड्डियों की मजबूती और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। सोयाबीन का सेवन ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को भी कम करने में मदद करता है।

हार्मोनल बैलेंस में मददगार

सोयाबीन में मौजूद आइसोफ्लेवोंस गुण हार्मोनल बैलेंस में भी मदद करते हैं। जिससे कई हार्मोनल संबंधित बीमारियों का खतरा कम होता है।

क्या गर्मी में आपका फ्रिज भी नहीं हो रहा ठंडा टेक्नीशियन को बुलाने से पहले चेक करें ये चीजें

गर्मी के मौसम में फ्रिज के बिना गुजारा होना बहुत मुश्किल होता है। पानी ठंडा करने के लेकर दूध और खाने को खराब होने से बचाने के लिए इसका इस्तेमाल होता है। इसके अलावा फ्रिज में इतना सामान रखा रहता हैं जिनके लिए कहीं ओर जगह मिलती ही नहीं। सीधा कहें तो एक फ्रिज ही है जहां इनकी सही जगह लगती है।

जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके फ्रिज के बिना कुछ लोग एक घंटे भी नहीं रह पाते, जरा सी गड़बड़ी होने पर इलेक्ट्रिशियन को बुला लेते हैं। ऐसे में कई बार बिना मतलब का खर्च बढ़ जाता है। अगर आप भी फ्रिज की कूलिंग को लेकर अक्सर परेशान रहते हैं, तो जरूरी नहीं कि टेक्नीशियन को बुलाने की जरूरत पड़े। हमारी ट्रिक से आप एक बार खुद अपने फ्रिज को चेक करके कूलिंग बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इससे आपकी जेब पर अधिक असर नहीं पड़ेगा।

सामान की क्वांटिटी पर ध्यान दें

अगर आपको लग रहा है कि फ्रिज अच्छे से कूलिंग नहीं कर पा रहा है तो एक बार फ्रिज में रखे सामान की क्वांटिटी जरूर चेक करें। क्योंकि कैपिसिटी से अधिक सामान रखने की वजह से कूलिंग पर असर पड़ता है। इसलिए कोशिश करें कि जब भी कूलिंग कम लगे, तो सामान थोड़ा कम रखें। इसकी वजह से काफी हद तक फ्रिज ठंडा होने लगेगा।

दरवाजे का सील चेक करें

कभी-कभी दरवाजे के सील में परेशानी होने से भी फ्रिज सही तरीके से ठंडा नहीं हो पाता है। इसलिए जब भी कूलिंग कम लगे तो एक बार दरवाजे के सील को चेक करें। अगर सील टूट गया है या फिर अधिक घिस गया है तो इसे तुरंत बदल लें। इसकी मदद से भी फ्रिज कम ठंडा होने की परेशानी दूर हो जाएगी।

टेम्प्रेचर चेक करें

सर्दियों के मौसम में अक्सर में हम फ्रिज का टेम्प्रेचर बढ़ा देते हैं लेकिन गर्मी का सीजन आने पर इसे कम करना भूल जाते हैं। फिर आपको फील होता है कि फ्रिज कूलिंग नहीं कर रहा। इसलिए एक बार फ्रिज का टेम्प्रेचर जरूर चेक करें। गर्मियों में फ्रिज की कूलिंग को सही रखने के लिए आइडियल तापमान 35-38°F के बीच होना चाहिए।

कंडेसनर कॉइल की सफाई

कई बार क्लीनिंग नहीं होने की वजह से भी फ्रिज की कूलिंग पर असर होता है। इसलिए कंडेसनर कॉइल गंदा होने के कारण भी फ्रिज गर्म हो सकता है। ऐसे में समय-समय पर कंडेसनर कॉइल की सफाई करना चाहिए। बता दें कंडेनसर कॉइल फ्रिज के पीछे वाली जालीदार जंग होती है। यह जाली धूल और गंदगी से भर सकती हैं, जिससे फ्रिज को ठंडा करना मुश्किल हो जाता है। जिसे सॉफ्ट ब्रश या वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इन बीमारियों में मखाना खाने की सोचें भी नहीं, पड़ जाएंगे लेने के देने

मखाना पोषक तत्वों का भंडार है। इसकी हर खुराक अच्छी सेहत का राज है। गुणकारी होने के बावजूद मखाना कुछ बीमारियों में नुकसानदायक होता है। यहां उन बीमारियों के बारे में बताया गया है, जिनमें मखाना खाया, तो सेहत बिगड़ सकती है।

आज के दौर में हर कोई चुस्त दुरुस्त रहना चाहता है। अपनी सेहत को नजरअंदाज करने का परिणाम हम सब कोरोना काल में भुगत चुके हैं। इसलिए अब लोग अपने खानपान में उन चीजों को शामिल कर रहे हैं, जो वास्तव में उन्हें फायदा पहुंचाती है। इन्हीं में से एक है मखाना।

वैसे तो मखाना व्रत में खाया जाता है, लेकिन आजकल कई लोग इसे अपनी हेल्दी डाइट का हिस्सा बना रहे हैं। यह फाइबर, कैल्शियम, आयरन, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आपको स्वाद ही नहीं, बल्कि अच्छी सेहत भी देता है।

लेकिन अगर आप बीमार व्यक्ति हैं और पिछले कुछ समय से किसी खास बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको मखाना खाने से परहेज करना चाहिए। यहां कुछ ऐसी बीमारियों के बारे में बताया गया है, जिनमें मखाना खाने के बाद सेहत पर खराब असर पड़ सकता है।

एलर्जी

एलर्जी वाले लोगों को मखाना खाने से बचना चाहिए। इसमें स्टार्च की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसे खाने के बाद शरीर में स्टार्च बढ़ता है, जिससे एलर्जी महसूस हो सकती है।

किडनी स्टोन

अगर आपको किडनी में स्टोन की समस्या है, तो मखाने का सेवन न ही करें,तो अच्छा है। बता दें कि मखाना कैल्शियम से भरपूर है। अगर ज्यादा मात्रा में इसका सेवन किया, तो शरीर में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाएगी। साथ में यह स्टोन का आकार भी बढ़ा देगा।

फ्राई मखाने के साइड इफेक्ट

कभी मखाने फ्राई करके ना खाएं, वरना बढ़ जाएगा इन 3 गंभीर बीमारियों का खतरा

दस्त की समस्या

दस्त की स्थिति में मखाना खाना अच्छा नहीं माना जाता। वैसे तो कब्ज से जूझ रहे लोगों को मखाना खाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि इसमें फाइबर बहुत ज्यादा होता है। लेकिन जिन लोगों को दस्त की शिकायत हो, उन्हें खासतौर से इसे अवॉइड करना चाहिए। यह मल त्याग को बदतर बना सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर

मखाने में सोडियम बहुत कम होता है, इसलिए कई लोग नाश्ते में इसका सेवन करते हैं। लेकिन नमकीन मखाने में नमक ज्यादा होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए नुकसानदायक है। ज्यादा नमक सोडियम की मात्रा बढ़ाने के साथ हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ा सकता है।

लो ब्लड शुगर

मखाना एक लो ग्लाइसेमिक फूड है। इसके सेवन से शरीर में इंसुलिन लेवल बढ़ सकता है। जिन लोगों की ब्लड शुगर लो रहती है, उन्हें मखाने से पूरी तरह से परहेज करना चाहिए। इससे ब्लड शुगर और लो हो सकती है। एंटीबायोटिक दवा लेने वाले लोगों को भी मखाने से दूर रहने की सलाह दी जाती है।

दिन में 5 टाइम जरूर पीएं 1 गिलास पानी, इस तरीके से ही मिलेंगे फायदे

पानी एक महत्वपूर्ण तत्व है, जिससे शरीर बना हुआ है। बॉडी में इसकी कमी कई सारी दिक्कतें पैदा कर सकती हैं। ये दिक्कतें गलत समय पर पानी पीने से भी हो सकती हैं।

पानी 5 मूल तत्व से बना है, जिसमें बड़ा हिस्सा जल का है। करीब 75 प्रतिशत शरीर केवल पानी है। इसका लेवल बिगड़ते ही बड़ी-बड़ी बीमारियां शुरू हो जाती हैं। कुछ लोग पानी पीने के बावजूद डिहाइड्रेशन से जूझते रहते हैं। ऐसा सही टाइम पर पानी न पीने से होता है। गर्मी के दिनों में यह गलती काफी भारी पड़ सकती है।

अगर आप पानी पीने का सही वक्त और तरीका नहीं जानते हैं तो इस आर्टिकल को अंत तक पढ़ें। डाइटिशियन मनप्रीत ने इस बारे में पूरी जानकारी दी है। उनके मुताबिक दिन में 5 टाइम पानी पीना आवश्यक होता है। इस दौरान कम से कम 1 गिलास पानी जरूर पीएं।

अमृत समान है पानी

आयुर्वेद में पानी को अमृत समान माना गया है। यह प्राणों के लिए अति आवश्यक है। यह शरीर को साफ करने में मदद करता है। इसी के जरिए सारे विटामिन और मिनरल अलग-अलग अंगों के पास पहुंचते हैं। पानी की कमी से बॉडी बेजान हो जाती है।

सुबह उठते ही
खाना खाने से 30 मिनट पहले
नहाने से पहले
एक्सरसाइज से पहले, दौरान और बाद में
सिरदर्द व माइग्रेन होने पर

इस तरीके से पीएं पानी

पानी के फायदे पाने के लिए इसे सही तरीके से पीना जरूरी है। कुछ लोग बोतल से या खड़े होकर पानी पी लेते हैं। जबकि आपको पानी को गिलास में लेकर बैठना चाहिए। फिर एक-एक घूंट करके पानी पीना चाहिए। यह सबसे बेस्ट तरीका है।

फिजिकल परफॉर्मेंस में बढ़ोतरी
एनर्जी लेवल और ब्रेन फंक्शन में सुधार
सिरदर्द से बचाव
कब्ज से राहत
गुर्दे की पथरी के इलाज में मदद
वेट लॉस में तेजी

कैसे पहुंचे दार्जिलिंग? वहां के पर्यटन स्थल

पश्चिम बंगाल के उत्तर पश्चिमी खूबसूरत शहर दार्जिलिंग के सफर पर जाना बेहतर विचार हो सकता है। पहाड़ों की हरियाली और गर्मी में भी ठंडे वातावरण का लुत्फ उठाने के लिए दार्जिलिंग जा सकते हैं। शिमला मनाली की भीड़ से दूर दार्जिलिंग सुंदर पहाड़ी क्षेत्र, ठंडी हवाओं के बीच सुकून से छुट्टी बिताने का मौका देता है। यहां आप परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ घूमने आ सकते हैं। वहीं अगर सोलो ट्रिप पर जाना चाहते हैं तो भी दार्जिलिंग सुरक्षित पर्यटन स्थलों की लिस्ट में शामिल हैं। आइए जानते हैं दार्जिलिंग कैसे पहुंचे? जानिए घूमने का खर्च, यहां के पर्यटन स्थल और दार्जिलिंग जाने का सबसे सही समय।

कैसे जाएं दार्जिलिंग

दार्जिलिंग जाने के लिए हवाई जहाज, ट्रेन और बस की सुविधा मौजूद है।

हवाई मार्ग- दार्जिलिंग के सबसे करीब बागडोगरा एयरपोर्ट है, जो दार्जिलिंग से 88 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। लगभग साढ़े तीन घंटे की यात्रा के बाद दार्जिलिंग पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग- अगर आप ट्रेन से

दार्जिलिंग जा रहे हैं तो न्यू जलपाईगुड़ी सबसे पास का रेलवे स्टेशन है, जिसकी दूरी दार्जिलिंग से लगभग 88 किलोमीटर है।

सड़क मार्ग- बस से सफर कर रहे हैं तो दार्जिलिंग, मिरिक और कलिम्पोंग जाने के लिए आप तेनजिंग नोर्गे बस टर्मिनस, सिलीगुड़ी जा सकते हैं। दार्जिलिंग बस से जाने के लिए आपको सिलीगुड़ी पहुंचना होगा। सीट शेयरिंग बसों या जीप से लगभग तीन-चार घंटे में दार्जिलिंग पहुंचा जा सकता है।

दार्जिलिंग जाने का सबसे सही समय

दार्जिलिंग के खूबसूरत दृश्यों का आनंद उठाने के लिए सबसे अच्छा समय अप्रैल से जून महीने के बीच का होता है। जब देश के कई राज्यों में गर्मी होती है, तब दार्जिलिंग का तापमान 14 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है। ठंडे मौसम का लुत्फ उठाना हो तो नवंबर-दिसंबर के मध्य यहां आ सकते हैं।

दार्जिलिंग घूमने का खर्च

यहां आपको लो बजट से लेकर हाई बजट तक होटल मिल जाएंगे, जहां ठहरने का खर्च एक हजार से 5000 हजार या उससे अधिक आ सकता है। वहीं दार्जिलिंग के लिए दिल्ली से हवाई जहाज का टिकट 6-10 हजार रुपये में मिल जाएगा। ट्रेन का किराया भी डेढ़-दो हजार रुपये होता है। दार्जिलिंग में घूमने के लिए टैक्सी, बस या जीप बुक कर सकते हैं। स्थानीय टूर के लिए कुल किराया 10 हजार तक आ सकता है। तीन से चार दिन के सफर के लिए परिवहन, होटल और खानपान मिलाकर लगभग 15 हजार रुपये प्रति व्यक्ति खर्च हो सकता है।

कितने दिन का बनाए टूर

अगर आप दार्जिलिंग ट्रिप पर जाना चाहते हैं तो यहां कम से कम तीन दिन का टूर प्लान करें। दार्जिलिंग में घूमने लायक कई पर्यटन स्थल हैं। तीन दिनों में आप दार्जिलिंग के हिल स्टेशन और अन्य पर्यटन स्थलों को आसानी से घूम सकते हैं। दार्जिलिंग के लिए रेलवे के टूरिज्म विभाग की ओर से भी टूर पैकेज हैं, जिसमें 4-5 दिन का समय चाहिए।

दार्जिलिंग के पर्यटन स्थल

दार्जिलिंग में मिरिक, पशुपति घूमने की बेहतरीन जगह है जो कि नेपाल के सीमा स्थल पर है। यहां से टाइगर हिल, बतासिया लूप और यिगा चोलंग बौद्ध मठ देखने जा सकते हैं। इसके लिए जीप बुक कर सकते हैं। तीस्ता नदी में रिवर राफ्टिंग कर सकते हैं। हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान और प्राणी उद्यान, रोपवे, तेनजिंग रॉक, लेबोंग स्टेडियम पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होते हैं।

प्रेग्नेंसी में प्राइवेट पार्ट में खुजली से हैं परेशान?

कहते हैं कि प्रेग्नेंसी के नौ महीने दुनिया के सबसे खूबसूरत लम्हों में से एक होते हैं। हालांकि, महिलाओं को इन नौ महीनों में कई तरह की चुनौती का सामना भी करना पड़ता है। गर्भावस्था के दौरान महिलाएं कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलावों से गुजरती हैं। शुरुआती दिनों में उन्हें जी मिचलाना, थकावट, हार्टबर्न, कब्ज जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, इन तमाम परेशानियों के बीच प्रेग्नेंसी में एक और समस्या जिसका सामना कई महिलाएं करती हैं, वो है प्राइवेट पार्ट में खुजली होना। ऐसा होने पर समस्या अधिक बढ़ जाती है। इसी कड़ी में इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि प्रेग्नेंसी के दौरान प्राइवेट पार्ट में खुजली क्यों होती है, क्या यह समस्या सभी गर्भवती महिलाओं को होती है? साथ ही जानेंगे इससे राहत पाने के कुछ तरीके।

क्यों होती है प्राइवेट पार्ट में खुजली?

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो गर्भावस्था के दौरान योनि में जलन, खुजली के पीछे कई कारण हो सकते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

वेजाइनल डिस्चार्ज का बढ़ जानाः

प्रेग्नेंसी के दौरान कई बार वेजाइनल डिस्चार्ज बढ़ जाता है जिससे वल्वा की स्किन में जलन हो सकती है। समस्या ज्यादा बढ़ने पर यह इंफेक्शन का रूप भी ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप समय रहते इसे लेकर

डॉक्टर से बात जरूर करें।

यीस्ट इंफेक्शन

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलोजी इंफॉर्मेशन (NCBI) के अनुसार, लगभग हर 4 में से 3 महिलाओं को कभी ना कभी यीस्ट इंफेक्शन होता ही है। वहीं, प्रेग्नेंसी में यह संक्रमण होना आम बात है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गर्भावस्था के दौरान योनि में एस्ट्रोजन और ग्लाइकोजन की मात्रा बढ़ जाती है, इसी के चलते यीस्ट इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। वहीं, गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाओं को यीस्ट इंफेक्शन हो जाए, तब भी योनि में खुजली और जलन की समस्या बढ़ सकती है। महिलाओं की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होने पर ऐसे होने के चांस अधिक रहते हैं।

यूटीआई

यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इनफेक्शन, यह समस्या किसी भी महिला को हो सकती है। यूटीआई के लिए ई कोली बैक्टीरिया जिम्मेदार होते हैं, जिसके चलते महिलाओं को प्राइवेट पार्ट में तेज खुजली और जलन की समस्या से जूझना पड़ता है।

फंगल इंफेक्शन

प्रेग्नेंसी के दौरान वजाइना में खुजली होने का फंगल इंफेक्शन सबसे कॉमन कारण है। इससे पीड़ित महिला को योनि का ड्राई होना या हद से ज्यादा गीले पदार्थ का निकलना और बदबू आना जैसी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ सकता है। अगर किसी महिला को इस तरह की परेशानी होती है तो ऐसे में डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

क्या यह समस्या सभी गर्भवती महिलाओं को होती है?

अधिकतर गर्भवती महिलाओं को इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ महिलाएं इस परेशानी से दूर भी रहती हैं।

कैसे करें बचाव?

गर्भावस्था के दौरान योनि में जलन और खुजली की समस्या से बचने के लिए आप इसे ड्राई और क्लीन रखें।

आर्टिफिशल और हाई पीएच वाले प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करने से बचें।

प्रेग्नेंसी में ढीली सूती कपड़े की अंडरवियर पहनें और टाइट कपड़े पहनने से बचें।

पेशाब या मल त्याग करने के बाद एल्कोहल फ्री वेट वाइप्स से योनि को साफ करें।

पब्लिक टॉयलेट में जाने से बचें, इससे यूटीआई का खतरा बढ़ जाता है।

पसीने और डिस्चार्ज से बचने के लिए दिन में दो से तीन बार अंडरवियर बदलें।

खुजली को कम करने के लिए आप प्रभावित हिस्से की ठंडी सिकाई भी कर सकती हैं।

गर्मियों में पेट फूलने और गैस की हो सकती है दिक्कत, इन चीजों का कम कर दें सेवन

गर्मियों में पाचन से संबंधित समस्याओं का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। भोजन के रखरखाव में गड़बड़ी, बैक्टीरिया-वायरस से दूषित आहार का सेवन करने से फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा गर्मी के दिनों में निर्जलीकरण का भी जोखिम रहता है जिसके कारण भोजन के पाचन पर नकारात्मक असर हो सकता है। ये स्थितियां अपच-गैस और पेट फूलने जैसी दिक्कतें बढ़ा सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मी के दिनों में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। इन दिनों में ज्यादा तेल मसाले, तली हुई चीजों के सेवन से बचाव करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि आपको गर्मियों में किन चीजों से परहेज करना चाहिए जिससे पेट फूलने और गैस जैसी पाचन स्वास्थ्य की समस्याओं से बचाव किया जा सके?

पेट की समस्याओं का जोखिम

दिल्ली स्थित अस्पताल में गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ रिजवान खान बताते हैं, पेट में दर्द और सूजन का सबसे आम कारण आंतों में अत्यधिक गैस बनना है। अगर

आपको खाने के बाद अक्सर पेट फूला हुआ महसूस होता है, तो यह पाचन संबंधी समस्या का संकेत है।

कुछ प्रकार की अंतर्निहित बीमारियों के कारण इसका जोखिम देखा जाता रहा है। इसके अलावा आहार के चयन में गड़बड़ी और पाचन में कठिन चीजों का सेवन करने के कारण गैस और पेट फूलने की दिक्कत हो सकती है।

राजमा-बीन्स से बढ़ सकती हैं दिक्कतें

गर्मियों में राजमा, बीन्स, छोले जैसी पाचन में कठिन चीजों के अधिक सेवन से बचना चाहिए। इनका पाचन तो कठिन होता ही है साथ ही ये गैस पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ हैं। आमतौर पर दालें और बीन्स प्रोटीन से भरपूर होते हैं लेकिन इनका पाचन कठिन होने के कारण गैस बनने लगती है, जो पेट में सूजन का कारण बन सकती है। गर्मी के दिनों में ज्यादा तली-भुनी चीजों के सेवन से भी बचना चाहिए।

क्रूसिफेरस सब्जियां बढ़ा सकती हैं समस्या

ब्रोकली एक क्रूसिफेरस सब्जी है, जिसका गर्मी के दिनों में सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए। इसमें रैफिनोज नामक शर्करा होती है जिसे पचाना कठिन होता है। इससे गैस और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। रात में ब्रोकली खाने से अपच भी हो सकती है जिसके कारण रात की नींद के भी बाधित होने का खतरा रहता है।

लहसुन और प्याज के नुकसान

लहसुन को इसके कई पोषण गुणों और इससे मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के कारण सुपरफूड माना जाता है। हालांकि, लहसुन में फ्रुक्टेन नामक तत्व भी होते हैं जो पेट फूलने और गैस का कारण बन सकते हैं। इससे एसिड रिफ्लक्स का खतरा भी हो सकता है। इसी तरह से प्याज में भी फ्रुक्टेन की मात्रा होती है जो एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट है जो गैस और सूजन का कारण बन सकता है। अगर आपको पेट फूलने की समस्या है, तो रात के खाने में प्याज खाने से बचें।

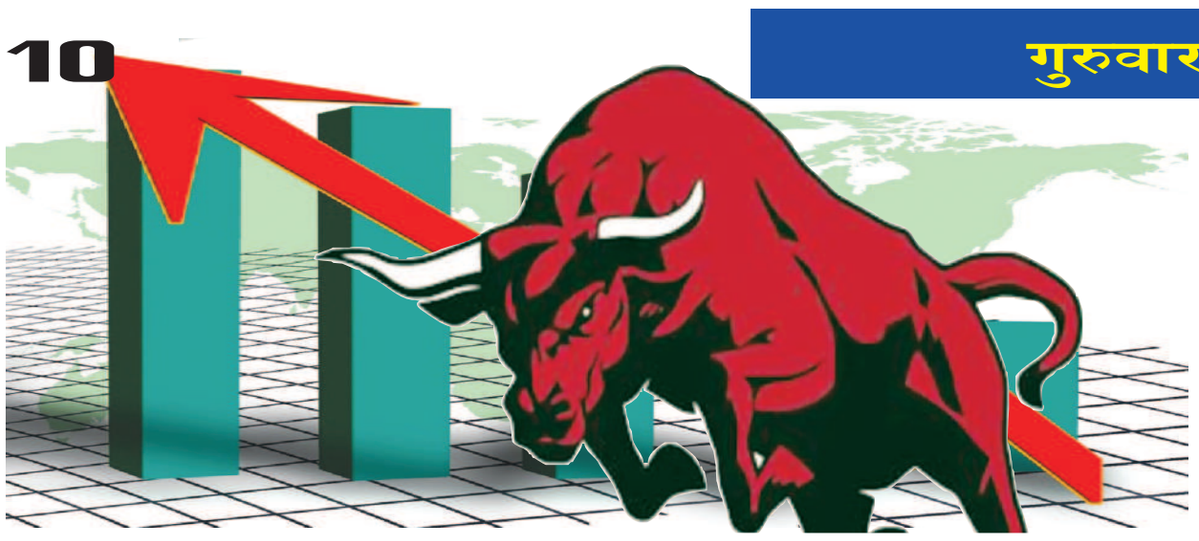

गूगल ने अपनी क्लाउड इकाई से 100 कर्मचारी हटाए, माइक्रोसॉफ्ट में भी जाएंगी नौकरियां

सैन फ्रांसिस्को, 5 जून (एजेंसियां)। अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल कंपनी अपनी क्लाउड इकाई की कई टीमों में से कम से कम 100 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल के आंतरिक पत्राचार में कहा गया है कि बिक्री, संचालन-इंजीनियरिंग, परामर्श और बाजार-रणनीति से जुड़ी कुछ अहम भूमिकाओं में चुनिंदा पदों में कटौती की गई है। गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं। यह रिपोर्ट अप्रैल में विभिन्न टीमों में हुई बड़ी छंटनी के बाद आई है।

लागत में कमी के उपाय जारी

दिग्गज गूगल कंपनी लागत में कमी के उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने अप्रैल में छंटनी का एक दौर अंजाम दिया, जिससे विभिन्न डिवीजनों में अनिर्दिष्ट संख्या में कर्मचारी प्रभावित हुए व लागत में कमी आई।

इसके अलावा, जनवरी में, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रौद्योगिकी व मीडिया क्षेत्रों में नौकरी में कटौती की व्यापक प्रवृत्ति के तहत कंपनी ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों की संख्या में कमी की। गूगल के क्लाउड डिवीजन में ताजा छंटनी कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है क्योंकि यह मौजूदा आर्थिक परिदृश्य को नेविगेट करती है।

माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में शुरू की छंटनी

माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में छंटनी शुरू कर दी है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स और मिशन इंजीनियरिंग समूहों में कटौती के साथ, कई टीमों की नौकरी में कटौती हुई है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स में छंटनी में 1,500 पदों तक शामिल होने की सूचना है। छंटनी के पीछे के विशिष्ट कारणों पर कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बताया है। पीड़ित कर्मचारी उस इकाई का हिस्सा हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग में माइक्रोसॉफ्ट के विस्तार का अभिन्न अंग रहे हैं।

32 करोड़ टन से ज्यादा होगा खाद्य उत्पादन

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। सरकार ने देश में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद जताई है। 11.29 करोड़ टन गेहूं पैदा हो सकता है। जबकि कुल खाद्यान्न 32 करोड़ टन से ज्यादा हो सकता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 के प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान में कहा, चावल उत्पादन इस दौरान 13.67 करोड़ टन रह सकता है।

जारी अनुमान के मुताबिक, मक्का का उत्पादन 3.57 करोड़ टन, श्री अन्न का 1.74 करोड़ टन, अरहर का 33.85 लाख टन और चना का 1.16 करोड़ टन उत्पादन हो सकता है। तिलहन 3.96 करोड़ टन, सोयाबीन 1.30 करोड़ टन, रेपसीड और सरसों का 1.31 करोड़ टन उत्पादन हो सकता है।

10 साल में दोगुने हुए हवाई अड्डे

> सरकार ने कहा-कई हवाई पट्टियों को करेंगे विकसित

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय एयर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के बड़ी संख्या में हवाई पट्टियों को विकसित करेगी। विभाग के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार सभी प्रमुख और छोटे हवाई अड्डों के नियमों को और व्यवस्थित करने की भी योजना बना रही है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते हुए नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। भारत में एयर ट्रैफिक में इजाफे के साथ ही अपने अपने हवाई जहाजों को भी बढ़ा रही है।

10 सालों में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 157 हुई

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने बताया कि पिछले 10 सालों में देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 157 हो गई है। अब ब्राउनफील्ड परियोजना के तहत और भी ज्यादा हवाई पट्टियों को विकसित किया जाएगा।

मंत्रालय ने 453 हवाई पट्टियों की लिस्ट की समीक्षा की है और उनमें लगभग 157 पट्टियां चालू हैं। इसके साथ ही डिफेंस के लिए कई डिफेंस हवाई क्षेत्रों को विकसित करने की दिशा में कोशिश की जा रही है।

कार्बन उत्सर्जन को कम करने की है कोशिश

सरकार एयरलाइंस और उसके विस्तार के लिए एक बेहतरीन ईको सिस्टम बनाएगी। सचिव ने बताया कि मंत्रालय इस दिशा में भा काम रहा है कि टैक्स की वजह से विमान के एमआरओ में कोई दिक्कत ना आए। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कोशिशों के बीच सरकार लगातार एविएशन फ्यूल का इस्तेमाल करने लिए भी प्रतिबद्ध है। विमान को पट्टे पर देने को लेकर केप टाउन कन्वेंशन के संबंध में बोलेत हुए सचिव ने कहा कि सरकार इसे कानून बनाने के लिए कागजी कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू यातायात 6-8 प्रतिशत बढ़कर 161-164 मिलियन और अंतरराष्ट्रीय यातायात 9-11 प्रतिशत बढ़कर 75-78 मिलियन होने का अनुमान है।

'टीयर 2-3 शहरों की एयर कनेक्टिविटी होगी बेहतर'

राजधानी दिल्ली में आयोजित सीएपीए इंडिया एविएशन समिट 2024 में संबोधित करते हुए सचिव वुमलुनमंग ने कहा कि मंत्रालय सभी प्रमुख और छोटे हवाई अड्डों के लिए नियम फिक्स करने पर विचार कर रही है।

ये सभी कदम टीयर 2 और टीयर 3 शहरों की एयर कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए किए जा रहे हैं। इंडिगो और एयर इंडिया ने बड़ी संख्या में विमान ऑर्डर किए हैं। जिनमें काफी बड़े विमान शामिल हैं।

सेंसेक्स 2,303 अंक चढ़ा, कल 4,389 अंक टूटा था

निफ्टी में भी 735 अंक की बढ़त, इंडसइंड बैंक के शेयर में 8% की तेजी

मुंबई, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद आज यानी 5 जून को सेंसेक्स 2,303 अंक (3.20%) की तेजी के साथ 74,382 के स्तर पर बंद हुआ। कल ये 4,389 अंक गिरा था। वहीं निफ्टी में 735 अंक (3.36%) की बढ़त रही। ये 22,620.35 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी रही। इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 7.75% चढ़ा। टाटा स्टील, एमएण्डएम, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 4% से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए। एलटी में मामूली गिरावट रही। आज के कारोबार में ऑटो, मेटल, एफएमसीजी और प्राइवेट बैंक के शेयर सबसे ज्यादा चढ़े हैं। निफ्टी मेटल इंडेक्स सबसे ज्यादा 5.75% चढा है। प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भी 5.13% की तेजी रही। वहीं ऑटो, एफएमसीजी इंडेक्स में 4% से ज्यादा की तेजी रही। कम बहुमत के बावजूद, उम्मीद की जा रही है कि कुछ बदलावों के साथ मोदी 2.0 का नीतिगत एजेंडा (निवेश-आधारित विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, आदि) जारी रहेगा। चुनाव के नतीजों वाले दिन कल यानी, 4 जून को सेंसेक्स 4389 अंक (5.74%) की गिरावट के साथ 72,079 के स्तर पर बंद हुआ था। इसलिए निवेशक बॉटम-फिशिंग कर रहे हैं। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस के शेयरों में खरीदारी से सेंसेक्स बढ़ा है। बाजार को बढ़ाने में एचडीएफसी बैंक का कॉन्ट्रिब्यूशन 455 पॉइंट का है। आईसीआईसीआई का 217 पॉइंट।

रेलवे, डिफेंस और पीएसयू शेयरों में गिरावट आ सकती है

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कहा- कम बहुमत के बावजूद, हम उम्मीद करते हैं कि कुछ बदलावों के साथ मोदी 2.0 का नीतिगत एजेंडा (निवेश-आधारित विकास, कैपेक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, आदि) जारी रहेगा।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 5 जून को मामूली गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 72 रुपए सस्ता होकर 71,897 रुपए पर आ गया है। वहीं चांदी की बात करें तो आज एक किलो चांदी 486 रुपए सस्ती होकर 88,351 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 4 जून को चांदी 88,837 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

इस साल सोने में अब तक 8 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,545 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,897 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 88,351 रुपए पर पहुंच गए हैं।

गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर नहीं रहे, 16 महीने बाद लौटी थी बादशाहत

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में चुनावी नतीजों वाले दिन सुनामी देखने को मिली थी. इस बीच जहां शेयर बाजार इन्वेस्टर्स के लाखों करोड़ रुपये झूब गए, तो वहीं दिग्गज भारतीय अरबपतियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा. गौतम अडानी से मुकेश अंबानी तक की दौलत में बड़ी गिरावट आई. हालांकि, सबसे ज्यादा नुकसान अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी को उठाना पड़ा और उन्हें दोहरा झटका लगा है. एक ओर जहां बाजार में गिरावट के चलते उनके 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा स्वाहा हो गए, तो वहीं नेटवर्थ घटने के कारण उनसे एशिया के सबसे अमीर इंसान का ताज भी छिन गया।

एक दिन में इतनी घट गई अडानी की दौलत

मंगलवार को जैसे-जैसे लोक सभा परिणाम आते जा रहे थे, शेयर बाजार गिरने का नया रिकॉर्ड बनाता जा रहा था. दोपहर 12 बजे के आस-पास तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 6000 अंक से ज्यादा फिसल गया था, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 1900 अंक से ज्यादा टूट गया था. हालांकि, मार्केट क्लोज होते-होते करीब सेंसेक्स में 2000 अंकों और नीफ्टी 50 में करीब 700 अंकों की रिकवरी देखने को मिली. शेयर बाजार में आई इस बड़ी गिरावट में अरबपति गौतम अडानी को बड़ा नुकसान हुआ है।

एयर इंडिया ने की 'फेयर लॉक' की शुरुआत

अब किराए में अचानक बदलाव से नहीं होगी दिक्कत

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए एक नई सर्विस की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से यात्रियों को अब किराए में अचानक होने वाले बदलाव से किसी तरह की कोई समस्या नहीं होगी। इस सुविधा का नाम 'फेयर लॉक' है। इससे यात्रियों को अपना ट्रैवल प्लान बनाने में ज्यादा आसानी रहेगी। दरअसल भारत की प्रमुख एयरलाइन, एयर इंडिया ने अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर टिकट बुकिंग प्रक्रिया में एक नया फीचर 'किराया लॉक' शामिल किया है। इससे यात्री अपनी पसंद की फ्लाइट का किराया कम शुल्क में 48 घंटे के लिए रोक सकते हैं, जिससे वह आराम से अपने ट्रैवल पोग्राम को अंतिम रूप दे सकते हैं। इस सुविधा के चलते अब यात्रियों को अपनी पसंदीदा फ्लाइट के किराए में अचानक होने वाले बदलाव या सीटों की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि ध्यान रखें कि यह सुविधा फ्लाइट की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले वाली फ्लाइट्स के लिए ही उपलब्ध है।

इस तरह लॉग करें किराया

किराया लॉक का इस्तेमाल करने के लिए एयर इंडिया के यात्रियों को बस अपनी पसंदीदा फ्लाइट चुननी होगी। इसके

बाद बुकिंग प्रक्रिया के दौरान किराया लॉक विकल्प को चुनना होगा। अब एक बार गैर-वापसी शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके बाद में, वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर 'बुकिंग प्रबंधित करें' विकल्प का चयन करके चुने हुए किराए पर अपनी बुकिंग की पुष्टि कर सकते हैं।

इस सुविधा का फायदा उठाने के लिए आपको कुछ पेमेंट करना होगा। यह किराया लॉक शुल्क अलग-अलग रूट के हिसाब से तय होता है और प्रति यात्री प्रति टिकट पर लागू होता है। हालांकि यह शुल्क गैर-वापसी योग्य है।

भारत से 'अंतिम उड़ान' भर सकती हैं विदेशी एयरलाइन कंपनियां

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कुछ साल पहले भारत की टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि भारत में टैक्स की दरें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। इसके बाद सरकार ने अपनी ईवी पॉलिसी में बदलाव करके टेस्ला के भारत आने का रास्ता साफ किया था। हालांकि कंपनी ने अब तक भारत में एंट्री नहीं की है। अप्रैल के अंत में मस्क के भारत आने का कार्यक्रम था लेकिन उन्होंने इसे टाल दिया था। इस बीच विदेशी एयरलाइन कंपनियों ने भी भारत की टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

उनका कहना है कि भारत का टैक्स सिस्टम बहुत जटिल है और अगर स्थिति नहीं सुधरी तो उन्हें भारत को हमेशा के लिए अलविदा कहना पड़ सकता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) ने चेतावनी दी है कि भारत में टैक्स सिस्टम की जटिलताएं ग्लोबल एयरलाइन्स को देश छोड़ने के लिए मजबूर कर सकती हैं। आईएटीए की स्थापना 1945 में कुछ एयरलाइन कंपनियों ने की थी। आज दुनियाभर की 300 से अधिक एयरलाइन कंपनियां इसकी मेंबर हैं। आईएटीए के डायरेक्टर जनरल विली वॉल्श ने कहा कि भारत में टैक्स से जुड़ी कई समस्याएं हैं। हमें चिंता है कि कि कुछ प्रस्ताव ऐसे हैं जिनके कारण विदेशी एयरलाइन कंपनियां भारत छोड़ सकती हैं। इनमें टैक्स नियमों की जटिलाएं, बहुत ज्यादा टैक्स और डबल टैक्सेशन का जोखिम है। ये ऐसे इश्यू हैं जिनसे विदेशी एयरलाइन कंपनियां बचना चाहती हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अक्टूबर में डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) कई विदेशी एयरलाइन कंपनियों के ऑफिसेज पर छापा मारा था। यह मामला टैक्स की चोरी से जुड़ा था।

जीएसटी चोरी : इसी साल डीजीसीआई ने थाई एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइन्स, लुफ्तहांसा और ब्रिटिश एयरवेज के भारतीय कर्मचारियों को समन भेजा था। इन एयरलाइन कंपनियों पर जीएसटी का भुगतान नहीं करने का आरोप था। एजेंसी के मुताबिक विदेशी एयरलाइन कंपनियों को भारत में एयरक्राफ्ट मेंटनेंस और रेंटल तथा क्रू की सैलरी पर जीएसटी देना होगा। ब्रिटिश एयरवेज के चीफ एग्जीक्यूटिव रहे वॉल्श ने कहा, जब मैं एयरलाइन सीईओ तो हमेशा भारत में टैक्स नियमों की चर्चा होती थी। यह दुनिया में सबसे ज्यादा जटिल है। हमारा मानना है कि दुनिया में एक टैक्स स्ट्रक्चर है जो अच्छा काम कर रहा है। अगर आप इसमें बदलाव करते हैं तो विदेशी एयरलाइन आपके यहां से जा सकती हैं।

डीजीसीए के 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक भारत के इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक में विदेशी एयरलाइन्स की हिस्सेदारी 56 फीसदी है जबकि भारतीय कंपनियों का हिस्सा 44 फीसदी है। विदेशी कंपनियों में सबसे ज्यादा 10 फीसदी हिस्सेदारी एमिरेट्स की है। इसके बाद सिंगापुर एयरलाइन्स, एतिहाद, कतर एयरवेज, लुफ्तहांसा और एयर अरेबिया का नंबर है। वॉल्श ने कहा कि अगर किसी एयरलाइन को किसी देश से पैसा मिलना बंद हो जाए तो वह वहां ऑपरेट क्यों करेगी? उन्होंने कहा कि भारत की टैक्स व्यवस्था हमेशा से जटिल रही है।

हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि आगे क्या होता है। देश में हाल में हुए लोकसभा चुनावों में एनडीए को बहुमत मिला है और कुछ दिन में अगली सरकार बनने की उम्मीद है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर के दौरान देश में इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक 1.73 करोड़ रहा। इस डिमांड को 78 विदेशी और छह घरेलू कंपनियों ने पूरा किया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	04-27 बजे
चंद्र-	वृष	में	मिथुन..	06-28 बजे
मंगल	मेष	में	कर्क...	08-40 बजे
बुध-	वृष	पें	सिंह...	10-52 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-00 बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला.....	15-03 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	17-14 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	19-27 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	21-34 बजे
			कुंभ....	23-24 बजे
			मीन...	01-03 बजे
			मेष.....	02-38 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. -18-44
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या 18-07 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , गुरुवार 06 June
नक्षत्र - रोहिणी 20-16 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - धृति 22- 08 तक उप
करण- चतुष्पाद 06-58 तक उप नाग
विशेष:- देवपितृ कार्ये अमावस्या श्री संत ज्ञानेश्वर ज.
व्रत -त्योहार - वटसावित्री पूजा श्री शनि ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:53 से 15:31 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05:44 - 07:20 शुभ	अमृत	18:44 - 20:10 शुभ
रोग	07:20 - 08:59 अशुभ	चंचल	20:10 - 21:31 शुभ
उत्पात	08:59 - 10:37 अशुभ	रोग	21:31 - 22:53 अशुभ
चंचल	10:37 - 12:15 शुभ	काल	22:53 - 24:15* अशुभ
लाभ	12:15 - 13:53 शुभ	लाभ	24:15 - 01:37 शुभ
अमृत	13:53 - 15:31 शुभ	उत्पात	01:37 - 02:59 अशुभ
काल	15:31 - 17:10 अशुभ	शुभ	02:59 - 04:20 शुभ
शुभ	17:10 - 18:44 शुभ	अमृत	04:20 - 05:44 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है । आपको शीघ्र ही एक नई नौकरी या एक नए कार्यालय में भूमिका मिल सकती है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योंकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवेदन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवेदन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विकास नहीं, जातीय समीकरण पर जनता ने वोट किया

रांची से नवनिर्वाचित सांसद ने कहा- झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात करने से हुआ नुकसान

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। रांची लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद संजय सेठ दूसरी बार चुनाव जीते हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को 1,20,512 वोटों से हराया। इस दौरान उन्होंने देश और झारखंड में बीजेपी के खराब प्रदर्शन से संबंधित सवालों के जवाब दिए। साथ ही बताया आने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी की क्या रणनीति होगी? कैसे जनता की नाराजगी को दूर करेंगे? बीजेपी के प्रदर्शन में गिरावट आई है। कई नेता चुनाव हार गए। मोदी की गारंटी। मोदी लगातार पांच साल बिना रुके, बिना थके देश की तस्वीर और तकदीर बदलने में जुटे रहें।

रांची से बांग्लादेशी लड़कियों का रेस्क्यू

बॉर्डर में लगे तार का बाड़ काट पहुंची भारत, देह व्यापार कराने की थी तैयारी, सरगना फरार

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। रांची पुलिस ने बरियातू के हिल व्यू रोड स्थित होटल बाली रिसोर्ट से चार लड़कियों का रेस्क्यू किया है। इनमें से तीन बांग्लादेश की रहने वाली हैं। तीनों लड़कियां बॉर्डर में लगे तार के बाड़ को रात के अंधेरे में काट कर भारत में प्रवेश की थी। सभी की उम्र 20 से 24 साल की है। इन लड़कियों पर देह व्यापार के लिए दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस ने रेस्क्यू की गई महिलाओं को जेल भेज दिया है।

बांग्लादेश से आई हैं छह लड़कियां

बांग्लादेशी लड़कियों के रांची में अवैध तरीके से रहने और देह व्यापार की तैयारी की सूचना के बाद पुलिस ने छापेमारी की। गिरफ्तार की गई बांग्लादेशी महिलाओं ने बताया कि इनके साथ तीन और लड़कियां बांग्लादेश से आयी थी जो रांची में ही मनीषा रॉय के साथ कहीं छिपी हुई है। गिरफ्तार लड़कियों से नाम पूछे जाने पर उन्होंने अपना फर्जी नाम पायल दास, अनिका दत्ता और खुशी बताया। ये तीनों नाम उनके भारत में आकर बनाए गए फर्जी आधार कार्ड वाले थे। जबकि उनका असली नाम निम्पी बरुआ उर्फ पायल दास, सरमीन अख्तर उर्फ अनिता दत्ता और निपा अख्तर उर्फ खुशी है।

तीन फरार लड़कियों की हो रही तलाश

पुलिस इनसे मिली जानकारी के आधार पर तीन अन्य बांग्लादेशी लड़कियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार की गई लड़कियों ने फरार लड़कियों के नाम भी बताए हैं।

उनके नाम प्रवीन, झुमा और हासी अख्तर है। सभी अपना नाम बदलकर भारत में रह रही हैं।

रांची पुलिस ने इनके पास से चार मोबाइल और एक फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है।

चुनाव हारने के बाद बिगड़ी कवासी लखमा की तबीयत

जगदलपुर, 5 जून (एजेंसियां)। बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और कोंटा विधानसभा से विधायक कवासी लखमा की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। बताया जा रहा है कि कल लोकसभा चुनाव हारने के बाद से वे बेचैन थे। रात में उन्हें उल्टियां हुईं। सुबह अचानक उनके सीने में दर्द उठा, जिसके बाद डॉक्टरों की टीम उनका इलाज करने पहुंचीं। फिलहाल स्थिति ठीक है। बताया जा रहा है कि उन्हें आराम करने कहा गया है। बता दें कि बीजेपी से महेश कश्यप ने कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा को 55245 वोटों से हराया है। बीजेपी से महेश कश्यप को 458398 वोट मिले, वहीं कवासी लखमा को 4 लाख 3 हजार 153 वोट मिले। बस्तर लोकसभा सीट से कुल 11 प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमाने उतरे थे। बस्तर लोकसभा सीट जीतने के बाद महेश कश्यप कहा कि कवासी लखमा ऐसे व्यक्ति हैं, जब झीरम में नेताओं की शहादत होती है, तो ये बाइक से भागकर आ जाते हैं।

झारखंड से 12 विधायकों में केवल चार को मिली जीत

भाजपा से सीता सोरेन और गीता कोरा को हार

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 क नतीजे आ चुके हैं। भाजपा नीत एनडीए बहुमत हासिल करने के बाद अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। मंगलवार को जारी रुझानों में इंडी गठबंधन भी बहुमत से दूर नहीं था। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में भाजपा ने आठ पर जीत हासिल की। वहीं राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को तीन सीटें ही मिलीं। झारखंड से कुल 12 विधायक लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे, जिनमें से केवल चार को ही जीत मिली। भाजपा की सीता सोरेन और गीता कोरा को हार का सामना करना पड़ा।

इंडी गठबंधन ने सात मौजूदा विधायकों को नामांकित किया था, जिनमें चार झामुमो से, दो कांग्रेस और एक सीपीएम के विधायक शामिल थे। भाजपा ने अपने तीन विधायक मैदान में उतारे थे। झामुमो के दो बागी विधायक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरे। मंगलवार को जारी रुझानों के अनुसार, झामुमो के दो विधायक जोबा माझी और नलिन सोरेन, भाजपा के दो विधायक डुलू महतो और मनीष जयसवाल ने लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की। झामुमो की मनोहरपुर विधायक जोबा माझी ने 1.68 लाख वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी भाजपा की गीता कोरा हराया। बता दें कि गीता कोरा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोरा की पत्नी है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह भाजपा में शामिल हो गई थीं। दुमका के शिकारीपाड़ी विधानसभा सीट पर सात बार के झामुमो विधायक नलिन सोरेन ने भाजपा की सीता सोरेन को 22,527 वोटों से हराया। सीता सोरेन झारखंड के जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी हैं। तीन बार की विधायक सीता सोरेन हाल ही में भाजपा में शामिल हुई थीं।

भाजपा के तरफ से धनबाद-बाघमारा विधायक दुलु महतो ने कांग्रेस की अनुपमा सिंह के खिलाफ 3.31 लाख वोटों से जीत हासिल की। हजारीबाग से भाजपा विधायक मनीष जयसवाल ने कांग्रेस के जेपी पटेल को 2.76 लाख वोटों से हराया। इसी के साथ चार विधायकों के संसद में पहुंचने के साथ 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा की कुल ताकत 80 से घटकर 76 हो जाएगी। हालांकि, जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय उपचुनाव जीत चुकी है. इसलिए अब सदन की कुल ताकत 77 हो जाएगी।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

पुलिस को मिली थी सूचना हथियार लेकर घूम रहा है युवक पुलिस ने ली तलाशी तो बरामद हुआ देशी कट्टा बरामद

हजारीबाग, 5 जून (एजेंसियां)। कटकमसांडी पुलिस ने कटकमसांडी थाना क्षेत्र के ग्राम आराभुसाई से देशी कट्टे के साथ मो गुलाम दस्तगीर उर्फ मो नेजाम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार मो दस्तगीर उर्फ नेजाम के पास से पुलिस ने एक देशी कट्टा (पिस्टल), चार जिंदा कारतूस,अंगुलियों में पहने वाला पंच फाइटर,दो मुड़ने वाला चाकू,एक ओपी का मोबाइल तथा ब्लू व काले रंग का बैग बरामद किया है। इधर गिरफ़्तार अभियुक्त के बावत डीएसपी मुख्यालय व थाना प्रभारी देवदत कुमार सिंह ने बताया कि 4 मई को पुलिस अधीक्षक हज़ारीबाग़ को सूचना मिली थी कि कटकमसांडी के आराभुसाई गांव निवासी मो गुलाम दस्तगीर उर्फ नेजाम देशी कट्टा के साथ घूम रहा है।उनके निर्देश पर सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कारवाई हेतु छापामारी टीम का गठन किया गया । छापामारी व सत्यापन के क्रम में शाम 07:20 बजे महुँगाई स्कूल के समीप एक व्यक्ति पुलिस गाडी को आता देखकर भागने लगा, जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। तलाशी के क्रम में उसके बाएं तरफ कमर में रखा एक लोडेड देशी कट्टा तथा पीठ में रखे बैग से तीन जिंदा गोली, दो मुड़ने वाला लोहे का चाकु, एक लोहे का फाईटर तथा मोबाईल बरामद किया गया। अभियुक्त ने अपने अपराध स्वीकारोकित बयान में बताया गया 8-9 वर्ष पूर्व उड़ीसा बड़बिल में गाड़ी चलाता था। रात में ट्रक चालको से लूटपाट की घटना होती थी। ड्राईवरी करने के दौरान ही उड़ीसा में एक उड़िया दोस्त के माध्यम से 4000/- में देशी कट्टा खरीदे थे, जिसे हमेशा अपने पास लेकर घुमता था।

सुरक्षाबल के जवानों को मिली सफलता

पांच लाख के इनामी समेत नौ नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर, 5 जून (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के मद्देड़ और फरसेगढ़ थाना की अलग-अलग कार्रवाई में पांच लाख रुपये के इनामी सहित नौ नक्सलियों को सुरक्षाबल के जवानों ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सलियों पर हत्या, लेवी वसूली, सड़क काटना और आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल होने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मद्देड़ थाना क्षेत्र के सोमनपल्ली व बन्देपारा मार्ग से 5 लाख के ईनामी मद्देड़ एरिया कमेटी एसीएम लच्छु पुनेम पिता स्व. पुनेम कोवा उम्र 35 निवासी स्कूलपारा कांवड़गांव। संगठन में वर्ष 1998 से सक्रिय है। मिलिशिया सदस्य रमेश कुड़ियम पिता वंगा कुड़ियम उम्र 28 निवासी स्कूलपारा सोमनपल्ली, संगठन में वसूली का काम व 2013 से सक्रिय।

छत्तीसगढ़ में एक से आगे क्यों नहीं बढ़ पाई कांग्रेस?

प्रत्याशी सिलेक्शन में आगे थी, मोदी मैजिक चला, इसलिए भूपेश भी हारे चुनाव

रायपुर, 5 जून (एजेंसियां)। भले ही देश में भारतीय जनता पार्टी की सीटें कम हो रही हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में पार्टी एक सीट बढ़ाने में कामयाब रही। 11 में से 10 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। दरअसल यह जीत भाजपा से ज्यादा मोदी के चेहरे की है। कोरबा एक मात्र ऐसी सीट है, जिसे कांग्रेस ने बरकरार रखा है। वर्तमान सांसद ज्योत्सना महंत ने बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय को हराकर यहां से जीत हासिल की।

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में कई जगह एकदम नए प्रत्याशी उतारे। बस्तर में महेश कश्यप पार्टी के ही लोगों के लिए नया नाम था। महासमुंद में साहू फैक्टर से किनारा करते हुए इस बार रूपकुमारी चौधरी को टिकट दिया। कांग्रेस से भाजपा में आए चिंतामणि महाराज को सरगुजा से उतारा। राधेश्याम राठिया को राजपरिवार की मेनका सिंह के खिलाफ उतारा। जाजंगीर में शिव डहरिया के खिलाफ कमलेश जांगड़े को उतारा गया।

ये ऐसे चेहरे हैं, जिन्होंने या तो कांग्रेस से भाजपा में आकर चुनाव लड़ा, जिसका मलाल भाजपा के लोगों को भी था, या तो एकदम नए थे। सभी को विश्वास था, तो सिर्फ इतना कि मोदी के चेहरे पर जीत जाएंगे। छत्तीसगढ़ में हुआ भी यही। छत्तीसगढ़ में मोदी फैक्टर चलने की बड़ी वजह यह है कि हाल ही में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। कांग्रेस सरकार का चेहरा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे। भूपेश सरकार में बड़े घोटालों और भ्रष्टाचार का आरोप लगा। इसमें महादेव ऐप घोटाला, ट्रांसफर उद्योग, कोल लेवी स्कैम, शराब घोटाला, पीएससी घोटाला और इस तरह के कई मामलों के आरोप लगते रहे। मोदी ने चुनावों में इसे जमकर इस्तेमाल किया।

विधानसभा में जिन कारणों से भाजपा ने चुनाव जीता, वही कारण लोकसभा के चुनाव में भी नेता दोहराते रहे। यह कांग्रेस के नेगेटिव पॉइंट थे, जिनका फायदा भाजपा ने उठाया। दूसरी तरफ सरकार आने के बाद महतारी वंदन योजना की चर्चा घर-घर में हो गई। भाजपा ने करीब 70 लाख महिलाओं को हर महीने 1000-1000 रुपए खातों में पहुंचाए। इसका बड़ा असर रहा।

मोदी ने अपनी हर सभा में इसे दोहराया। मोदी इस चुनाव में बस्तर गए। वहां कांकेर और बस्तर दोनों सीटें भाजपा ने जीती हैं। जांजगीर गए, जहां लोकसभा की आठों विधानसभा सीटें कांग्रेस के पास हैं, यहां भी भाजपा को जीत मिली।

संगठन की ताकत से मिली भाजपा को सफलता

पिछली राज्य सरकार से नाराज थे मतदाता

रायपुर, 5 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की 11 में से 10 सीटों पर भाजपा की एकतरफा बढ़त यह बताने के लिए काफी है कि पिछली राज्य सरकार से लोगों की नाराजगी अभी दूर नहीं हुई है। पिछड़े और आदिवासी बहुलता वाले राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल का भाजपा के संतोष पांडे से मात खाना राज्य की सियासी तस्वीर की पूरी कहानी खुद-ब-खुद बयां कर देता है। राज्य में संघ और उसके आनुषंगिक संगठनों ने दलितों और आदिवासियों के बीच लंबे समय से अपनी सक्रियता बनाए रखी है। भाजपा को संघ की इस मेहनत का फायदा किस तरह मिला इसे बस्तर के परिणामों से समझा जा सकता है। यहां भाजपा की ओर से उतरे महेश कश्यप विहिप के सक्रिय कार्यकर्ता जरूर हैं, लेकिन सियासत के लिहाज से अनजान चेहरे हैं। साफ है कि जनता का यह समर्थन प्रत्याशी के बजाय संगठन के प्रति है।

प्रदेश राजनीति में लौटेंगे या राज्यसभा के रास्ते केंद्र जाएंगे

खूंटी में हार के बाद क्या होगा केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में झारखंड में बड़ा उलटफेर हुआ। भाजपा को अपनी तीन सीटें गंवानी पड़ी तो कांग्रेस-झामुमो पांच सीटों पर कब्जा जमाने में सफल रही। राज्य की कुल 14 सीटों में से पिछली बार भाजपा ने 11 और उसकी सहयोगी पार्टी आजसू ने गिरिडीह सीट पर जीत हासिल की थी। वहीं झामुमो ने राजमहल और कांग्रेस ने चाईबासा सीट जीती थी। इस बार भाजपा को रांची, धनबाद, पलामू, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग, जमशेदपुर और गोड्डा सीट पर सफलता मिली तो आजसू फिर गिरिडीह सीट बचाने में सफल रहा।

एनडीए और इंडिया के लिए प्रतिष्ठा बनी खूंटी और दुमका भी भाजपा ने गंवा दी। यहां से अर्जुन मुंडा और हाल ही में झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हुई सीता सोरेन सीट नहीं बचा सकी। दो बार चुनाव जीतने वाली लोहरदगा संसदीय सीट भी भाजपा ने गंवा दी। पार्टी ने यहां से निवर्तमान सांसद सुदर्शन भगत को बदलकर समीर उरांव पर दांव खेला था। खूंटी लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा एक लाख से अधिक वोट से हार गए। इस चुनाव में भाजपा ने खूंटी में पूरी ताकत झोंक दी थी। कई योजनाओं की शुरुआत खूंटी से की। पीएम खुद उलिहातू पहुंचे और भगवान बिरसा मुंडा की धरती को नमन किया। राजनाथ सिंह सहित कई बड़े नेताओं ने प्रचार किया लेकिन इस प्रचार का लाभ पार्टी को नहीं मिला। इस हार के बाद केंद्रीय मंत्री रहे अर्जुन मुंडा का राजनीतिक भविष्य क्या होगा?

अगर अर्जुन मुंडा राज्य की राजनीति में लौटते हैं तो भाजपा में स्थानीय स्तर पर संगठन में कई बड़े बदलाव की संभावना है। अर्जुन मुंडा भाजपा के पुराने और मजबूत नेता है। इस वक्त पार्टी की कमान बाबूलाल मरांडी के हाथ में है। अगर राज्य की राजनीति में अर्जुन मुंडा की वापसी होती है तो विधानसभा चुनाव में पार्टी के पास बाबूलाल के साथ एक पुराना चेहरा भी होगा हालांकि इस हार से अर्जुन मुंडा का कद जरूर घटा है लेकिन राज्य की राजनीति में स्थिति अलग हो सकती है। अर्जुन मुंडा झारखंड की राजनीति में बड़ा चेहरा माने जाते हैं। वह मुख्यमंत्री भी रहे हैं। राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री थे। बाबूलाल मरांडी इस वक्त प्रदेश अध्यक्ष के पद पर है। अर्जुन मुंडा अगर राज्य की राजनीति में लौटते हैं तो विधानसभा में भाजपा किसके चेहरे पर चुनाव लड़ेगी इसे लेकर असमंजस की स्थिति हो सकती है। अर्जुन मुंडा, रघुवर दास और बाबूलाल मरांडी इस तीन खेमें में बंटे पार्टी के कई नेता अपनी लॉबी तलाशेंगे। अर्जुन मुंडा की वापसी के साथ ही भाजपा में गुटबाजी एक बार फिर तेज हो सकती है। बाबूलाल मरांडी अपने साथ जेवीएम के कई नेताओं को लेकर आये थे। प्रदेश भाजपा में यह चर्चा तेज रही है कि बाबूलाल अपने पुराने साथियों पर ज्यादा मेहरबान रहते हैं। अर्जुन मुंडा की राज्य में राजनीति में वापसी होती है तो ऐसा धड़ा जो बाबूलाल से नाराज है, अर्जुन मुंडा के साथ जा सकता है। केंद्र का रुख करने के बाद कई विधायक और भाजपा के नेता जो अर्जुन मुंडा के साथ थे, उनसे अलग होकर राज्य की राजनीति में अपना सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे थे। अर्जुन मुंडा की वापसी से वह दोबारा एक्टिव हो सकते हैं।

हाथी ने बच्चे को कुचलकर मार डाला

रायगढ़, 5 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मंगलवार की सुबह हाथी के हमले से एक बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार छाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कूकरीचोली निवासी लक्ष्मी नारायण डनसेना पिता अर्जुन डनसेना (16) का मंगलवार की सुबह अचानक हाथी से सामना हो गया। जिसके बाद हाथी में अपने भारी भरकम पैरों से उसे कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि वह किसी काम के सिलसिले में घर से निकला था और जब वह पुसलदा - बेहरामुडा के बीच रेलवे लाइन किनारे पहुंचा ही था, तभी हाथी से उसका सामना हो गया। हाथी के हमले से बच्चे की मौत होने की जानकारी आग की भांति आसपास क्षेत्रों में फैल गई, जिसके बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है।

झारखंड के 12 जिलों में हीटवेव का अलर्ट

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के उत्तर पश्चिमी और मध्य भागों में बुधवार को हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हीटवेव को लेकर पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार लोहरदगा,रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़ में को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं देवघर, धनबाद, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ तथा साहिबगंज में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने, मेघ गर्जन के साथ बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। पलामू का पारा 45 के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अगले 2 दिनों के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 6 जून को राज्य के उत्तर पश्चिमी जिले जिसमें पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार तथा लोहरदगा के साथ-साथ रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी तथा रामगढ़ जिले में हीटवेव से लोगों को परेशानी होगी। मौसम विभाग ने लोगों से हीटवेव से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने बीते 24 घंटे में सबसे अधिक पलामू का तापमान दर्ज किया है। यहां अधिकतम तापमान का आंकड़ा 45 डिग्री पार कर गया है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में यह भी कहा है कि फिलहाल इस तरह के मौसम से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है।

इसी को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी रांची और उसके आसपास की इलाके को लेकर मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक जा सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। ऐसे में 5 जून को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री, 6 जून को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है। 7 जून की बात करें तो अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहेगा।

झारखंड में बड़ा उलटफेर, सभी एसटी सीटें भाजपा ने गंवाई

3 सीटों का नुकसान तो आई .एन .डी .आई .ए का 5 पर कब्जा, सभी दल-बदलू को मिली शिकस्त

रांची, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में झारखंड में बड़ा उलटफेर हुआ। भाजपा को अपनी तीन सीटें दुमका, लोहरदगा और खूंटी गंवा दी है। इंडी गठबंधन पांच सीटों पर कब्जा जमाने में सफल रही। कांग्रेस 7 सीटों में से दो, जेएमएम 5 में तीन सीटों पर जीता। राजद और भाकपा माले को हार मिली।

इस बार भाजपा को रांची, धनबाद, पलामू, कोडरमा, चतरा, हजारीबाग, जमशेदपुर और गोड्डा सीट पर सफलता मिली तो आजसू फिर गिरिडीह सीट बचाने में सफल रहा। वहीं इस बार दुमका, राजमहल और सिंहभूम सीट झामुमो के खाते में गई तो लोहरदगा और खूंटी सीट कांग्रेस ने जीती। भाजपा को अनुसूचित जनजातियों (एसटी) ने अपनी सभी सीटों से बेदखल कर दिया। झारखंड में 5 एसटी सीटें हैं। 2019 चुनाव में भाजपा ने 3 और कांग्रेस-झामुमो ने 1-1 सीटें जीती थी। खूंटी, लोहरदगा और दुमका पर भाजपा, राजमहल पर झामुमो व सिंहभूम सीट पर कांग्रेस का कब्जा था। पार्टी ने एससी के लिए आरक्षित पलामू समेत सभी सामान्य सीटों पर कब्जा बरकरार रखा। पर सभी एसटी सीटें गंवा दी। वह भी तब, जब भाजपा इन सीटों को जीतने के लिए करीब नौ महीने पहले से जी-तोड़ मेहनत कर रही थी। भाजपा ने इस बार खूंटी, लोहरदगा व दुमका सीट को सुरक्षित मानते हुए सिंहभूम व राजमहल पर विशेष फोकस रखा था। राज्य की कुल 14 सीटों में से पिछली बार भाजपा ने 11 और उसकी सहयोगी पार्टी आजसू ने गिरिडीह सीट पर जीत हासिल की थी। वहीं झामुमो ने राजमहल और कांग्रेस ने चाईबासा सीट जीती थी। इसबार बीजेपी को अपनी तीन सीटों से हाथ धोना पड़ा है। खूंटी और दुमका भाजपा ने गंवा दी। यहां से अर्जुन मुंडा और हाल ही में झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हुई सीता सोरेन सीट नहीं बचा सकी। दो बार चुनाव जीतने वाली लोहरदगा संसदीय सीट भी भाजपा ने गंवा दी। पार्टी ने यहां से निवर्तमान सांसद सुदर्शन भगत को बदलकर समीर उरांव पर दांव खेला था। लेकिन कांग्रेस के सुखदेव भगत ने उन्हें बुरी तरह से हरा दिया। भाजपा ने हजारीबाग, चतरा, लोहरदगा, धनबाद, सिंहभूम और दुमका से नए चेहरों को उतारा।

अपने विधानसभा में तोखन साहू को बढ़त नहीं

लोरमी में डिप्टी सीएम भी नहीं दिला पाए लीड, 1996 से लगातार 8वीं बार जीत का रिकॉर्ड

बिलासपुर, 5 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने जाति समीकरण और पिछड़ा वर्ग के प्रत्याशी उतारने के बाद भी भाजपा के अभेदगढ़ बिलासपुर लोकसभा को जीतने में नाकाम रही। वहीं, भाजपा ने लगातार आठ बार जीत का रिकॉर्ड बनाया है। तोखन साहू सांसद चुने गए हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव को रिकार्ड 1 लाख 64 हजार 558 मतों से हराया है। इस चुनाव में खास बात ये रही कि लोरमी विधानसभा तोखन साहू को घर है और यहां से डिप्टी सीएम अरुण साव विधायक हैं। इसके बाद भी मोदी लहर में दोनों नेता अपने ही घर में लीड हासिल नहीं कर पाए। कांग्रेस इस सीट पर 1996 से हार का सामना कर रही है। छत्तीसगढ़ के हाइप्रोफाइल सीट पर इस बार कांग्रेस ने पहली बार जाति समीकरण के आधार पर भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया था, क्योंकि यहां भाजपा लगातार साहू समाज के प्रत्याशी उतार कर जीत हासिल करती रही है। साहू के बाद यहां यादव समाज के वोटर्स की संख्या अधिक है। ऐसे में कांग्रेस को जीत की उम्मीद नजर आ रही थी, लेकिन इस बार भी भाजपा प्रत्याशी तोखन साहू ने मोदी लहर में चुनाव जीत कर सांसद का पद हासिल कर लिया। भले ही बिलासपुर भाजपा का गढ़ रहा हो और 30 साल से यहां कांग्रेस प्रत्याशी को हार का सामना देखना पड़ा हो। इसके बावजूद सभी विपरीत परिस्थितयों में देवेंद्र यादव ने चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया। एक तरफ यादव समाज को एकजूट किया, तो दूसरी तरफ युवाओं ने भी देवेंद्र को हाथों-हाथ लिया। कम समय में देवेंद्र यादव ने चुनावी मैदान में डटकर मुकाबला किया। नतीजा भले ही हार मिला। लेकिन, इस चुनाव के बहाने बिलासपुर में पिछड़े वर्ग के नेता के रूप में अपना नाम स्थापित कर लिया है। कांग्रेस की आपसी गुटबाजी, विरोध और बाहरी नेता होने के आरोपों को नकारते हुए उन्होंने अपनी जमीन बनाने में कामयाबी हासिल की है। साथ ही इस चुनाव से प्रदेश में अपनी नई पहचान बना ली है। भाजपा के अभेद्य गढ़ को भेदने के लिए कांग्रेस हर लोकसभा चुनाव में चेहरा बदल-बदलकर प्रयोग करती रही है, लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस को सफलता नहीं मिली।

अवैध शरणार्थियों की एंट्री पर लगाम लगाएगा अमेरिका

बाइडेन सरकार ने दिया आदेश, रिपब्लिकन बोले– ट्रम्प की वजह से हो सका फैसला, यह हमारी जीत

न्यूयॉर्क, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में इसी साल 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इस बीच देश में शरणार्थी संकट एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। विपक्षी नेता डोनाल्ड ट्रम्प से लेकर दुनिया के सबसे रईस शख्स इलॉन मस्क तक अवैध प्रवासी मुद्दे को लेकर बाइडेन सरकार पर काफी हमलावर रहे हैं। जनता में भी अवैध शरणार्थी के मुद्दे को लेकर काफी नाराजगी है। इस बीच राष्ट्रपति बाइडेन ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अवैध प्रवासी संकट से जुड़े एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है। इससे बिना इजाजत के अमेरिका जाने वाले अवैध प्रवासियों के लिए शरण लेना आसान नहीं रह जाएगा।

इस आदेश में यह प्रावधान है कि यदि दक्षिणी सीमा पार कर अवैध रूप से देश में आने वाले शरणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है तो उनके आवेदन तत्काल खारिज किए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को अवैध प्रवासियों से जुड़े नए प्रस्ताव की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिका अपनी सीमाओं को

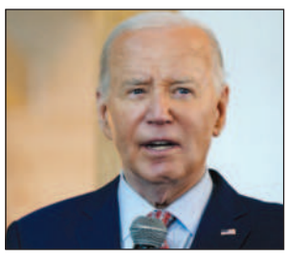

"सुरक्षित" रखने के लिए ये कदम उठा रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इसमें ये भी कहा है कि ये कार्रवाई तभी प्रभावी होगी जब अवैध रूप से दक्षिणी सीमा पार कर अमेरिका पहुंचे वाले लोगों की औसत संख्या 2500 को पार कर जाएगी। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ये नए नियम बुधवार सुबह से लागू हो गए हैं। ये नियम तब तक लागू रहेंगे जब तक कि औसत संख्या घटकर 1,500 से कम न हो जाए। नए नियम के तहत, लगातार 7 दिन तक अवैध शरणार्थिकों की संख्या यदि 1,500 से कम रही तो उसके दो सप्ताह बाद शरणार्थियों के लिए सीमा फिर से खुल जाएगी।

प्रस्ताव में कहा गया है कि अगर बाद में भी ये संख्या फिर से बढ़ती है तो प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। हालांकि इस प्रस्ताव में नाबालिग बच्चों और मानव तस्करी के शिकार लोगों को अपवाद में रखा गया है। रिपोर्ट में बताया गया है वर्तमान में अवैध रूप से सीमा पार कर अमेरिका में प्रवेश लेने वाले लोगों की संख्या औसतन 3,700 है।

दरअसल, जो बाइडेन और उनकी पार्टी की शरणार्थी मुद्दे पर ढुलमुल रवैया अपनाने के कारण काफी आलोचना होती रही है। कई जानकारों का मानना है कि अगर बाइडेन सरकार शरणार्थी मुद्दे पर कोई ठोस फैसला नहीं लेती तो उन्हें दूसरी बार जीत हासिल करने में काफी दिक्कतें हो सकती हैं। चुनाव से पहले हुए ज्यादातर सर्वे में डोनाल्ड ट्रम्प, जो बाइडेन पर भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। बाइडेन के पिछड़ने की एक बड़ी वजह शरणार्थी संकट भी है। आलोचकों का मानना है कि बाइडेन सरकार के इस नए प्रस्ताव में नाबालिग शरणार्थियों को अपवाद में रखे जाने से इनकी संख्या में भारी वृद्धि हो जाएगी। हालांकि राष्ट्रपति बाइडेन ने इस नए प्रस्ताव को मानवीय विचारों से प्रेरित बताया है। उन्होंने इस आदेश की घोषणा करते हुए कहा कि ये डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच कई सप्ताह की बातचीत का परिणाम है। कुछ रिपब्लिन सांसदों ने ये दावा किया कि ये उनकी जीत है और वो डोनाल्ड ट्रम्प थे जिन्होंने बाइडेन को ये फैसला लेने पर मजबूर कर दिया। इन आरोपों पर बाइडेन ने कहा कि ट्रम्प अवैध शरणार्थियों का मुद्दा कभी सुलझाना नहीं चाहते थे वे इस मुद्दे का इस्तेमाल सरकार पर हमला करने के लिए कर रहे थे।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों का संकट कई दशकों से एक जटिल और विवादास्पद मुद्दा रहा है। अमेरिकी सरकार की नीतियां इस मुद्दे को लेकर समय-समय पर बदलती रही हैं।

फिर एक बार अमेरिकी दूतावास पर निशाना

आधे घंटे तक चली गोलियां लेबनानी सैनिकों ने एक को पकड़ा

बेरूत, 5 जून (एजेंसियां)। लेबनान की राजधानी बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर हमले का प्रयास करने वाले बंदूकधारी को लेबनानी सैनिकों ने पकड़ लिया। इस घटना लेबनान में जारी तनाव के बीच घटी। दरअसल, पिछले एक महीने से सीमावर्ती क्षेत्रों में हिजबुल्ला आतंकी और इस्राइली सैनिकों के बीच झड़प जारी है। लेबनानी सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि सैनिकों ने एक हमलावर को गोली मार दी। उन्होंने हमलावर की पहचान सीरिया के नागरिक के तौर पर की है। गली लगने के बाद हमलावर को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, इस घटना के बाद हमलावर के हमले का उद्देश्य क्या था, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेबनानी मीडिया ने एक तस्वीर जारी की, जिसमें हमलावर खून से लथपथ हमलावर एक ने काली रंग की बनियान पहन रखी थी। उसके बनियान में इस्लामिक स्टेट लिखा हुआ था। लेबनानी मीडिया ने बताया कि अमेरिकी दूतावास के बाहर करीब आधे घंटे तक गोलीबारी हुई।

सऊदी ने पाकिस्तानी नर्सों को दिखाया बाहर का रास्ता

भड़का पाकिस्तानी पत्रकार, भारत की तारीफ कर अपनी सरकार को कोसा

रियाद, 5 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब और पाकिस्तान के रिश्ते बेहद अच्छे माने जाते हैं। लेकिन मार्च में पाकिस्तान की 92 नर्स को सऊदी अरब ने वापस भेज दिया। सऊदी प्रशासन ने अपनी जांच में पाया कि एक निजी भर्तीकर्ता ने कई नर्सों को एक ही सत्यापन रिपोर्ट दी थी। ऐसा नहीं है कि नर्सों की योग्यता में कमी थी। बल्कि नर्सें फर्जी ऑनलाइन वेरीफिकेशन स्कैम का शिकार हो गईं। सऊदी अधिकारियों ने उनकी नियमित ऑनलाइन स्क्रीनिंग के दौरान जालसाजी का खुलासा होने के बाद वापस लौटा दिया। पाकिस्तान में जिस संस्था ने यह धोखाधड़ी की थी उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इस घटना को लेकर पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा भड़क गए, जिन्होंने पाकिस्तानी सरकार को जमकर सुनाया।

कमर चीमा ने कहा कि पाकिस्तान सऊदी को अपना भाई कहता है और हम उनके साथ धोखाधड़ी करते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'थोड़े से पैसे बचाने के लिए हमने उन नर्स का जीवन बर्बाद कर दिया। अपनी इमेज खराब की और भविष्य के लिए अपने

दरवाजे बंद कर दिया। ये शॉर्टकट का नशा है। एक तरफ हम कह रहे हैं कि सऊदी हमारे भाई हैं, वो हमारी मदद करते हैं। हमारी सरकार भाग-भाग कर हालात सही कर रही है और हम उनके साथ फ्रॉड कर रहे हैं।' कमर चीमा ने आगे कहा भारतीय और पाकिस्तानी सऊदी में मिलकर काम कर रहे हैं। लेकिन मेडिकल की फील्ड में इनकी संख्या ज्यादा है। हमारे यहां डॉक्टरों की इज्जत ही नहीं है। अच्छी बात है कि नर्सों को धोखाधड़ी के मुकदमें में जेल नहीं भेजा गया। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय लोगों के पास हमसे ज्यादा अच्छे मौके हैं। क्योंकि वो ज्यादा पढ़ कर आते हैं, ज्यादा ईमानदार और ज्यादा विश्वसनीय हैं। वह किसी भी जॉब को करते हैं उसमें समय देते हैं। इसके अलावा न किसी पॉलिटिकल चीज में फंसते हैं। हमने अगर हरकतें नहीं सुधारी तो पाकिस्तान की जगह भारत ले लेगा। कमर चीमा ने आगे कहा, 'भारतीय लोग कोई भी ऐसा काम नहीं करते जिससे सऊदी का कानून टूटे। लेकिन पाकिस्तानी वहां राजनीतिक गतिविधियों में शामिल रहते हैं। हाल ही में सऊदी ने पाकिस्तानियों को पकड़ा है, जो इजरायल के खिलाफ नारे लगा रहे थे। यह काम आपका नहीं है, इजरायल के खिलाफ जो करना होगा पाकिस्तानी सरकार करेगी।'

रूस बोला- फ्रांस के सैन्य अफसरों पर हमला करेंगे

विदेश मंत्री ने कहा- वे यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने पहुंचे, इसलिए हमारी आर्मी के निशाने पर

मास्को, 5 जून (एजेंसियां)। रूस ने चेतावनी दी है कि अगर यूक्रेन में फ्रांसीसी सेना का कोई भी अफसर मौजूद रहेगा तो वह उस पर हमला जरूर करेगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया था कि उनके सैनिकों को फ्रांस ट्रेनिंग दे रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लावरोव ने कहा, मुझे लगता है कि फ्रांस के मिलिट्री इंस्ट्रक्टर यूक्रेन में हैं। यहां मौजूद हर सैन्य अधिकारी हमारी आर्मी के लिए एक टारगेट हैं।

दरअसल, यूक्रेन के टॉप कमांडर ने पिछले हफ्ते जानकारी दी थी कि यूक्रेन ने फ्रांस के साथ पेपरवर्क साइन किया है। इसके तहत फ्रांस के सैन्य प्रशिक्षक जल्द ही यूक्रेन के ट्रेनिंग सेंटर्स पहुंचेंगे। अफ्रीकी देश कॉन्गो के दौर पर गए रूसी विदेश मंत्री ने 15-16 जून को स्विट्जरलैंड में होने वाली यूक्रेनी पीस समिट पर भी बात की। उन्होंने कहा कि किसी भी चर्चा की शुरुआत तब हो सकती है, जब हम अभी की हकीकत को स्वीकार करेंगे। स्विटजरलैंड में होने वाली कॉन्फ्रेंस का कोई मतलब नहीं है। वह इस चर्चा के जरिए रूस विरोधी गुट को बचाना चाहते हैं, जो जल्द ही टूटने वाला है। दरअसल, 2 साल से ज्यादा समय से जारी इस जंग में रूस अब तक यूक्रेन की 18% जमीन पर कब्जा कर चुका है। दूसरी तरफ, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस के बयान पर प्रक्रिया देने से इनकार कर दिया।

चुनाव नतीजों पर वर्ल्ड लीडर्स का रिएक्शन

मेलोनी बोली-इटली और भारत की दोस्ती और मजबूत करेंगे, मुइज्जू ने कहा-साथ काम करने को उत्सुक हूं

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित हो गए हैं। भाजपा बहुमत हासिल नहीं कर पाई। चुनाव से पहले ही विदेश दौरों को स्वीकार करने वाले नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए दूसरी पार्टियों पर निर्भर हैं। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार पीएम बन सकते हैं। अगर वे एक बार फिर से पीएम बनते हैं तो वे जवाहरलाल नेहरू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे पीएम होंगे।

मोदी को दुनिया भर से बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए हैं।

मॉरीशस के भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ने दी बधाई

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनॉथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव में जीत पर बधाई दी है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र ऐसे ही विकास करता रहेगा। मॉरीशस-भारत के संबंध हमेशा अमर रहें।

चुनाव में ऐतिहासिक जीत के

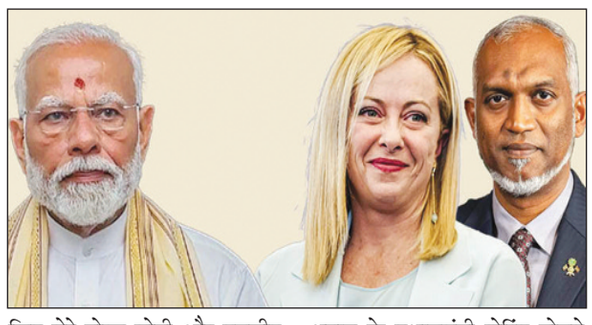

लिए मेरे दोस्त मोदी और एनडीए को शुभकामनाएं। वे भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। मैं दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने प्रधानमंत्री मोदी को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने पर बधाई दी। दहल ने एक पोस्ट कर लिखा कि एनडीए को दुनिया में सबसे बड़े चुनाव में तीसरी बार जीत के लिए बधाई। मोदी की जीत से भारत नई ऊंचाई छुएगा। हम उनके साथ मिलकर भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए को तीसरे कार्यकाल के लिए जीत पर बधाई दी है। मोदी की जीत से भारत नई ऊंचाई छुएगा। हम उनके साथ मिलकर भारत-भूटान के संबंधों को और ज्यादा मजबूत करेंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भाजपा और पीएम मोदी को शुभकामनाएं देते हुए कहा, "मैं भाजपा के गठबंधन एनडीए को चुनाव में जीत की बधाई देता हूं। भारत के सबसे करीबी पड़ोसी होने के नाते हम उनके साथ पार्टनरशिप और मजबूत करते रहेंगे।"

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार प्रोफेसर राजन कुमार के मुताबिक बहुमत नहीं मिलने की परिस्थिति में वर्ल्ड लीडर्स उस पार्टी या नेता को बधाई देते हैं जिसे सबसे ज्यादा वोट मिले हैं। भारत के केस में वर्ल्ड लीडर्स मोदी को बधाई दे सकते हैं। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि अगर राजनीतिक उठापटक की स्थिति बन रही हो तो बधाई देने से पहले सरकार बनने तक का इंतजार किया जाता है। जब कोई राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री पद की शपथ ले लेते हैं तभी बधाई दी जाती है।

नवंबर 2020 की बात है। जो बाइडेन अमेरिका के नए राष्ट्रपति बने थे। दुनियाभर के देशों के नेता उन्हें जीत की बधाई दे रहे थे। इसी वक्त रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें उस समय जीत की बधाई देने से मना कर दिया। पुतिन ने मीडिया को बताया था- 'ट्रम्प ने अपनी हार मानने से इनकार कर दिया है और कोर्ट में बाइडेन की जीत को चुनौती दी है।

गाजा पर इजरायली हमले तेज, 19 की जान गई

फिलीस्तीन को मान्यता देने वाले देशों में स्लोवेनिया भी शामिल

तेल अवीव, 5 जून (एजेंसियां)। मध्य और दक्षिणी गाजा में हवाई हमलों और गोलाबारी से मंगलवार को लगभग 19 लोगों की मौत हो गई है। करीब आठ महीनों से जारी लड़ाई को बंद करने की अंतरराष्ट्रीय अपील के बाद इजरायल ने हमले और तेज कर दिए हैं।

फिलिस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक अल- बुरीज और अल-मगाजी शरणार्थी शिविरों और मध्य गाजा के दीर-अल-बलाह शहर पर इजरायली हमलों में 17 लोग मारे गए। वहीं रफा में मानवीय मदद पहुंचा रहे 2 पुलिसकर्मी भी हमले में मारे गए।

स्लोवेनिया फिलीस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने वाला नया यूरोपीय देश बन गया है। इसके पहले स्पेन, आयरलैंड और नार्वे फिलीस्तीन को मान्यता दे चुके हैं। स्लोवेनिया के ऐसा करने का मकसद इस्राइल के युद्ध बंद करने के लिए दबाव बनाना है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के गाजा में हमला करने के बाद से इजरायल ने आक्रामक रुख अपना रखा है। मंगलवार को हमास ने बयान देते हुए कहा कि जब इजरायल स्पष्ट रूप से युद्ध विराम का वादा नहीं करता और अपनी सेनाओं को वापस नहीं ले जाता, तब लड़ाई नहीं रुकेगी। हमास का बयान तब आया है, जब कतर ने भी यहूदी देश से समझौता करने को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। अमेरिका और मिस्त्र के साथ ही कतर भी हमास और इजरायल के बीच मध्यस्था करने वाला देश है। पिछले हफ्ते, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने तीन चरणों का एक प्रस्ताव दिया था, जिसमें कहा गया था इजरायली सेना 6 हफ्ते के लिए आबादी वाली जगह से हट जाएगी साथ सैकड़ों फिलीस्तीनी कैदियों के बदले बंधकों को भी छोड़ा जाएगा।

हिजबुल्लाह बोला- इजराइल से सीधे युद्ध के लिए तैयार

उन्होंने लेबनान की सीमा लांघी तो तबाही मचा देंगे इजराइल ने कहा– जंग पर जल्द लेंगे फैसला

यरूशलम, 5 जून (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच लेबनान से ऑपरेट होने वाले संगठन हिजबुल्लाह इजराइल से सीधी जंग की तैयारी कर रहा है। अलजजीरा के मुताबिक, हिजबुल्लाह के डिप्टी चीफ शेख नईम कासिम ने मंगलवार (4 जून) को कहा कि लेबनान-इजराइल बॉर्डर पर दोनों के बीच दुश्मनी बढ़ती जा रही है। अगर इजराइली सेना लेबनान तक पहुंची तो हम उसकी सीमा के अंदर तबाही मचा देंगे।

हिजबुल्लाह लीडर कासिम ने इजराइल को धमकाते हुए कहा, अगर वे जंग चाहते हैं तो हम इसके लिए तैयार हैं। इसके जवाब में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह को चेतावनी देते हुए कहा वे उत्तरी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। लेबनान से लगी सीमा के पास किर्यत शमोना इलाके के दौरे पर इजराइली पीएम ने कहा

कि जो भी यह सोचता है कि वह इजराइल को नुकसान पहुंचाएगा और हम हाथ पर हाथ रखे बैठे रहेंगे, वह बड़ी गलती कर रहा है।

दरअसल, हिजबुल्लाह लगातार दो दिनों से इजराइल पर ड्रोन अटैक कर रहा है। बीबीसी के मुताबिक, सोमवार को हिजबुल्लाह ने इजराइली सीमा के अंदर किर्यत शमोना में ड्रोन से रॉकेट छोड़ा, जो जंगल में जा गिरा था। इसके कारण वहां आग लग गई थी, जिससे 11 लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। इसके बाद स्थानीय अधिकारी लोगों को अस्पताल ले गए। सोमवार (3 जून) को पहली बार उसने इजराइल पर हमले के लिए ड्रोन स्क्वॉड्रन भेजा। अलजजीरा के मुताबिक, ये हमला लेबनान की सीमा पर मौजूद नकौरा शहर में इजराइल के हमले के जवाब में किया गया था। इससे बचने के लिए इजराइली सेना ने कई शहरों में सायरन बजाए ताकि लोग सुरक्षित जगह पनाह ले सकें। इजराइली की डिफेंस फोर्स आईडीएफ के चीफ जनरल हर्जी हालेवी ने मंगलवार को कहा इजराइल जल्द ही इस बात पर फैसला करेगा कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ सीधी जंग लड़ेगा या नहीं। हालेवी ने कहा, हम पिछले 8 महीने से उन पर हमला कर रहे हैं। हिजबुल्लाह को इसके लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी है। लेकिन पिछले कुछ समय में वह मजबूत हो गया है। ऐसे में हमने भी अपने डिफेंस को मजबूत किया है। हम उस पर हमले के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसके बाद मंगलवार रात इजराइल के वॉर कैबिनेट की बैठक हुई। इस दौरान लेबनान से सटे बॉर्डर की रक्षा करने में नाकाम रही इजराइली सरकार की आलोचना की गई।

इजराइली शिक्षा मंत्री योआव किश ने मंगलवार को इजराइली आर्मी के रेडियो के एक कार्यक्रम में कहा कि हिजबुल्लाह को लिटानी नदी से खदेड़ना होगा, जो बॉर्डर से 19 किलोमीटर दूर है। वहीं इजराइली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने कहा कि जंग के बीच सेना हिजबुल्लाह को जवाब देने को तैयार है।

भारत से गिफ्ट मिले विमान उड़ा रहे मालदीव के सैनिक

रक्षा मंत्री ने कहा था, हमारे पास काबिल स्टाफ नहीं

माले, 5 जून (एजेंसियां)। मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी के बाद अब भारत से गिफ्ट मिले विमानों का वहां पर नियमित रूप से संचालन होने लगा है। मालदीव की मीडिया अधाधु की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय विमानों को उड़ाए जाने के दौरान मालदीव राष्ट्रीय सुरक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उन पर मौजूद रहता है।

अधाधु ने मालदीव के आधार पर ये जानकारी दी है। भारत ने मालदीव को 2 हेलिकॉप्टर और 1 डोर्नियर एयरक्रॉफ्ट गिफ्ट किए थे। अधाधु की रिपोर्ट के मुताबिक सप्ताह में कम से कम 2 दिन इन विमानों का इस्तेमाल किया जाता है। इस दौरान इनकी लगातार देख-रेख भी की जाती है। इससे पहले मालदीव के कुछ नेताओं ने इन विमानों के इस्तेमाल को लेकर चिंताएं जताई थीं। पिछले पहले मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून ने कहा था कि मालदीव की

सेना भारत से मिले विमानों को ऑपरेट करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा था कि एमएनडीएफ के पास ऐसा कोई भी शख्स नहीं है जो भारतीय विमानों को ऑपरेट कर सके। घासन मौमून ने भारतीय सैनिकों के मालदीव छोड़ने वाले सवाल का जवाब देते हुए कहा था, "भारतीय विमानों को चलाने में सक्षम पायलट मालदीव की सेना के पास नहीं है। कुछ सैनिकों ने पिछले समझौतों के तहत उन्हें उड़ाने की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी, लेकिन वे ट्रेनिंग के अलग- अलग चरणों को पार नहीं कर सके और ट्रेनिंग पूरी नहीं कर पाए। इसलिए, इस समय हमारी सेना में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसके पास दो हेलिकॉप्टर और डोर्नियर को उड़ाने के लिए लाइसेंस हो या वो पूरी तरह से ऑपरेट कर सके।"

मालदीव में क्यों थे भारतीय सैनिक?

मालदीव में करीब 88 भारतीय सैनिक थे। ये दो हेलिकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन संभालते थे। आमतौर पर इनका इस्तेमाल रेस्क्यू या सरकारी कामों में किया जाता है। मालदीव में इंडियन हेलिकॉप्टर और एयरक्राफ्ट मानवीय सहायता और मेडिकल इमरजेंसी में वहां के लोगों की मदद करते रहे थे। भारत ने मालदीव को 2010 और 2013 में दो हेलिकॉप्टर और 2020 में एक छोटा विमान तोहफे के तौर पर दिया था। इस पर मालदीव में काफी हंगामा हुआ। मुइज्जू के नेतृत्व में विपक्ष ने तत्कालीन राष्ट्रपति सोलिह पर 'इंडिया फर्स्ट' नीति अपनाने का आरोप लगाया था। पिछले साल मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने चुनावी कैंपेन में भारतीय सैनिकों को देश से निकालने का मुद्दा बनाया था। उन्होंने इसे इंडिया आउट कैंपेन नाम दिया था।

कंगाल पाकिस्तान का कर्ज हुआ दोगुना

जिन्ना के देश को चीन ने बुरा फंसाया, 124 बिलियन डॉलर कहां से लाएंगे शहबाज?

इस्लामाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पांच दिनों की चीन की यात्रा पर गए हैं। इस यात्रा के दौरान वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। यह यात्रा एक ऐसे समय में हो रही है जब पाकिस्तान चीन के साथ अपने संबंधों पर भरोसा कर रहा है। शहबाज शरीफ चीन के शीआन और शेनझेन का दौरा करेंगे। चीन के विकास के पोस्टर बॉय के तौर पर इन शहरों को जाना जाता है। शेनझेन को तत्कालीन नेता डेंग जियाओपिंग ने देश के पहले विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में चुना था। पाकिस्तान अपनी खराब अर्थव्यवस्था से बाहर निकलना चाहता है। पाकिस्तान को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से उम्मीद है। हालांकि पाकिस्तान के ऊपर कर्ज पिछले एक दशक में दोगुना हो गया है।

2015 में 62 अरब डॉलर के सीपीईसी को शुरू किया गया था, जिसे दोनों देशों की सरकारें और विश्लेषक एक गेम चेंजर के रूप में मानते हैं। इसमें एक प्रमुख बंदरगाह, पावर प्लांट और सड़क नेटवर्क का निर्माण शामिल है। हालांकि जितनी उम्मीद इस प्रोजेक्ट से जताई जा रही थी, एक दशक बाद अभी भी इसके भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सीपीईसी चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का महत्वपूर्ण अंग है। चीन इसे व्यापार बढ़ाने के लिए बना रहा है।

लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह चीन के जियोपॉलिटिकल प्रभाव को बढ़ाने और पाकिस्तान जैसे गरीब देशों को कर्ज के जाल में फंसाने के लिए है।

पाकिस्तान के प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता को एफआईए ने पकड़ा

इस्लामाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सर्वोच्च जांच एजेंसी ने पाकिस्तान के प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता सरीम बर्नी को गिरफ्तार कर लिया है। बर्नी की गिरफ्तारी अमेरिकी सरकार की शिकायत के आधार पर की गई है। उस पर मानव तस्करी के आरोप हैं। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की मानव तस्करी विरोधी टीम ने बर्नी को अमेरिका से कराची हवाईअड्डे पर लैंड करते ही गिरफ्तार कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बर्नी पर आरोप है कि उसने 25 से अधिक बच्चों की तस्करी करके अमेरिका भेजे हैं और अवैध रूप से बच्चों को वहां गोद दिलवाया है। गिरफ्तारी के कुछ समय पहले से एफआईए बर्नी की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। बर्नी वेलफेयर ट्रस्ट इंटरनेशनल चलाता है। यह एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट है। ट्रस्ट की वेबसाइट के अनुसार, वे उत्पीड़ित और कम सुविधा प्राप्त आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ट्रस्ट बाल शोषण, उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, मानवाधिकारों के उल्लंघन, श्रमिक मुआवजा अधिकारों सहित अन्य गंभीर अपराधों के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान करता है।

एयर होस्टेस ने खोला एयरलाइन इंडस्ट्री का 'काला सच'

6 साल बाद नौकरी छोड़ने की बताई वजह

वॉशिंगटन, 5 जून (एजेंसियां)। एयरलाइन इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है जिसके बारे में हम बेहद कम जानते हैं। इससे जुड़े कई ऐसे सीक्रेट हैं, जो सिर्फ इसमें काम करने वालों को पता होता है। फ्लाइट इंडस्ट्री के लोगों का काम बेहद मुश्किल होता है। एक पूर्व एयर होस्टेस ने अपने काम से जुड़ी चीजों का खुलासा किया है। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर कैट कमलानी ने हाल ही में अपने काम से छह साल बाद इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने काम को छोड़ने का कारण भी बताया है। यूटा की रहने वाली कमलानी ने एयर होस्टेस होने की वास्तविकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस काम से जुड़ी ग्लैमेरस छवि को खारिज कर दिया। एक टिकटॉक वीडियो में उन्होंने अपने काम के दौरान का अनुभव बताया। वह कहती हैं कि अपने काम से उन्होंने हर एक सेकंड नफरत की है। कमलानी 33 साल की हैं और दो बच्चों की मां हैं। उन्होंने इस इंडस्ट्री में कठोर प्रशिक्षण, यात्रियों की डिमांड और पदानुक्रमित संरचना की आलोचना की। उनके वीडियो पर एयरलाइन इंडस्ट्री से जुड़े कई अन्य लोगों ने प्रतिक्रिया देते हुए अपने करियर में समान अनुभवों और चुनौतियों को दोहराया। एक वायरल वीडियो में कमलानी अपनी कार में बैठी हैं और फ्लाइट अटेंडेंट के रूप में छह साल बाद एक बड़ी एयरलाइन कंपनी से इस्तीफा देने के अपने कारण बताती हैं।

उन्होंने कहा कि यहां सबकुछ सिनियोरिटी पर निर्भर करता है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक कैट ने कहा, 'आपसे अगर कोई पहले जॉइन हुआ है तो वह यह तय करता है कि आप कौन से विमान उड़ाएंगे, किन छुट्टियों में उड़ान भरेंगे, क्या आपको वीकेंड की छुट्टी मिलेगी या नहीं।' कैट कमलानी ने एयर होस्टेस बनने के लिए अपने करियर में कठिन प्रशिक्षण व्यवस्था की चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम भजनलाल का बड़ा ऐलान

रियायती दर पर मिलेगी आपको ये सुविधा

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में पौधारोपण महाभियान की शुरू करने बीड़ा उठाया है। इस अभियान के तहत राज्यभर में 7 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। जिसमें से 3 करोड़ सरकारी भूमि, गोचर भूमि पर लगाए जाएंगे तो वहीं बाकी 4 करोड़ पौधे में से 3 करोड़ लोगों में रियायती दर पर बांटे जाएंगे। जिससे राज्य में पौधारोपण योजना बढ़ाने में मदद मिलेगी।

'भारतीय संस्कृति में पर्यावरण बचाने का संदेश'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'यह दिन पर्यावरण बचाने के संकल्प लेने को प्रेरित करता है। धरती माता ही एक मात्र आश्रय है। यह इस दिवस की थीम से पता चलता है। इसलिए हमें कर्तव्य का भी बोध होना चाहिए। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण बचाने का संदेश दिया

गया है।'

उन्होंने कहा कि 'गोवर्धन की परिक्रमा पर्वतों को सम्मान देने की ओर इशारा करता है। हम नदी, पर्वत, पेड़ की पूजा करते हुए उसे संजोने का प्रयास करते हैं। राजस्थान का लोक पर्यावरण बचाने का संदेश देता है। हम नदियों को मां मानते हैं। राजस्थान वह धरा है, जहां पर्यावरण के लिए लोगों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। मां अमृता देवी ने अपने परिजनों के साथ आहुति दी, यह कितना बड़ा बलिदान है। वह राजस्थान की थी। यह मिसाल दुनिया में कहीं नहीं मिलेगी, भारत में ही मिलेगी।'

'इस साल 1 लाख वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाए जाएंगे'

मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे कहा कि 'हम 20-21 पर AC भी चलाते हैं और कंबल भी ओढ़ते हैं। इससे पर्यावरण का भारी नुकसान होता है। हम चादर न ओढ़ें, 25 पर एसी चलाएं तो पर्यावरण को कम नुकसान होगा। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, समन्वय स्थापित करें। पानी अमूल्य संसाधन है।

इसे बचाना हमारे सरकार की जिम्मेदारी है। हम इसके लिए कई प्रयास किए हैं। इस वर्ष 3500 करोड़ की राशि से 1 लाख से अधिक वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाए जाएंगे।'

'फोरकास्टिंग सिस्टम शुरू किए जाएंगे'

सीएम ने कहा कि 'प्रधानमंत्री ने स्वच्छता का महाभियान चलाया। इससे बड़ा परिवर्तन हुआ है। गीले और सूखे कचरे का अलग पात्र घर घर में है। आज आप गलती करेंगे तो एक छोटा बच्चा भी आपको टोक देगा। एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग तंत्र को दुरुस्त करने के लिए मंडल ने प्रयास किए हैं। खाली पदों को भरने का प्रयास किया है। जयपुर के लिए शुरू किए गए फोरकास्टिंग सिस्टम को और शहरों में शुरू किया जाएगा, इसकी उम्मीद है। 28 हजार 500 मेगावाट के अक्षय ऊर्जा के लिए केंद्र से एमओयू किया है। हम राज्य के शहरों के लिए 500 इलेक्ट्रिक बस उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे प्रदूषण नहीं हो।

शिक्षा विभाग का नया फरमान

अब 5वीं व 8वीं कक्षा में कम अंक आने पर होगी संस्था प्रधान पर कार्रवाई

जैसलमेर, 5 जून (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से दसवीं व बारहवीं कक्षा में परिणाम कम होने पर शिक्षकों व संस्था प्रधान के खिलाफ कार्रवाई की तर्ज पर अब पांचवीं व आठवीं कक्षा के परिणाम के आधार पर भी संस्था प्रधानों का समान करने के साथ-साथ कम परिणाम पर गाज गिरने वाली हैं। इसके तहत कक्षा आठवीं व पांचवीं के परीक्षा परिणाम में 90 प्रतिशत या अधिक विद्यार्थियों के 'ए' ग्रेड प्राप्त करने वाले संस्था प्रधानों को शिक्षा विभाग की ओर से प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। वहीं 50 प्रतिशत या अधिक विद्यार्थियों के ग्रेड 'ई' आने पर संबंधित संस्था प्रधान के विरुद्ध सीसीए नियम-17 के तहत कार्रवाई भी की जाएगी। इस दौरान यदि किसी स्कूल में एक कक्षा का परिणाम श्रेष्ठ रहता है और दूसरी कक्षा में परिणाम न्यून रहने पर 17 सीसीए के तहत नोटिस दिया जा रहा है, तो उस अच्छे परिणाम वाली कक्षा के लिए भी प्रमाण पत्र

नहीं दिया जाएगा।

ऐसे समझे पास-फेल का गणित

प्रारंभिक शिक्षा के तहत कक्षा पांचवी व आठवीं में किए जाने वाले ग्रेडिंग सिस्टम में पांच तरह की ग्रेड तय है। इन पांच ग्रेडिंग को प्राप्त करने के लिए अंक भी निर्धारित किए हुए हैं। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार भले ही कक्षा आठवीं बोर्ड में किसी विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण घोषित नहीं किया जाता है, परन्तु विद्यार्थी के 33 प्रतिशत से कम अंक रहने वाले विषय में 'ई' ग्रेड दी जाएगी। इसका मतलब होगा कि इस विषय की पूरक परीक्षा देनी होगी। यानि ए-बी-सी-डी ग्रेड मिली तो आठवीं पास और अगली कक्षा 9 में क्रमोन्नत होना माना जाएगा। जबकि 'ई' ग्रेड आने का मतलब सप्लीमेंट्री होगा और उस विद्यार्थी को संबंधित विषय की पूरक परीक्षा देनी होगी।

शिक्षकों को भी मिलेगा मान

कक्षा आठवीं व पांचवीं में किसी विषय के परीक्षा परिणाम में 95 प्रतिशत या उससे अधिक विद्यार्थियों के ग्रेड 'ए' प्राप्त करने पर संबंधित विषय के शिक्षक को भी प्रमाण पत्र दिया जाएगा। वहीं 40 प्रतिशत या अधिक विद्यार्थियों के ग्रेड 'डी' या इससे नीचे का ग्रेड आने पर उस विषय के शिक्षक के खिलाफ नियम 17 सीसीए के तहत कार्रवाई भी की जाएगी।

श्रेष्ठ परिणाम दिए जाएंगे प्रमाण पत्र

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, भोपालगढ़ अलपुराम टाक ने कहा, संस्था प्रधानों व शिक्षकों को पांचवीं व आठवीं बोर्ड में श्रेष्ठ परिणाम पर जिला शिक्षा अधिकारी व संयुक्त निदेशक की ओर से प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। वहीं परीक्षा परिणाम न्यूनतम रहने पर इन्हें नोटिस भी जारी किए जाएंगे।

वसुंधरा की पकड़ अब भी बरकार

बेटे को नहीं जितवा पाए गहलोत

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। लेकिन, कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए भाजपा को जीत की हैट्रिक नहीं लगाने दी। कांग्रेस एलायंस जहां 11 सीटें जीतने में कामयाब रहा, तो भाजपा के खाते में 14 सीटें ही आईं। भाजपा को सबसे बड़ा झटका मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के इलाकों में लगा जहां कांग्रेस ने शानदार जीत दर्ज कर ये सीटें अपने नाम कर ली। भरतपुर जहां सीएम शर्मा का गृह जिला है, तो किरोड़ी लाल दौसा जिले से आते हैं। इन दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है।

चुनाव परिणाम आने से पहले किरोड़ी लाल ने कहा था कि पीएम मोदी ने उन्हें प्रदेश की सात सीटों की जिम्मेदारी दी है। अगर पार्टी इनमें से एक भी सीट जार जाती है तो वह इस्तीफा दे देंगे। इन सात सीटों में दौसा भी शामिल थी। चुनाव के नतीजे आने के बाद एक्स पर किए पोस्ट में किरोड़ी ने इस बात के संकेत दे दिए थे कि वह कैबिनेट से इस्तीफा देंगे।

वहीं, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा था कि जहां तक मैं किरोड़ी लाल को जानता हूं, वह जो एक बार बोल देते हैं, उसपर वह कायम रहते हैं।

राजस्थान लोकसभा चुनाव परिणाम देखें तो भाजपा के कई नेताओं की पकड़ अभी भी लोगों पर बनी हुई है, तो वहीं कांग्रेस के कुछ दिग्गज नेताओं के लिए प्रदेश की लोकसभा सीटों का परिणाम अच्छा नहीं रहा। इनमें पूर्व सीएम अशोक गहलोत शामिल हैं। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का जादू अभी भी बरकरार है। राजे के बेटे दुष्यंत सिंह झालावाड़-बारां सीट से जीत दर्ज करने में कामयाब रहे, वहीं गहलोत अपने बेटे वैभव गहलोत को जालोर-सिरोही सीट से जीत नहीं दिलवा पाए। पूर्व सीएम गहलोत ने वैभव की जीत सुनिश्चित करने के लिए ऐडी चोटी का जोर लगाया था, लेकिन उनका जादू नहीं चल पाया।

झुंझुनू किडनी कांड : चर्चित किडनी कांड का फरार आरोपी डॉक्टर पुलिस के हत्थे चढ़ा

राज्य से बाहर भागने की फिराक में

झुंझुनू, 5 जून (एजेंसियां)। शहर के धनखड़ हॉस्पिटल में हाल ही में किडनी के इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया था। मामला दर्ज होने के बाद फरार हुए डॉक्टर को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। झुंझुनू जिला पुलिस अधीक्षक ने जानकरी देते हुए बताया झुंझुनू जिला पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि मेडिकल कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर गवाहों के बयान और घटनास्थल का निरीक्षण करके जो बात सामने आई है, उसके आधार पर कुछ नई धाराएं भी मामले में जोड़ी गई हैं।

पुलिस के अनुसार डॉ. संजय धनखड़ गुजरात की तरफ फरार होने की फिराक में था। पुलिस हिरासत में लेने के बाद धनखड़ से और भी पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि जो किडनी गायब हुई है, उसका बायो मेडिकल वेस्ट हुआ है या नहीं हुआ है, इसके बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

ज्ञात रहे कि धनखड़ हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान संक्रमित किडनी के स्थान पर डॉक्टर संजय धनखड़ द्वारा सही किडनी को निकालने की लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया था। इसके बाद उनके अस्पताल को सीज कर दिया गया और पुलिस ने मामला दर्ज कर अब उनकी गिरफ्तारी की गई है।

रविंद्र सिंह भाटी का दोस्त ने छोड़ा साथ तो हार गए चुनाव! जानें कैसे आई दोस्ती में दरार

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की बहुचर्चित सीट बाड़मेर-जैसलमेर से निर्दलीय उम्मीदवार रविंद्र सिंह भाटी की हार हो चुकी है। कांग्रेस उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल ने भाजपा के कैलाश चौधरी व निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह को पटखनी दी है। रविंद्र सिंह की हार के बाद लगातार उनके दोस्त अशोक गोदारा को लेकर चर्चा जोरों पर है।

लोगों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के दौरान अशोक गोदारा ने उनका साथ दिया तो भाटी चुनाव जीत गए। जबकि इस बार अशोक गोदारा ने भाटी का साथ छोड़कर उनके प्रतिद्वंदी कैलाश चौधरी के प्रचार में जुटे रहे। हालांकि केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी भी चुनाव नहीं जीत सके।

कांटे की रही टक्कर

बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रविंद्र सिंह भाटी के चुनावी मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय

हो गया था। इस चुनाव में भाटी के खास दोस्त अशोक गोदारा बाड़मेर-जैसलमेर से भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे रहे।

दोस्त ने प्रतिद्वंदी का दिया साथ

रविंद्र सिंह भाटी और अशोक गोदारा के बीच आई दरार को लेकर जब गोदारा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जब पति-पत्नी की अलग पार्टी हो सकती है तो दोनों की क्यों नहीं, बस विचारधारा की बात है। मेरे एक भाई कांग्रेसी तो मैं खुद भाजपा से हूं और एक भाई (रविंद्र सिंह) निर्दलीय है।

पहले सोना अब लोहा कैसे...?

गोदारा ने कहा कि मेरा उनसे कोई मनमुटाव नहीं है। मैंने कौनसी उनसे विधायकी मांग ली। वो विधायक हैं और विधायक रहेंगे। हमारी को संपत्ति को लेकर लड़ाई नहीं है। बाकी छोटी-मोटी बातें होती रहती है। घर में बर्तन बजते रहते है। अशोक गोदारा जब तुम्हारे साथ को सोना था फिर आज कैसे लोहा हो गया?

अशोक गोदारा ने बताया कि उनकी लास्ट बात भाजपा में ज्वॉइनिंग से पहले हुई थी। उसके बाद वे (रविंद्र सिंह) चुनाव में व्यस्त हैं तो मैंने बात करना मुनासिब नहीं समझा। उन्होंने कहा कि वे एक बार बुलाए तो सही... गोदारा अंतिम समय तक खड़ा रहेगा।

राज्य के तीनों केंद्रीय मंत्री जीते

लेकिन कई दिग्गजों के क्षेत्र में मिली हार

जयपुर, 5 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद कांग्रेस में जहां उत्साह का माहौल है, वहीं बीजेपी में निराशा के साथ चिंता भी गहराती नजर आ रही है। प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है।

लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद अब राजस्थान में बीजेपी के लिए मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। भजनलाल सरकार के कई मंत्रियों के चुनाव क्षेत्रों में भाजपा को जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा है। वहीं बीजेपी के जो दिग्गज यहां चुनाव जीते हैं, उनकी जीत का मार्जिन भी बहुत कम रह गया।

भजनलाल सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा, गजेंद्रसिंह खींवसर, सुमित गोदारा, जवाहरसिंह बेढम और केके विश्नोई के विधानसभा क्षेत्रों में भी बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा। यूं तो सीएम भजनलाल के गृह जिले भरतपुर में बीजेपी हार गई, लेकिन उनके निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर से बीजेपी को लीड मिल गई। इनके अलावा डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा की विधानसभा सीट पर भी बीजेपी को बढ़त मिली।

दूसरी तरफ केंद्र में अहम पदों पर रहे ओम बिड़ला, गजेंद्रसिंह शेखावत और अर्जुनराम मेघवाल की जीत का अंतर पिछले चुनावों के मुकाबले बहुत घट गया। ओम बिरला जहां 2019 में 2 लाख 79 हजार 667 वोट के मार्जिन से जीते थे, इस बार उन्हें मात्र 41 हजार 974 वोट से जीत मिली। इधर केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत 2019 में 2 लाख 74 हजार 440 वोटों के अंतर से जीते थे लेकिन इस बार 1 लाख 15 हजार 667 वोटों के मार्जिन से जीत हुई। यानी मार्जिन करीब आधे से भी कम रह गया। बीकानेर से अर्जुनराम मेघवाल 2019 में 2 लाख 64 हजार 081 वोट से जीते थे लेकिन इस बार 55 हजार 711 वोटों के मार्जिन में ही संतोष करना पड़ा।

अलवर में 25 वर्षों से बनता आ रहा सत्तारूढ़ पार्टी का सांसद

अलवर, 5 जून (एजेंसियां)। अलवर में 25 वर्षों से अलवर में सत्तारूढ़ पार्टी का सांसद बनता आ रहा है। यानी जिस पार्टी की केंद्र में सरकार बनी, उस पार्टी के प्रत्याशी को अलवर की जनता ने सांसद बनाया। इन वर्षों में जनता ने 2 बार कांग्रेस व 3 बार भाजपा पर भरोसा जताया और उनके सांसद बनाए। वर्ष 2004 व 2009 में कांग्रेस का सांसद चुना और संसद में भेजा। उसके बाद तीन बार लगातार वर्ष 2014, 2019 और 2024 में भाजपा का सांसद बनाया।

वर्ष 1999 में भाजपा प्रत्याशी डॉ. जसवंत यादव यहां से सांसद बने। उस समय केंद्र में भाजपा की सरकार बनी। अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने थे।

वर्ष 2004 में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. करण सिंह यादव चुनाव जीते। केंद्र में कांग्रेस सरकार बनी। डॉ.

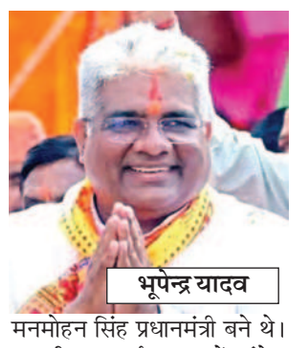

मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे।

इसी तरह वर्ष 2009 में कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र सिंह सांसद बने। केंद्र में फिर से डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनी।

वर्ष 2014 में भाजपा के महंत चांदनाथ योगी सांसद बने थे। केंद्र में भाजपा की सरकार बनी। पीएम नरेंद्र मोदी बने।

वर्ष 2019 में भाजपा के महंत बालकनाथ योगी सांसद बने और केंद्र में भाजपा की सरकार बनी। फिर से पीएम नरेंद्र मोदी बने।

2024 में भाजपा के भूपेंद्र यादव सांसद बने हैं। भाजपा के गठबंधन एनडीए को बहुमत मिला है। ऐसे मं सरकार उसकी बनती नजर आ रही है।

लोकसभा चुनाव में अलवर सीट पर भाजपा ने राष्ट्रीय नेता भूपेन्द्र यादव पर दांव खेला। वहीं, कांग्रेस ने युवा चेहरे के रूप में ललित यादव को मैदान में उतारा। भूपेन्द्र के राजनीतिक कद और अनुभव के आगे ललित कमजोर पड़ गए। जिसके कारण कांग्रेस को अलवर लोकसभा सीट पर लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी।

दरअसल, भूपेन्द्र यादव वर्तमान केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और राष्ट्रीय राजनीति में बड़े नेता के रूप में उनकी पहचान है। लबे राजनीतिक अनुभव के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं।

खुले नाले में गिरी पूर्व सभापति

पति ने कूदकर बचाई जान

पाली, 5 जून (एजेंसियां)। पाली शहर में खुले पड़े नाले शहरवासियों की जान की आफत बने हुए है। इन खुले नाले में कई घायल हो चुके है तो कईयों ने अपनी जान भी गंवाई है। शहर के पुराना बस स्टैंड के निकट सांडों की लड़ाई के दौरान स्कूटी असंतुलित हो गई। जिससे स्कूटी पर सवार नगर परिषद की पूर्व सभापति कुसुम सोनी खुले नाले में गिर गई। पति रमेश सोनी ने तुरंत नाले में कूदे और उन्हें पकड़ कर ऊपर उठाया और मौजूद लोगों की सहायता से बाहर निकाला। इसके बाद आसपास के दुकानदारों ने उन्हें बाहर निकालने के साथ साफ पानी से नहलाया। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया। गनीमत रही कि दोनों को गंभीर चोट नहीं आई। घटना के दौरान उनका आई फोन भी नाले में गिर गया। जो अभी तक नहीं मिला। कुसुम सोनी ने कहा कि मैं किसी काम से बाजार से गई थी। पति के साथ स्कूटी पर सवार होकर वापस घर आ रही थी। इस दौरान पुराना बस स्टैंड के निकट डागा गली के मौड़ पर खुले पड़े नाले के पास दो सांड लड़ रहे थे। पति ने सांड से बचने का प्रयास किया। इतने में सांड उनकी स्कूटी से टकरा गए। जिससे गाड़ीअंसतुलितबिगड़ गया और वो नाले में गिर गई और पति दूसरी तरफ सड़क पर गिए गए। नाला गहरा होने के कारण मैं उसमें पूरी डूब गई। मुंह व नाक-कान में गंदगी चली गई।

टायर फटने से बस पलटी, 14 घायल, 1 की मौत

जोधपुर, 5 जून (एजेंसियां)। दईकड़ा गांव के पास बस का टायर फट गया। टायर फटने से बस अनियंत्रित हो गई। ड्राइवर बस को संभाल नहीं पाया और वह पलट गई। हादसे से यात्रियों में हड़कंप मच गया। बस पलटने से यात्री एक दूसरे के ऊपर गिर गए। इस हादसे में अभी तक 6-7 महिलाओं सहित 14 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। वहीं हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आम जनता ने घायलों को निकालकर निजी वाहनों से जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल की आपातकालीन इकाई में पहुंचाया।

वहीं मण्डोर उद्यान स्थित प्राचीन जलाशय नागादड़ी में मछलियों को आटा डालने के दौरान एक नाबालिग पानी में गिर गया। आस-पास मौजूद लोगों ने देखा तो परिजन को सूचना दी। गोताखोरों ने साढ़े तीन घंटे तक तलाश की, लेकिन अंधेरा होने से नाबालिग नहीं मिला। पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल डिफेंस, मालवीय बंधु गोताखोर भरत मालवीय व भरत चौधरी मौके पर पहुंचे। रात करीब साढ़े आठ बजे तक जलाशय में बालक की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं लग पाया।

नशे के खिलाफ जोधपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

127 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त

जोधपुर, 5 जून (एजेंसियां)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस को नशे के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। दरअसल पुलिस ने 127 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। इसके साथ ही एक तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जिले भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस थाना बालेसर द्वारा 127 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद कर 1 तस्कर को पकड़ा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण भोपाल सिंह लखावत व वृताधिकारी वृत बालेसर कैलाश कंवर के मार्गदर्शन में थानाधिकारी बालेसर थाना नरपतदान ने जाब्ता द्वारा सूचना के अनुसार थाना हल्का क्षेत्र के गांव आगोलाई से 09 किलो अवैध डोडा पोस्त व गांव ढाढनिया से 118 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया।

पुलिस ने जैन मंदिर के पास आगोली निवासी 28 वर्षीय जयप्रकाश पुत्र दिनेश शर्मा से 09 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद कर आरोपी तस्कर को गिरफ्तार किया। गांव ढाढनिया से 42 वर्षीय तस्कर भल्लाराम पुत्र राणाराम जाट के निवास पर दबिश दी, जहां पर 118 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया। वहीं तस्कर मौके पर नहीं मिला, जिसकी तलाश की जा रही है।

7 भैंसों की बिजली से मौत

महबूबाबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कुरावी मंडल में बुधवार को सात भैंसों की बिजली गिरने से मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, भैंसें मुथ्यालम्मा टैंक के पास चर रही थीं, तभी वे बिजली के तार के संपर्क में आ गईं जो बारिश के कारण टूटकर ज़मीन पर गिर गया था। सभी मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। भैंसों के मालिक के. मल्लैया ने अपने मवेशियों की मौत के लिए बिजली अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया और सरकार से मुआवजा देने की मांग की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/17/2024, दि.5-6-2024

PUB/0530

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित प्रत्येक के प्रति विवरित तिथिनुसार, समय 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. इ-18-नार्थ-बीजेडए-2024, कार्य विवरण-कार्य का नामः एकेपी, जीएलयु, आरइजी,एनएएसपी--एसएसइ/डब्ल्यू/टुनी सेक्शन में पीएफ नं.1, 2 एवं 3 पर आयआरएस टाइप पीएफ शेल्टर्स या आश्रयों का निर्माण कार्य। पूरा करने की अवधि: 09(नौ महिने), निविदा मूल्यः रु.1,51,81,611/-, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.2,54,400/-, बंद करने की तिथि: 28-06-2024

क्रम सं.2, निविदा सं. इ-19-नार्थ-बीजेडए-2024, कार्य विवरण-कार्य का नामः, --एसडब्ल्यू--I-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन-- सीनि. डीइएन/नार्थ/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एसएलओ सब -डिवीजन में पीएपी, जीएलपी, आरवीडी,एमपीयु व बीवीएल स्टेशनों के प्लाटफार्म 1, 2 एवं 3 पर आयआरएस टाइप के कवर ओवर प्लाटफाम शेल्टर्स या आश्रयों का प्रावधान। एसडब्ल्यू--II-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन-- सीनि. डीइएन/नार्थ/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एसएलओ सब -डिवीजन में एसएलओ, सीसीटी एवं एनवी के प्लाटफार्म 1, 2 एवं 3 पर आयआरएस टाइप के कवर ओवर प्लाटफार्म शेल्टर्स या आश्रयों का प्रावधान। पूरा करने की अवधि: 06(छह महिने), निविदा मूल्यः रु. 2.51,19,846/-, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.2,75,600 /-, बंद करने की तिथि: 28-06-2024

क्रम सं.3 निविदा सं. इ-20-नार्थ-बीजेडए-2024, कार्य विवरण-कार्य का नामः बीजेडए डिवीजन-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः जल जमाव से बचने (टू एवाइड वाटर स्टैगनेशन) एवं वर्षा जल के निर्वहण (डिस्चार्जिन्ग रेनी वाटर) के लिए, नया पुल सं. 588 के निर्माण का प्रावधान। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह महिने), निविदा मूल्यः रु.99,58,476 /-, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.1,99,200 /-, बंद करने की तिथि: 28-06-2024

क्रम सं.4-- निविदा सं. इ-23-इस्ट-बीजेडए-2024, कार्य विवरण-कार्य का नामः बीजेडए -केआय सेक्शन(डीइएन/इस्ट/बीजेडए) - एसएसइ/वर्क्स/बीजेडए सेक्शन में 5 किमी फेन्सिन्ग लम्बाई(फेज-I) के लिए बेझिनल 2000 सहित उच्च या हाय टेन्सिल स्टील वायर के साथ उपर फिक्स्ड नाट फेन्सिंग का उपयोग तथा 130 प्रति घंटा स्पीड के लिए ट्रैक की ओर सेफ्टी फेन्सिन्ग/बाउन्डरी वाल का प्रावधान। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह महिने), निविदा मूल्यः रु. 1,31,40,356/-, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.2,15,700/-, बंद करने की तिथि: 25-06-2024

क्रम सं.5-- निविदा सं. इ-24-इस्ट-बीजेडए-2024, कार्य विवरण-कार्य का नामः बीजेडए -विजयवाडा वैगन डिपो-वैगन्स के रखरखाव के लिए बुनियादी ढांचा या इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं में वृद्धि या एगमेन्टेशन। इएनजीजी पोर्शनः आरओएच शेड के 50 मीटर्स चौडाई तक विस्तार के लिए, इसके साथ मौजूदा इओटी क्रेन को 50 मीटर्स तक विस्तारित करने के लिए तत्संबंधित ट्रैक पर मूवमेन्ट हेतु तथा प्रस्तावित 40 मीटर्स विस्तार संबंधित इओटी क्रेन के मुवमेन्ट के लिए, ट्रैक को विस्तारित करने के साथ एलआर शेड को 40 मीटर लम्बाई एवं 22 मीटर चौडाई तक विस्तारित करना। पूरा करने की अवधि: 24 (चौबीस महिने), निविदा मूल्यः रु.6,50,01,581/-, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.4,75,000/-, बंद करने की तिथि: 25-06-2024

भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित निविदा से जुडे किसी भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद होने से पहले, वेबसाइट:www.ireps.gov.in देखें।

संभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

निविदा सूचना सं. 08_जीएस_एचवायबी_24_ओटी, दि. 4-6-2024

PUB/0531

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, प्रमुख परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति इकाई, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से दि.1-7-2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. -08_जीएस_एचवायबी 24 ओटी, कार्य का नामः हैदराबाद डिवीजनः गति शक्तिः हैदराबाद डिवीजन के गति शक्ति ईकाई में तकनीकी सहायता या सपोर्ट/ सहायता के लिए, जीसी(जनरल कंसल्टन्ट्स) की भर्ती करना। अनुमानित मूल्यः रु.1,19,35,223.28 पूर्व धरोहर राशिः रु.2,09,700.00

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियन्ता/गति शक्ति/हैदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.-32-डीवाय.सीइ-जीएस-जीएनटी, दि.4-6-2024

PUB/0532

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न विवरित कार्यों हेतु दि.1-7-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, टेन्डर आयडीः 67 सेक्शनः डीवाय.सीइ/जीएस/जीएनटी, कार्य विवरणः गुंटूर डिवीजन के गति शक्ति परियोजनाओं के लिए, जनरल कन्सल्टन्ट की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध या रिक्वेस्ट फार प्रपोजल या आरएफपी। अनुमानित मूल्यः रु.1,20,48,906.72, पूधराःरु. 2,10,300.00

1. ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 1-7-2024 के 15.00 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

2. किसी भी अधिक संचार या कम्युनिकेशन/शुध्दिपत्रों को, ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

A0678 **उप मुख्य अभियन्ता, गति शक्ति, गुंटूर**

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरणजानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

वर्षाऋतु में अनिश्चित रूप से शुरू होगा कृषि कार्य

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के समय से पहले आने से आसमान खुलने लगा है, जिससे राज्य के किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई है लेकिन वानाकालम (खरीफ) की तैयारी का काम अलग-अलग कारणों से अनिश्चित तरीके से शुरू होने वाला है। किसान बीज की कमी, खास तौर पर कपास के बीज की मांग वाली किस्मों की कमी की शिकायत कर रहे हैं। फसल निवेश सहायता के वितरण में देरी एक और बड़ी चिंता का विषय बन गई है। इस साल खरीफ से फसल बीमा कवरेज का वादा किया गया है, लेकिन राज्य ने अभी तक वानाकालम फसलों से इसे लागू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप नहीं दिया है। राज्य ने इस वर्ष महत्वाकांक्षी वानाकालम कार्यक्रम शुरू किया था, जिसका लक्ष्य 1.51 करोड़ एकड़ है, जो पिछले वर्ष के 1.4 करोड़ एकड़ से लगभग 8 प्रतिशत अधिक है।

मानसून पहले ही राज्य के दक्षिणी जिलों में प्रवेश कर चुका है, जिसमें नलगोंडा, महबूबनगर, नागरकुर्नूल और जोगुलम्बा-गडवाल जिले शामिल हैं और कई स्थानों पर बारिश होने लगी है। वनकालम अभियान, जो आमतौर पर जून के अंतिम सप्ताह या जुलाई के प्रथम सप्ताह में शुरू होता है, इस वर्ष कम से कम एक सप्ताह पहले ही शुरू हो जाने की उम्मीद है। सीजन की तैयारी कर रहे किसानों द्वारा कपास की खेती में बड़े पैमाने पर जाने की उम्मीद है, क्योंकि जल्दी मानसून आने से फसल को लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार ने इस वर्ष 55 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में कपास की खेती का लक्ष्य रखा है।

कपास उत्पादक किसानों को कपास के बीजों की किस्मों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। वे बाजार में आपूर्ति केंद्रों पर उपलब्ध ब्रांडों में ज्यादा रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इस सीजन में धान का रकबा, जो लगभग सभी प्रमुख और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के कमांड क्षेत्र में सबसे पसंदीदा फसल है, पिछले साल 65.9 लाख एकड़ की तुलना में इस साल 66 लाख एकड़ से अधिक होने की उम्मीद है। मक्का की फसल का लक्ष्य 6,00,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बोना है, जबकि पिछले वर्ष इसी सीजन में 5.32 लाख एकड़ क्षेत्र में बोया गया था।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने से देश बच गया : निरंजन

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने से देश एक बड़े खतरे से बच गया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के जहरीले प्रचार से परेशान लोग अब राहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ने "चार सौ पार' के नारे के साथ प्रचार किया और कहा कि वे एक समान नागरिक संहिता लाएंगे और मुस्लिम आरक्षण को खत्म करेंगे और अपने छिपे हुए एजेंडे को लागू करेंगे। आज यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए निरंजन ने कहा कि भाजपा, जिसने अयोध्या राम मंदिर को जय श्री राम के नारे के साथ एक राजनीतिक अभियान के रूप में इस्तेमाल किया, उसे उत्तर प्रदेश में 80 में से केवल 33 सीटें मिलीं। 2014 में 282 और 2019 में 303 सीटें जीतने वाली भाजपा अब केवल 240 सीटें जीत पाई है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत भी नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उन्हें 2019 की तुलना में 63 सीटें कम मिलीं। उन्होंने कहा कि एनडीए को 2014 में 336 और 2019 में 353 सीटें मिलीं, लेकिन इस बार उसे केवल 295 सीटें मिलीं, जिसमें जेडीयू की 12 सीटें, टीडीपी की 16 और जन सेना पार्टी की दो सीटें शामिल हैं। निरंजन ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली में भाजपा केंद्रीय कार्यालय में कहा कि पूर्ण बहुमत न होने के बावजूद वह प्रधानमंत्री बनेंगे और एनडीए की बैठक में उन्हें प्रधानमंत्री उम्मीदवार चुन लिया गया। उन्होंने कहा, 'यह उनकी सत्ता की भूख का सबूत है। पार्टी नेता का चुनाव आमतौर पर चुनाव के बाद पार्टी की संसदीय दल की बैठक में किया जाता है। उसके बाद, एनडीए की बैठक में एनडीए नेता चुने जाने के बाद ही प्रधानमंत्री उम्मीदवार का नाम फाइनल किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि 'क्या इंडिया एलायंस सरकार बनाएगी?' कल इंडिया एलायंस की बैठक होगी और फैसला लिया जाएगा। यह उनकी लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है।

यूओएच की चिन्मयी महापात्रा को 47 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक पैकेज मिला

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड इंफॉर्मेशन साइंसेज से एम.टेक-आईटी स्नातक चिन्मयी महापात्रा को सर्विसनाउ में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कैंपस प्लेसमेंट में 47 लाख रुपये प्रति वर्ष के आकर्षक पैकेज के साथ चुना गया है। सर्विसनाउ द्वारा प्लेसमेंट में चयन के तीन दौर शामिल थे, दो तकनीकी और उसके बाद अंतिम दौर सिस्टम डिजाइन और व्यवहार संबंधी पहलुओं पर केंद्रित था। यह यूओएच के प्लेसमेंट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है। चिन्मयी ने पद्मनावा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, राउरकेला, सुंदरगढ़, ओडिशा से बी.टेक किया था।चिन्मयी कहती हैं, "मैं सर्विसनाउ में सॉफ्टवेयर इंजीनियर का पद हासिल करने की अपनी हालिया उपलब्धि को साझा करते हुए रोमांचित हूं।" "मैं हमारे विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट मार्गदर्शन और सलाहकार ब्यूरो (पीजीएबी) की बहुत आभारी हूं। पीजीएबी के अध्यक्ष प्रोफेसर सलमान अब्दुल मोइज़ और प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी प्रेरणा अखौरी को उनके अपार सहयोग के लिए मेरा विशेष धन्यवाद। मैं एससीआईएस के संकाय सदस्यों को उनके अमूल्य मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को भी देती हूं, जिनकी प्रेरणा हमेशा बनी रही। अंत में, मैं अपने भाई और दोस्तों को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। यह यात्रा चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ पुरस्कृत करने वाली भी रही है और मैं सर्विसनाउ के साथ इस नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए उत्साहित हूं।" प्रोफेसर सलमान अब्दुल मोइज़ ने कहा, "यह विश्वविद्यालय में हम सभी के लिए एक उत्साहजनक संकेत है कि आईटी कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी देखने के बावजूद, छात्र प्लेसमेंट पाने में सक्षम हैं और मैं सर्विसनाउ में उनके चयन के लिए चिन्मयी को बधाई देती हूं।" कुलपति प्रोफेसर बी.जे. राव ने अपनी खुशी व्यक्त की और सर्विसनाउ में उनके चयन पर चिन्मयी को बहुत ही आकर्षक पैकेज के साथ बधाई दी। प्रोफेसर राव ने विद्यार्थियों को विभिन्न संगठनों में नियुक्ति दिलाने में मदद करने के लिए स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड इंफॉर्मेशन साइंसेज और पीजीएबी को भी बधाई दी।

राजस्थानी महिला मंडल द्वारा निशुल्क बाल संस्कार शिविर का आज मारवाड़ी भवन, शमशीरगंज में समापन समारोह हुआ।

इच्छा पूर्ति गणेश की पूजा आयोजित

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित के.बी.आर. पार्क के इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा बुधवार को की गई। उसके पश्चात् आरती एवं प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि पार्क में सवेरे आने वाले प्रायः सभी लोग गणेश जी की पूजा, आरती में सम्मिलित होते हैं तथा अंत में सभी में प्रसाद बाँटा जाता है यह पूजा की सेवा पिछले कई वर्षों से की जाती है । आज की सेवा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, मोहन मित्तल, गोपाल बल्दवा, विनोद टिकमानी, गोपाल बलदेव, राम निवास शर्मा, शेषैया, भोज रेड्डी, हेमंत शाह, अनीता, पुष्पलता, संतोष अग्रवाल आदि उपस्थित थे ।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस को राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने आदर्श वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ, मंसूराबाद, एल.बी. नगर में प्रभारी डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), के मार्गदर्शन में मनाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। डॉ. संतोष एस. माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), द्वारा समृद्ध भविष्य के लिए स्थानिक औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान दिया । इसके बाद आदर्श वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ, कार्यालय के परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। श्रीनिवास राव, एल.आई.ए. और एन.आई.आई.एम.एच., हैदराबाद के अन्य कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। संस्थान की ओर से आदर्श वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ, के अध्यक्ष और सदस्यों सत्यनारायण, राम चंद्र रेड्डी, चंद्र रेड्डी, बाबू राव, रामेश्वर देव, राम रेड्डी और चंद्रकांत रेड्डी आदि ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

अस्थमा के लिए नि:शुल्क शाकाहारी दवा का वितरण

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अस्थमा, एलर्जी और पुरानी सर्दी के उपचार के लिए आयुर्वेद सर्विसेस (पंजीकृत) द्वारा एक शिविर का आयोजन 8 जून को गांधी ज्ञान मंदिर,महिला महाविद्यालय के सामने, कोठी, हैदराबाद में किया जा रहा है। अस्थमा, एलर्जी और पुरानी सर्दी आदि से पीड़ित लोगों को यह दवा डॉ. एम.पी. शर्मा के नेतृत्व में आयुर्वेदिक डॉक्टरों की एक टीम द्वारा दी जाएगी। यह दवा पूरी तरह से शाकाहारी है। यह दवा केवल मृगशिरा कार्त के शुभ दिन पर ही प्रभावी है। मरीज़ को दवा के सेवन से एक घंटे पहले सेवन के एक घंटे बाद तक कुछ भी खाना या पीना नहीं चाहिए । औषधीय जल के साथ दवा लेने के बाद रोगी को अगले 45 दिनों के लिए पूरक दवा की 6 गोलियों का एक पैकेट दिया जाएगा, जिसे 15 दिन पूरे होने के बाद सुबह और शाम खाली पेट गुनगुने पानी के साथ सेवन किया जाएगा। इसका सेवन अरुद्रा कार्ति (22 जून), पुनर्वसु कार्ति (6 जुलाई) और पुष्य कार्ति (20 जुलाई) को किया जा सकता है।

वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा पृथ्वी के 310 चक्करों के बराबर तय कर चुकी दूरी

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा ने अपनी शुरुआत की तारीख यानी 15 फरवरी, 2019 से पृथ्वी के 310 चक्करों के बराबर दूरी तय की है। वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली सेवा को नई दिल्ली से वाराणसी के लिए हरी झंडी दिखाई गई थी। वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं ने भारतीय धरती पर कुल 18,423 चक्कर पूरे किए हैं। शुरुआत से 31 मार्च, 2024 तक वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं द्वारा तय की गई कुल दूरी 1,24,87,540 किलोमीटर है। जबकि अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान इन सेवाओं द्वारा तय की गई दूरी 97,71,%05 किलोमीटर है। भारत में वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं की कुल ऑक्यूपेंसी 105.577 है। सबसे अधिक ऑक्यूपेंसी दर 175.37 के साथ केरल राज्य में दर्ज की गई है। वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं से यात्रा करने वाले यात्रियों में सबसे अधिक संख्या 26-45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की है। इस समूह द्वारा यात्रा करने का प्रतिशत 45.97 है। केरल राज्य ने वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों का उच्चतम प्रतिशत दर्ज किया, जो 15.77 है। इसी तरह, गोवा में सबसे अधिक 42% महिला यात्री हैं। झारखंड राज्य वंदे भारत सेवाओं ने 67% पुरुष यात्रियों को पंजीकृत किया।

वंदे भारत एक्सप्रेस में की खास सुविधाएँ

वंदे भारत ट्रेनों में आधुनिक कोच के साथ-साथ निम्नलिखित उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ और सुविधाएँ हैं।

- कवच से सुसज्जित।
- 160 KMPH तक तेज़ गति और सेमी हाई स्पीड संचालन।
- यात्रियों की मुफ्त आवाजाही के लिए पूरी तरह से सीलबंद गैंगवे।
- स्वचालित प्लग दरवाजे।
- एग्जीक्यूटिव क्लास में घूमने वाली सीटों के साथ रिक्लाइनिंग एर्गोनोमिक सीटें और आरामदायक सीटिंग।
- बेहतर सवारी आराम।
- हर सीट के लिए मोबाइल चार्जिंग सॉकेट्।
- हॉट केस, बॉटल कूलर, डीप फ्रीजर और हॉट वॉटर बॉयलर के प्रावधान के साथ मिनी पेंट्री
- डायरेक्ट और डिफ्यूज्ड लाइटिंग।
- दिव्यांगजन यात्रियों के लिए - डीटीसी में विशेष शौचालय।
- प्रत्येक कोच में आपातकालीन खुलने वाली खिड़कियां और अग्निशामक यंत्र।
- सभी कोच में सीसीटीवी।
- सभी कोच में आपातकालीन अलार्म पुश बटन और टॉक बैक यूनिट्।
- बेहतर अग्नि सुरक्षा - इलेक्ट्रिकल कैबिनेट और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि पहचान और दमन प्रणाली।
- वॉयस रिकॉर्डिंग सुविधा और क्रैश हार्डन मेमोरी के साथ ड्राइवर-गार्ड संचार।
- रिमोट मॉनिटरिंग के साथ कोच कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम (सीसीएमएस) डिस्प्ले।
- आपदा लाइट - आपातकाल के मामले में प्रत्येक कोच में 4 नंबर।
- कोच के बाहर रियर व्यू कैमरे सहित 4 प्लेटफ़ॉर्म साइड कैमरे।

बीआरएस पार्टी ने सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के सोशल मीडिया संयोजक मन्ने कृष्णक ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की इस टिप्पणी की कड़ी निंदा की है कि केसीआर ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में तेलंगाना में प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवारों की जीत के लिए कड़ी मेहनत की थी। कृष्णक ने रेवंत से पूछा कि अगर बीआरएस पार्टी चुनावों में भाजपा के साथ हाथ मिलाती है तो उसे लाखों वोट कैसे मिलेंगे। कृष्णक ने रेवंत को झूठी खबरें फैलाना बंद करने और राज्य के शासन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। महबूबाबाद में, बीआरएस को 2.61 लाख वोट मिले, जबकि भाजपा को 1.08 लाख वोट मिले। क्या आपने यहां भाजपा से हाथ मिलाया है? वारंगल में कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा को 2.20 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया। इस निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस पार्टी को 2.32 लाख वोट मिले। और अगर हमने भाजपा से हाथ मिलाया होता, तो कांग्रेस कैसे जीत जाती? भुवनागिरी निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार ने भाजपा को 2.20 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया। इस निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस पार्टी को 2.54 लाख वोट मिले। अगर हमने भाजपा से हाथ मिलाया होता, तो कांग्रेस कैसे जीत सकती थी? नागरकुरनूल निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस ने भाजपा को सिर्फ 94,000 मतों के अंतर से हराया।

अघोषित बिजली कटौती से लोगों का हाल बेहाल

बागरा, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बागरा ग्राम में भीषण गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है और रात की नींद हराम है। वहीं अघोषित बिजली कटौती ने लोगों को समस्याओं को और भी बढ़ा दिया है। ग्रामीण क्षेत्र में आठ से 10 घंटे ही बिजली की आपूर्ति की जा रही है। कस्बा में बिजली की कटौती जारी है। वहीं व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है। बागरा ग्राम में कई दिनों से ऐसी कटौती हो रही है कि दिन में न सुकून मिल रहा और न ही रात में सही से नींद आ रही। चार से पांच घंटे की कटौती की जा रही है। सुबह आठ बजे बिजली काटने के बाद दोपहर में एक घंटे आपूर्ति मिल रही है। वहीं शाम को दो से तीन घंटे की आपूर्ति दी जा रही है जबकि रात में भी अघोषित कटौती से लोगों को रात जागकर काटनी पड़ रही है। कई दिनों से व्यवस्था चरमरा गई है। बागरा ग्राम में सरकारी अस्पताल में रात में 9:00 बजे बिजली कटौती हो गई जिसके कारण मरीज के साथ डॉक्टर को भी सरकारी अस्पताल के बाहर रात गुजारनी पड़ी। आधी रात को जब कोई मरीज इलाज के लिए अस्पताल में जाता है तो अस्पताल में बिजली नहीं होने के कारण उसका इलाज करने में अस्पताल के कर्मचारी और डॉक्टर को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना देने के बावजूद भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं की। भीषण गर्मी के कारण बिजली कटौती होने पर लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। ग्रामवासियों ने बताया दो दिनों से बिजली कब आ रही कब जा रही पता नहीं चल रहा। मुश्किल से आठ घंटे ही बिजली आ रही है। बिजली उपकरण शोपीस बनकर रह गए हैं। सड़क पर बिकने वाली बर्फ दुकानदारों के यहां लोग जुट रहे हैं। बिजली न होने से पानी की आपूर्ति भी सही से नहीं हो पा रही है।

पर्यावरण परीक्षण सेवा समिति अध्यक्ष गोगिकर नरेश द्वारा जीके आधार में विश्व पर्यावरण दिवस बनाया गया। एक कार्यक्रम जियागुड़ा के भारत अभिधा शिक्षा समिति पाठशाला और श्लोक स्कूल के प्रांगण में पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के तेलंगाना राज्य के डायरेक्टर एआर विजय राव, नेहरू युवा केंद्र हैदराबाद जिला के ऑफिसर खुशबू गुप्ता और शिक्षा समिति के सेक्रेटरी कमल प्रसाद और कराटे मास्टर बालाजी और श्लोक स्कूल के प्रिंसिपल ए नागेश्वर राव अमिताभ चरण ,कबड्डी कोच सतपाल सिंह, भूमिपुत्र सेवा समिति के अध्यक्ष रितेश चिंचोली ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर लोअर टैंक बंद स्थित इंदिरा पार्क में पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया गया।अवसर पर बबिता गर्ग , टीना खंडेलवाल , श्वेता खंडेलवाल , सुनयना नरसरिया , रितु गोयल , कोमल अग्रवाल , स्मिता शाह , श्रद्धा सुखिया , संतोष अग्रवाल , सारिका गर्ग एवम पवन भुवानिया भी उपस्थित थे।

आगामी बकरीद के संदर्भ में गौवंश रक्षा हेतु ठोस कदम उठाने का हैदराबाद पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी, सायबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, रचाकोंडा पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी आदि से भेंटकर निवेदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, साथ में वी.एच.पी. नेता रामाराव, जी. रमेश, एस. पंडरीनाथ, कोटी श्रीधर, बालाकृष्ण गुरु स्वामी व अन्य।

ग्रीन इंडिया चैलेंज जारी रहेगा: जोगिनीपल्ली संतोष कुमार

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यसभा सदस्य जोगिनीपल्ली संतोष कुमार ने आज कहा कि तेलंगाना राज्य में ग्रीन इंडिया चैलेंज की परंपरा जारी रहेगी। बुधवार को उन्होंने ग्रीन इंडिया चैलेंज में भाग लेकर सिद्दीपेट जिले के एरावली गांव में बादाम और खरबूजे के पौधे लगाए।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हरियाली और स्वस्थ पर्यावरण के लिए सभी को अपने जन्मदिन और विभिन्न अवसरों पर पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि मानवता का अस्तित्व पर्यावरण संरक्षण पर निर्भर करता है।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, कोई नतीजा नहीं निकला

3 बार बारिश आई, टी-20 मैच 10-10 ओवर का हो गया; फिर रद्द किया गया

बारबडोस, 5 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप में इंग्लैंड-स्कॉटलैंड के बीच खेले गए टी-20 मैच का कोई नतीजा नहीं निकला। बारिश के चलते मैच रद्द कर दिया गया।

बारबडोस के कैनिंगटन ओवल मैदान में स्कॉटलैंड ने टॉस जीता और बल्लेबाजी चुनी। बारिश के चलते यह मैच 10-10 ओवर का हो गया। स्कॉटलैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 90 रन बनाए। कप्तान जॉर्ज मुंसे 41 और ओपनर माइकल जोंस ने 45 रन बनाकर नाबाद लौटे।

डकवर्थ लुईस मैथेड लागू होने के चलते इंग्लैंड को 109 रन का टारगेट दिया गया। लेकिन बारिश आ गई और इंग्लैंड की टीम एक भी गेंद नहीं खेल पाई। 10 ओवर और बारिश की कहानी...

नाबाद लौटे ओपनर्स

स्कॉटलैंड की ओर से कप्तान जॉर्ज मुंसे और माइकल जोंस ओपनिंग करने आए। दोनों नाबाद रहे। जोंस ने 150 के स्ट्राइक रेट से 45 और मुंसे ने 132 के

स्ट्राइक रेट से 41 रन बनाए। 90 रन की साझेदारी की।

3 बार बारिश आई

टॉस 7:30 बजे हुआ और इसके तुरंत बाद बारिश आ गई। 8 बजे शुरू होने वाला मैच 8:45 बजे शुरू हुआ।

पावर प्ले के बाद 2 गेंदें फेंकी गई थीं, फिर बारिश आ गई। जिसके चलते करीब 2 घंटे तक गेम रोका गया।

बारिश रुकी तो मैच 10-10 ओवर का कर दिया गया। इसके बाद स्कॉटलैंड की पारी पूरी हुई। इसके तुरंत बाद फिर बारिश आ गई।

मुंसे की स्विच हिट्स, जोंस का सिक्स स्टेडियम पार

41 रन बनाने वाले कप्तान मुंसे ने स्विच हिट से फैंस को चौंकाया। इंग्लैंड की ओर से 8वां ओवर आदिल राशिद डाल रहे थे। मुंसे ने लगातार 2 गेंदों पर स्विच हिट लगाए। एक सिक्स लगा और एक चौका। राशिद के इस ओवर से 18 रन आए।

पावरप्ले का आखिरी ओवर इंग्लिश गेंदबाज क्रिस जॉर्डन फेंक रहे थे। स्ट्राइक पर थे माइकल जोंस। जोंस ने जॉर्डन की दूसरी गेंद पर सिक्स लगाया। गेंद स्टेडियम के बाहर गिरी और अंपयर्स को बॉल बदलनी पड़ी। इसके बाद जोंस ने जॉर्डन को लगातार 4 चौके भी लगाए।

इंग्लैंड का अनोखा रिकॉर्ड

टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड यूरोपियन टीमों के खिलाफ कभी नहीं जीती है। यूरोपियन देशों से उसके 4 मुकाबले वर्ल्ड कप में हुए। इसमें से 3 में इंग्लैंड हारी है और 1 का नतीजा नहीं निकला।

स्कॉटलैंड से 2024 में नतीजा नहीं निकला

इंग्लैंड-स्कॉटलैंड का पहला टी-20 इंटरनेशनल, पूरा नहीं हुआ। दोनों टीमें के बीच यह पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच था, जो पूरा नहीं हुआ। इससे पहले दोनों के बीच सिर्फ 5 वनडे इंटरनेशनल खेले थे। इनमें से 3 इंग्लैंड जीता और एक स्कॉटलैंड। एक मैच नो-रिजल्ट रहा।

चेन्नई सुपर किंग्स में होगी अश्विन की वापसी?

टीम मालिक ने दी अहम जिम्मेदारी

चेन्नई, 5 जून (एजेंसियां)। अश्विन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हैं। वह पहले चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेल चुके हैं।

वेंकट कृष्णा बी. टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाज अश्विन जल्द ही चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ सकते हैं। इस खबर के पीछे की वजह है अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स की मालिक कंपनी इंडिया सीमेंट्स के बीच हुई डील। इस डील ने यह संभावना भी बढ़ा दी है कि अश्विन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स को छोड़कर फिर से चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़ सकते हैं।

अश्विन को मिली अहम जिम्मेदारी

इंडिया सीमेंट्स ने अश्विन को चेन्नई सुपर किंग्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर की जिम्मेदारी दी है। यह सेंटर चेन्नई के बाहरी इलाके में बनाया जाएगा और आईपीएल के अगले सीजन तक काम करने लगेगा।

चेन्नई सुपर किंग्स की कई लीग्स में टीमें हैं। यह हाई परफॉर्मेंट सेंटर सभी के लिए एक स्थान होगा जहां जोहानिसबर्ग, चेन्नई और टेक्सास के खिलाड़ी पूरे साल ट्रेनिंग कर सकेंगे।

ऑक्शन में अश्विन पर चेन्नई की नजर

इस डील के बाद ही ऐसा माना जा रहा है कि अश्विन सीएसके में वापसी कर सकते हैं। अगले सीजन के लिए मेगा ऑक्शन होने वाला है।

अगर राजस्थान अश्विन को रिटेन नहीं करता है तो चेन्नई ऑक्शन में उनपर दांव लगा सकती है। अगर ऐसा नहीं होता है तो चेन्नई ऑक्शन के बाद राजस्थान के साथ अश्विन के लिए ट्रेड कर सकता है।

इंडियन सीमेंट्स के लिए खेलेंगे अश्विन

चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करता है कि ऑक्शन में क्या होता है। ऑक्शन पर हमारा कंट्रोल नहीं है।' उन्होंने अश्विन को दी गई नई जिम्मेदारी के बारे में कहा, 'सबसे पहले वह हमारे हाई परफॉर्मेंस सेंटर की जिम्मेदारी लेंगे। ।

वह सेंटर के क्रिकेट से जुड़ी चीजें संभालेंगे। वह सीएसके वेंचर का हिस्सा हैं वह टीएनसीए फर्स्ट डिविजन में इंडिया सीमेंट्स की टीम की ओर से खेलेंगे।'

चेन्नई सुपर किंग्स काफी समय से इस तरह की डील को करने की कोशिश में लगे थे। आईपीएल 2024 के शुरू होने से पहले अश्विन को 100 टेस्ट खेलने के लिए सम्मानित किया गया था। इस समारोह में इंडिया सीमेंट्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने कहा, 'आपके पास आगे जाकर एक बड़ी दिम्मेदारी होगी।'

कोच राहुल की विदाई को लेकर रोहित शर्मा हुए भावुक, पुराने दिनों को किया याद

खेल डेस्क, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम के मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ अपने कार्यकाल के अंतिम पड़ाव पर हैं। टी20 विश्व कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इसकी पुष्टि भी राहुल द्रविड़ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कर चुके हैं। वहीं अब टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी राहुल द्रविड़ की विदाई को लेकर भावुक होते हुए दिखाई दिए। अपने करियर के शुरुआती दिनों में रोहित ने राहुल द्रविड़ के साथ भी टीम इंडिया के लिए क्रिकेट खेला है, उस वक्त द्रविड़ टीम इंडिया के कप्तान हुआ करते थे। वहीं रोहित भी राहुल को अपना आदर्श मानते हैं।

रोहित ने द्रविड़ के साथ पुराने दिनों को किया याद

टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत करने से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान जब रोहित से द्रविड़ की विदाई को लेकर सवाल किया गया तो कप्तान थोड़े भावुक दिखे। रोहित ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ जब मैंने अपना डेब्यू किया था तब राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के कप्तान थे। वे हम सभी के लिए के रोल मॉडल हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए बहुत कुछ किया है। हमने बचपन से उनको खेलते हुए देखा है। वे एक शानदार व्यक्ति हैं।

आगे रोहित ने द्रविड़ की विदाई को लेकर कहा कि मैंने उनको रुकने के लिए मनाने की काफी कोशिश की है लेकिन शायद अब उनको बाकी चीजों का ध्यान भी रखना है। मैंने उनके साथ काफी समय बिताया है, उनके साथ काम करके काफी अच्छा अनुभव मिला है।

रवि शास्त्री के बाद राहुल द्रविड़ को टीम इंडिया का कोच बनाया गया था। हालांकि अभी तक राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा की जोड़ी कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है लेकिन इस बार इन दोनों के पास आखिरी मौका है टी20 विश्व कप जीतने का। वनडे विश्व कप 2023 में जरूर टीम इंडिया ने कमाल का प्रदर्शन दिखाया था लेकिन फाइनल में

इंडोनेशिया ओपन : लक्ष्य सेन ने केंटा सुनेयामा को हराया

दूसरे दौर में किया प्रवेश

जकार्ता, 5 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान के केंटा सुनेयामा को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। फ्रेंच ओपन और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल करने वाले सेन का सामना अब इंडोनेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग और जापान के केंटा निशिमोतो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा ।

लक्ष्य सेन ने 40 मिनट के भीतर सुनेया21-12, 21-17 से जीत दर्ज की। भारत के किरण जॉर्ज को चीन के हांग यांग वेंग के हाथों 21-11, 10-21, 20-22 से पराजय झेलनी पड़ी। मिक्स्ड डबल्स में भारत के बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने अमेरिका के विंसन चियू और जेनी गेइ को 18-21, 21-16, 21-17 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के सि वेइ झेंग और कियोंग हुआंग तथा इंडोनेशिया के रेहान नौफाल कुशारजांतो और लिसा आयु कुसुमवती के बीच होने वाले मैच की विजेता जोड़ी से होगा।

टी20 विश्व कप 2024 के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स के धाकड़ खिलाड़ी टेक्सास सुपर किंग्स के साथ जुड़े

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप का आगाज 2 जून से हो गया है। दुनियाभर में इस मेगा इवेंट की धूम देखने को मिल रही है। वहीं इन सबके बीच आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का एक धाकड़ खिलाड़ी मेजर लीग क्रिकेट में एक नई फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ गया है।

एमएलसी के दूसरे सीजन में अब ये खिलाड़ी टेक्सास सुपर किंग्स की तरफ से खेलता हुआ दिखाई देगा। इस टीम में उनके साथ डेरिल मिचेल और एडेन मारक्रम भी होंगे।

टेक्सास सुपर किंग्स के साथ जुड़े स्टोइनिस

मेजर क्रिकेट लीग में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर्स मार्कस स्टोइनिस टेक्सास सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ गए हैं। आईपीएल 2024 में स्टोइनिस ने इसी फ्रेंचाइजी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के सामने शानदार शतक लगाकर लखनऊ सुपर

जायंट्स को जीत दिलाई थी। अब उसी फ्रेंचाइजी की दूसरी टीम के लिए स्टोइनिस खेलते हुए दिखाई देंगे। फिलहाल स्टोइनिस विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा है और उनका फोसक विश्व कप पर है।

आईपीएल 2024 में किया था शानदार प्रदर्शन

भले ही आईपीएल 2024 सीजन-17 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी लेकिन मार्कस स्टोइनिस ने टीम के लिए शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया था। इस सीजन स्टोइनिस ने 14 मैचों में 388 रन बनाए थे। जिसके बाद स्टोइनिस अब टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

मेजर क्रिकेट लीग में दिखेंगे ये ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

मेजर क्रिकेट लीग सीजन-2 में इस बार कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी खेलते हुए दिखाई देंगे। जिसमें पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल और ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

कोको गॉफ फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

क्वार्टर फाइनल में ओन्स जेब्यूर को हराया

पेरिस, 5 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्यूर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्यूर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी।

वर्ष 2022 की उप विजेता 20 साल की गॉफ को रोलां गैरो पर तीसरी वरीयता दी गई है। गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीत हैं। स्वियातेक ने ही 2022 में फाइनल में गॉफ को हराया था। स्वियातेक को ही क्वार्टर फाइनल में 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा से भिड़ना है।

कार्लसन ने रोका प्रज्ञानंद का विजय अभियान

आठवें दौर में मिली हार, वैशाली ने की वापसी

पेरीस, 5 जून (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया था, लेकिन वह अपनी यह लय अगले दौर में कायम नहीं रख सके और उन्हें कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीय मैग्नस कार्लसन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामूरा पर एक अंक की बढ़त बना ली है जिन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानंद को हराया

पुरुष वर्ग में तीनों क्लासिकल बाजी ड्रॉ रही जिसके बाद आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी खेली गई। कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानंद को हराया। आर्मागेडोन बाजी में सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को 10, जबकि काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को सात अंक मिलते हैं। सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को हालांकि बाजी जीतनी होती है। क्लासिकल बाजी जीतने पर खिलाड़ी को तीन अंक, जबकि आर्मागेडोन बाजी जीतने पर डेढ़ अंक मिलते हैं और हारने पर एक अंक मिलता है।

लिरेन का निराशाजनक प्रदर्शन जारी

इस बीच विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें अमेरिका के फाबियानो करूआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। छह खिलाड़ियों के इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अब जब सिर्फ दो दौर का खेल बाकी है तब कार्लसन 14.5 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। नाकामूरा के 13.5 अंक हैं। प्रज्ञानंद 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा उनसे एक अंक पीछे चौथे स्थान पर हैं। करूआना नौ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि लिरेन सिर्फ 4.5 अंक के साथ अंतिम पायदान पर हैं।

वैशाली ने मुजिचुक को हराया

प्रज्ञानंद के अलावा उनकी बड़ी बहन वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में सातवें दौर के बाद शीर्ष पर चल रही यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया। वैशाली ने प्रतियोगिता में दूसरी बार मुजिचुक को हराया। क्लासिकल बाजी ड्रॉ रहने के बाद वैशाली ने आर्मागेडोन बाजी में जीत दर्ज की। महिला वर्ग के अन्य मैचों में चीन की विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने स्वीडन की पिया क्रेमलिंग के खिलाफ जीत से 14.5 अंक के साथ बढ़त बना ली है। उन्हें वैशाली के खिलाफ मुजिचुक की हार से भी फायदा मिला। यूक्रेन की मुजिचुक 13 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनसे 1.5 अंक पीछे वैशाली 11.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं। भारत की कोनेरू हंपी की वापसी की उम्मीदों को भी झटका लगा और वह टिंगजी से हार गई। टूर्नामेंट का बेहतर अंत करने के लिए हंपी को अब अंतिम दोनों बाजियां जीतनी होंगी। हंपी को हराने वाली चीन की टिंगजी लेई भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। हंपी आठ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि क्रेमलिंग (4.5 अंक) अंतिम पायदान पर हैं।

बाबर आजम को लेकर छिड़ी बहस

लाइव टीवी पर आपस में भिड़े 2 पाकिस्तानी खिलाड़ी

इस्लामाबाद, 5 जून (एजेंसियां)। बाबर आजम ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद एक बार फिर से बाबर को टी20 विश्व कप से पहले पाक टीम का कप्तान बनाया गया है। जिसपर काफी बहस भी छिड़ी थी। वहीं अब बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान टीम की स्थिति को लेकर लाइव टीवी पर दो पाकिस्तानी खिलाड़ी लड़ते हुए दिखाई दिए। इस दौरान एक खिलाड़ी ने बाबर आजम की जमकर आलोचना की।

बाबर आजम पर भड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी

पाकिस्तान के चैनल जियो टीवी पर टी20 विश्व कप के बिल्ड-अप शो के दौरान टीम के दो खिलाड़ी इमाम-उल-हक और अहमद शहजाद के बीच बाबर आजम को लेकर बहस देखने को मिली। इस दौरान अहमद शहजाद बाबर के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर भी भड़कते हुए दिखाई दिए। अहमद शहजाद ने कहा कि हम द्विपक्षीय सीरीज नहीं बल्कि आईसीसी की ट्रॉफी जीतने के लिए क्रिकेट खेलते हैं। क्या हमने पिछले 4 से 5 सालों में कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इसलिए मैं कहूंगा कि टीम में दोस्ती का एक गिरोह है जो कई सालों से क्रिकेट में हेराफेरी कर रहा है। शहजाद का कहना है कि जो खिलाड़ी फ्लॉप है फिर भी बाबर उनको टीम में चुनता है और लगातार खिलाता भी है क्योंकि वे उसके दोस्त हैं।

'आप धोनी नहीं हैं'

बाबर आजम को दोबारा कप्तान बनाए जाने को लेकर अहमद शहजाद ने कहा कि आपको हटा दिया गया था लेकिन फिर से आपको कप्तान बना दिया जाता है। यहां मैं कहूंगा अगर आप एमएस धोनी होते तो जरूर आपको वापस लाना चाहिए थे। शाहीन को महज दो मैचों के बाद ही कप्तानी से हटा दिया गया, जो काफी गलत था।

इमाम-उल-हक ने किया बाबर का बचाव

वहीं इस शो का हिस्सा पाक टीम के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक भी थे। इसको लेकर इमाम ने कहा कि बाबर को उसकी मर्जी के बिना हटाया गया था और फिर उसकी मर्जी के बिना कप्तान बना दिया गया। विश्व 2021 में हम सेमीफाइनल तक पहुंचे, 2022 में हम फाइनल तक पहुंचे। उस वक्त भी वहीं खिलाड़ी थे। हालांकि हम फाइनल में नहीं चले आप इस पर बहस कर सकते है लेकिन बाबर के लिए ये सब कहना काफी गलत बात होगी।

जोकोविच ने फ्रेंच ओपन से नाम वापस लिया, बीच टूर्नामेंट से क्यों हटा यह चैंपियन खिलाड़ी

पेरिस, 5 जून (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी और 24 बार ग्रैंड स्लैम जीत चुके नोवाक जोकोविच चोट के कारण चल रहे फ्रेंच ओपन 2024 से हट गए हैं। सर्बिया के इस दिग्गज को दाहिने घुटने में चोट लगी थी। फ्रेंच ओपन ने पुष्टि की कि इसी वजह से उन्होंने टूर्नामेंट बीच में छोड़ दिया है। वह 2023 में फ्रेंच ओपन चैंपियन रहे थे। अब उनके इस टूर्नामेंट से नाम वापस लेने से कोई नया विजेता मिलेगा। राफेल नडाल इस टूर्नामेंट हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इतना ही नहीं जोकोविच के आगामी विंबलडन 2024 में भी खेलने पर संशय है। 2023 में विंबलडन एकमात्र ऐसा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट था, जिसे वह पिछले साल जीतने में विफल रहे थे। उन्हें विंबलडन 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज ने हराया था।

इससे पहले जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के अपने पिछले मैच यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में दर्द के बीच अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को को साढ़े चार घंटे चले पांच सेट के मुकाबले में हराया था। वह उस मैच में भी दाहिने घुटने के दर्द से जूझते हुए दिखे थे। अब जोकोविच फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में

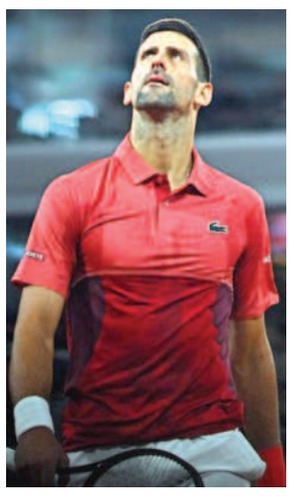

खेलते नहीं दिखेंगे। फ्रांसिस्को पर जीत उनकी ग्रैंड स्लैम में रिकॉर्ड 370वीं जीत रही। उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर (369) को पीछे छोड़ा था।

मैच के दौरान दूसरे सेट की शुरुआत में जोकोविच पीठ के बल लेट गए थे और लग रहा था कि उन्हें मुकाबला छोड़ना होगा, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 23वीं रैंकिंग वाले 25 साल के अर्जेंटीनी फ्रांसिस्को सेरूंडोलो को 6-1, 5-7, 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। मैच सुबह तीन बजे तक चला। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी 37 साल के नोवाक को लगातार पांच सेट का दूसरा मुकाबला खेलना पड़ा है। इससे पहले 2012 में रोलां गैरो में उन्हें लगातार दो मैराथन मुकाबले खेलने पड़े थे। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड से होना था। रूड ने 12वीं रैंकिंग वाले टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में जोकोविच ने रूड को हराया था।

मैच के बाद जोकोविच ने कहा था कि अभी वह यह नहीं कह सकते कि वह क्वार्टर फाइनल में खेल पाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा था कि मैं तो बस स्वस्थ होने की उम्मीद कर सकता हूं। देखते हैं कि क्या होता है। दवाई का असर भी ज्यादा देर तक नहीं रहेगा। मैं चेकअप और टेस्ट करवाऊंगा। घुटना कई हफ्तों से उन्हें परेशान कर रहा है। दूसरे सेट में उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया था। इसके अलावा ट्रेनर ने भी उनकी मदद की। तीसरे सेट के बाद उन्हें दवाई दी गई थी। मैच के दौरान दर्द के बीच डॉक्टर ने कह दिया कि दर्द कम करने के लिए जितनी खुराक दी जा सकती थी, दी जा चुकी है। अब मजबूरन जोकोविच को नाम वापस लेना पड़ा है।

बीआरएस ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए काम किया: सीएम रेवंत

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी ने तेलंगाना लोकसभा चुनाव में कमजोर उम्मीदवार उतारे हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के लिए काम किया है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस उम्मीदवारों की हार हुई है। बुधवार को यहां अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर भाजपा के साथ मौन समझौता करने का आरोप लगाया कि केसीआर ने अपनी पार्टी के वोट भगवा पार्टी को हस्तांतरित करके राजनीतिक आत्महत्या कर ली है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "विधानसभा चुनाव में 37.5 प्रतिशत वोट पाने वाली बीआरएस पार्टी लोकसभा चुनाव में गिरकर 16.5 प्रतिशत पर आ गई।

तेलंगाना में सात लोकसभा क्षेत्रों में जहां भाजपा उम्मीदवार विजयी हुए, वहां पार्टी की जमानत जब्त हो गई। मेदक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत, पूर्व मंत्री हरीश राव ने सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र से अपनी पार्टी के वोट पूरी तरह से भाजपा उम्मीदवार रघुनंदन राव को हस्तांतरित कर दिए। कांग्रेस उम्मीदवार नीलम मधु को बीआरएस से भाजपा को वोट हस्तांतरित होने के कारण हार का सामना करना पड़ा।" मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस नेता केसीआर ने अपनी पार्टी को भाजपा को बेच दिया है और गुलाबी पार्टी तेलंगाना में दोबारा पैदा नहीं होगी। तेलंगाना लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में लोगों ने 39.5 प्रतिशत वोटों के साथ सरकार बनाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "लोकसभा के नतीजों में कांग्रेस ने 17 संसदीय क्षेत्रों में से 8 सीटें जीतीं और 41 प्रतिशत वोट हासिल किए, जो पिछले चुनाव की तुलना में उसके वोट प्रतिशत में भारी सुधार है।" उन्होंने आगे कहा कि मोदी की गारंटी के नाम पर भाजपा नेता लोकसभा चुनाव में जनता के बीच गए, लेकिन भगवा पार्टी 303 सीटों से गिरकर 243 पर आ गई। रेवंत रेड्डी ने सलाह दी, "लोगों ने यह मान लिया है कि मोदी की गारंटी बेकार है। देश की जनता ने प्रधानमंत्री को नकार दिया है। उन्हें तुरंत प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और दोबारा पदभार नहीं संभालना चाहिए, क्योंकि उन्हें लोगों ने नकार दिया है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश में जो भी सरकार बनेगी, तेलंगाना सरकार दोनों राज्यों के बीच लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए काम करेगी और कांग्रेस पार्टी आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने के वादे को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीपीसीसी ने लोकसभा परिणामों के लिए सीएम रेवंत की सराहना की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के सदस्यों ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्राप्त लोकसभा परिणामों पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बधाई दी है। उन्होंने परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त की और लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को समर्थन जुटाने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। कांग्रेस, जो अतीत में संसद में तीन सीटों तक सीमित थी, ने तेलंगाना में आठ सीटें हासिल कीं। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और हरकारा वेणुगोपाल, सांसद अनिल कुमार यादव और मल्लू रवि, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी, फहीम कुरैशी, अनिल और अन्य कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के रूप में रेवंत रेड्डी के प्रयासों के परिणामस्वरूप कांग्रेस ने 8 सीटें जीतीं।

'किंगमेकर' नायडू को इंडिया से भी ऑफर

लोकसभा में किसकी सरकार, कौन आगे, कौन पीछे

नई दिल्ली, 5 जून (एजेंसियां)। 2024 के चुनावी रण में बीजेपी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। हालांकि, बीजेपी को 240 सीटों पर ही जीत मिली। इस तरह बीजेपी बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। हालांकि, एनडीए गठबंधन बहुमत हासिल करने में सफल रहा। इसमें अहम रोल जिन पार्टियों ने निभाया उनमें टीडीपी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू का नाम बेहद अहम है। वह 'किंगमेकर' के तौर पर उभरे हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ एनडीए में बीजेपी के बाद टीडीपी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसने इस चुनाव में 16 सीटें हासिल की हैं। तीसरे नंबर जेडीयू है, जिसे 12 सीट आई हैं। इस तरह सीटों के समीकरण को देखें तो एनडीए सरकार के गठन में बीजेपी को टीडीपी के साथ-साथ नीतीश कुमार की जेडीयू पर निर्भर रहना पड़ेगा। इस सियासी हालात में क्या चंद्रबाबू नायडू पर भरोसा किया जा सकता है। रिकॉर्ड देखें तो क्या इस बार बीजेपी उन पर पूरी तरह से भरोसा कर सकती है?

'किंगमेकर' नायडू को इंडिया से भी ऑफर

चंद्रबाबू नायडू को लेकर सियासी गलियारे में चर्चा का दौर तेज है। ऐसा कहा जा रहा कि इंडिया गठबंधन की ओर से भी उन्हें ऑफर आ रहे हैं। हालांकि, टीडीपी मुखिया ने ऐलान किया कि हम एनडीए में हैं। चंद्रबाबू नायडू के इस ऐलान से बीजेपी ने राहत की सांस जरूर ली होगी। हालांकि, सच्चाई ये भी है कि नायडू ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य के दर्जे को लेकर मार्च, 2018 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। लेकिन उनके इस फैसले का असर 2019 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में नजर आया था। उन्हें दोनों ही इलेक्शन में करारी शिकस्त मिली थी। इसने उन्हें सियासी नेपथ्य में धकेल दिया था।

2018 में छोड़ा था एनडीए फिर 2024 में लौटे

चंद्रबाबू नायडू ने ठीक छह साल बाद यानी मार्च 2024 में एनडीए का दामन थामा। आंध्र प्रदेश में बीजेपी और जनसेना के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा। गठबंधन के तहत प्रदेश की कुल 175 विधानसभा सीट में से टीडीपी 144, जनसेना 21 और बीजेपी 10 सीटों पर चुनाव लड़ी। राज्य में बीजेपी के साथ गठबंधन में होने के बावजूद मुस्लिम आरक्षण जैसे मुद्दे पर नायडू ने अपना अलग रुख रखा और मुस्लिम आरक्षण की पैरवी की। उन्होंने खुलकर कहा कि हम शुरू से ही मुसलमानों के लिए चार फीसदी आरक्षण का समर्थन कर रहे हैं और यह जारी रहेगा। हालांकि अपने घोषणापत्र में टीडीपी ने इस मुद्दे से दूरी बना ली।

एनडीए में लौटने के बाद भले ही चंद्रबाबू नायडू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर मौके पर सराहना करते दिखे हों, लेकिन पूर्व में उनके साथ रिश्ते सहज नहीं रहे। नायडू ने 2002 में गुजरात दंगे के बाद मोदी का विरोध किया था। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर नायडू के नाम पर कई कीर्तिमान भी हैं। वह आंध्र प्रदेश के सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने कई कार्यकाल में 13 साल 247 दिन तक मुख्यमंत्री का पद संभाला है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के वह ऐसे एकमात्र नेता हैं जिन्होंने अविभाजित और आंध्र से अलग कर तेलंगाना का गठन के बाद राज्य की बागडोर संभाली।

नायडू के अगले दांव पर सभी की निगाहें

राज्य ही नहीं राष्ट्रीय राजनीति में भी चंद्रबाबू नायडू का खासा दबदबा रहा है। साल 1996 और 1998 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने संयुक्त मोर्चा का नेतृत्व किया। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को समर्थन देने से पहले वह संयुक्त मोर्चा के संयोजक थे। चंद्रबाबू नायडू जब एनडीए में आए थे तो उस समय इसके संयोजक भी रहे। उनका सियासी सफर 1970 के दशक में शुरू हुआ। वो युवा कांग्रेस में भी रहे। बाद में आंध्र प्रदेश की क्षेत्रीय पार्टी तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) में चले गए। अब नए सियासी हालात में वो केंद्र की एनडीए सरकार में किंगमेकर बनकर उभरे हैं। देखना होगा उनका अगला दांव क्या रहेगा?

कोई और प्रधानमंत्री बने तो समर्थन करेंगे : ओवैसी

क्या मोदी बैसाखी के सहारे सरकार चलाएंगे?

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने नरेंद्र मोदी के अलावा किसी अन्य प्रधानमंत्री उम्मीदवार का समर्थन करने पर अपनी सहमति जताई है। ओवैसी ने एएनआई से कहा कि मैं अगर-मगर और संभावनाओं के बारे में बात नहीं कर सकता। मैंने चुनावों के दौरान कहा था कि अगर मोदी की जगह कोई और प्रधानमंत्री बन सकता है तो हम उनका समर्थन करेंगे। 2024 के चुनाव नतीजों पर विचार करते हुए ओवैसी ने कहा कि देश में जो माहौल था, उसके

हिसाब से भाजपा को इतनी सीटें भी नहीं मिलनी चाहिए थीं। अगर हमने सही काम किया होता तो उन्हें सिर्फ़ 150 सीटें ही मिलतीं। हम भाजपा को सरकार बनाने से रोक सकते थे और जनता भी यही चाहती थी, लेकिन हम असफल रहे। लेकिन, कम से कम हमें दोषी तो नहीं ठहराया जा सकता।

उन्होंने कहा कि एक बात स्पष्ट है कि देश में कोई मुस्लिम वोट बैंक नहीं था और कभी होगा भी नहीं।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के प्रदर्शन पर ओवैसी ने कहा कि उन्हें लगता था कि वे यूपी में अदृश्य हैं, लेकिन कोई भी अजेय नहीं है। क्या पीएम मोदी बैसाखी के सहारे सरकार चलाएंगे?

ओडिशा का अंतरराज्यीय गांजा तस्कर कुरेशु गिरफ्तार

बाइस किलोग्राम गांजा जब्त

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एचन्यू ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर मार्केट पुलिस के साथ मिलकर अंतरराज्यीय गांजा तस्कर कुरेशु पैक उर्फ कुरेश, निवासी गजपति, ओडिशा को पकड़ा और उसके कब्जे से (22 किलोग्राम) गांजा और (01) मोबाइल फोन जब्त किया। सभी की कीमत 5,55,000 रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी कुरेशु पैका उर्फ कुरेश, गजपति जिला, ओडिशा राज्य का निवासी है। दो जून को अपने परिचित के निर्देश पर वह 22 किलोग्राम गांजा से भरा एक बैग लेकर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन आया, जिसके लिए प्राप्तकर्ता को एकमुश्त राशि देनी होगी। इस तरह वह गांजा का बैग लेकर सिकंदराबाद पहुंचा और जब वह क्लॉक टॉवर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर था, उसी दौरान उसे मार्केट पुलिस के साथ एचन्यू टीम ने पकड़ लिया। पुलिस ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि हाल के दिनों में, समाज में नशीली दवाओं का दुरुपयोग और उसके परिणामस्वरूप लत बढ़ रही है, जिससे परिवार और सामान्य रूप से समाज के लिए विनाशकारी परिणाम सामने आ रहे हैं। हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग (एचन्यू) हैदराबाद के लोगों से मादक द्रव्यों के सेवन से दूर रहने का अनुरोध करता है और माता-पिता को सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नज़र रखें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे ड्रग्स के शिकार न हों। नशीली दवाओं के सेवन से संबंधित कोई भी जानकारी एचन्यू टीम को मोबाइल नंबर 8712661601 पर दी जा सकती है। आइए हम सब मिलकर हैदराबाद को नशा मुक्त बनाने के लिए काम करें।

कुख्यात वाहन चोर गिरफ्तार

चार चोरी के वाहन बरामद

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस के साथ विश्वसनीय सूचना पर आदतन दोपहिया वाहन चोरी करने वाले बिशुकर्मा अमर सिंह निवासी सिकंदराबाद को पकड़ा और छह मामलों का पता लगाया तथा पांच लाख रुपये मूल्य की चार मोटर साइकिलें बरामद की। पुलिस के अनुसार आरोपी बिशुकर्मा अमर सिंह का परिवार मूल रूप से नेपाल का है, जो हैदराबाद में आकर सिकंदराबाद के अडागुट्टा में बस गया। उसने स्कूल में 8वीं कक्षा तक पढ़ाई की और शराब का आदी हो गया। उसका मुख्य पेशा दिहाड़ी मजदूरी है, जो उसकी विलासितापूर्ण जीवन की इच्छा को पूरा करने के लिए अपर्याप्त था और आसानी से पैसा कमाने के लिए उसने दोपहिया वाहनों की चोरी करना और उन्हें कम कीमत पर सेकंड सेल्स मार्केट में बेचना शुरू कर दिया। वह आदतन अपराधी है, जिसका 2017 से आपराधिक रिकॉर्ड है। इससे पहले उसे चोरी के मामलों में मारेडपल्ली, गोपालपुरम और उप्पल पुलिस ने भी गिरफ्तार किया था। उसके कामों में रिहायशी कॉलोनियों में घूमना और सुनसान जगहों या बंद घरों के सामने खड़ी गाड़ियों को देखना शामिल है। फिर वह हैंडल लॉक तोड़ता है और इग्निशन वायर का इस्तेमाल करके गाड़ी स्टार्ट करता है। जब आरोपी चोरी की गई मोटर साइकिल को ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसके कब्जे से चार वाहन बरामद किए। जब्त वाहनों के साथ आरोपी व्यक्तियों को आगे की जांच के लिए एसएचओ, चिक्कड़पल्ली पीएस को सौंप दिया गया। एन. रामकृष्ण, पुलिस निरीक्षक सीजेड, एसआई डी. श्रीकांत गौड़ और सेंट्रल जोन टास्क फोर्स, हैदराबाद के कर्मचारियों द्वारा गिरफ्तारी की गई।

सीपीआई नेताओं ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई नेताओं ने बुधवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। तेलंगाना राज्य इकाई के सचिव कुनामनेनी संबाशिवराव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी, सचिव सदस्य पल्ला वेंकट रेड्डी, पश्य पद्मा और ईटी नरसिम्हा सहित सीपीआई नेताओं ने मुख्यमंत्री के साथ लोकसभा के नतीजों पर चर्चा की और चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवारों को अपनी पार्टी के समर्थन की भी याद दिलाई। उन्होंने देश में लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की, जहां भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 293 सीटें जीतीं, जबकि विपक्षी भारत गठबंधन 232 सीटों पर रहा - 272 के बहुमत के आंकड़े से 40 कम।

धान खरीद लक्ष्य हासिल करने की ओर मंचेरियल आगे

मंचेरियल, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में लगभग 1.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है, जो यासांगी सीजन 2024 के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है। प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना जिले में अब तक 1,52,927 मीट्रिक टन धान की खरीद दर्ज की गई है, जो इस सीजन के लिए निर्धारित 1.76 लाख मीट्रिक टन के अनुमानित लक्ष्य के करीब है। यह जल्द ही आसानी से लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) सबावत मोतीलाल ने को बताया कि खरीद एक अप्रैल से शुरू हुई है और 10 जून तक समाप्त होगी।

अधिकारियों ने बताया कि इस सीजन में 23,555 किसानों से सरकार को उपज खरीदने के लिए 234 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। जिले में उपज की खरीद के लिए 286 केंद्र खोले गए थे। सुचारू खरीद के लिए केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में बोरियाँ, छाया, तिरपाल और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ और तौलने वाली मशीनें उपलब्ध कराई

प्रसिद्ध किन्नर कलाकार मोगिलैया की हालत गंभीर

वारंगल अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बलगम फिल्म से प्रसिद्धि पाने वाले प्रसिद्ध किन्नर कलाकार मोगिलैया की हालत गंभीर है और उन्हें बुधवार को वारंगल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बलगाम में जिस कलाकार का लोकगीत 'थोडुगा मा थोडुंडी' तुरंत हिट हो गया था, उसका रक्तचाप और मधुमेह बुधवार की सुबह खतरनाक स्तर तक गिर गया। मोगिलैया की पत्नी ने कहा कि हमने उसे एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हम आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं और उसकी जान बचाने के लिए हमें तुरंत राज्य सरकार से सहायता की आवश्यकता है।

विख्यात किन्नर कलाकार का स्वास्थ्य खराब रहने का इतिहास रहा है और पिछले वर्ष उन्हें निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान (एनआईएमएस) में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद तत्कालीन राज्य स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की। क्रोनिक डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वजह से कलाकार की दोनों किडनियां फेल हो गई थीं और तब से वह डायलिसिस पर हैं। उन्होंने कहा कि बीपी और शुगर लेवल समेत महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में बहुत उतार-चढ़ाव होने लगा और वह कुछ समय के लिए बेहोश हो गए। हम उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन हमारे पास उनके इलाज के लिए पर्याप्त बचत नहीं है। मैं राज्य सरकार से हस्तक्षेप करने और हमारी मदद करने का आग्रह करती हूं।

पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के लिए कार्रवाई व्यक्तिगत स्तर पर शुरू होनी चाहिए : आर. धनंजयुलु

दक्षिण मध्य रेलवे ने को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने आज बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयुलु मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में विभागों के प्रमुख प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) के उपाध्यक्ष सी. शेखर रेड्डी और सीआईआई-आईजीबीसी के सौरव चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है; इस वर्ष का विषय भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता है। इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर आर. धनंजयुलु ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा और सुरक्षा के लिए कार्रवाई व्यक्तिगत स्तर पर शुरू होनी चाहिए। उन्होंने रेलवे कर्मचारियों से अपने घरों से पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया और रेलवे कर्मचारियों को अपने आसपास के क्षेत्रों जैसे रेलवे कॉलोनियों और कार्यालयों की सफाई गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अतिरिक्त महाप्रबंधक ने बताया कि रेलवे

पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में लगातार विभिन्न उपाय कर रहा है जैसे वर्षा जल संचयन, जल निकायों का कायाकल्प, ऊर्जा संरक्षण, वनीकरण, जैव-शौचालय आदि। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं को लागू करने के अलावा, पूरे वर्ष रखरखाव सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, आर धनंजयुलु ने अधिकारियों को स्थानीय लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाने की सलाह दी ताकि उन्हें रेलवे की जमीन/पटरियों के पास कचरा फेंकने या आग जलाने से रोका जा सके। उन्होंने फील्ड स्तर के पर्यवेक्षकों को ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए रेलवे की जमीन और अन्य रेलवे परिसरों की सख्त निगरानी करने की सलाह दी। अतिरिक्त महाप्रबंधक ने बताया कि हमारी भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर जीवन बनाने के लिए हरित पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा के महत्व पर जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है इससे पहले, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग और मेडिकल आदि विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने पर्यावरण की स्थिरता की दिशा में उनके योगदान और कार्य योजनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सीआईआई-आईजीबीसी के सौरव चौधरी ने भी एक स्थायी भविष्य के निर्माण और हरित जीवन के दायरे पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। आईजीबीसी के उपाध्यक्ष सी शेखर रेड्डी ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एससीआर के प्रयासों की सराहना की। स्थिरता की दिशा में एससीआर द्वारा किए गए कुछ उपायों में 2023-24 के दौरान 73 लाख पौधे लगाना, लगभग 100% विद्युतीकरण हासिल करना, हरित भवनों का विकास; पूरे क्षेत्र में 76 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थापना; 23 कचरे से खाद बनाने के संयंत्र लगाए गए हैं। 58 रेलवे स्टेशनों पर सफाई गतिविधियों की सीसीटीवी निगरानी उपलब्ध है। दक्षिण मध्य रेलवे ने 17 मई से 07 जून, 2024 तक विश्व पर्यावरण दिवस के तहत विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया है। विश्व पर्यावरण कार्यक्रम के तहत रेल निलयम कर्मचारियों के बच्चों के लिए भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोध विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को अपर महाप्रबंधक ने स्मृति चिन्ह प्रदान किए। हस्ताक्षर अभियान में श्री आर. धनंजयुलु और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इससे पहले, रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने पिछले वर्ष यानी 2023-24 में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नई दिल्ली के रेल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और उत्तर पूर्व रेलवे को पुरस्कार प्रदान किए।

हैदराबाद मंदिर में टीटीडी ब्रह्मोत्सव 12 से 17 जून तक

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) 12 से 17 जून तक यहां हिमायतनगर में श्री वेंकटेश्वर मंदिर का वार्षिक ब्रह्मोत्सव आयोजित कर रहा है, जिसमें 12 जून को अंकुरार्पणम होगा। आज यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, उप कार्यकारी अधिकारी एम. रमेश बाबू, दानकर्ता और टीटीडी मंदिर समूह के त्रिनाथ बाबू ने यहां श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के ब्रह्मोत्सव की दीवार पर बनी तस्वीर जारी की। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोत्सव वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मनाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक उत्सव है। उन्हें उम्मीद है कि ब्रह्मोत्सव में बहुत से लोग भाग लेंगे और श्री वेंकटेश्वर स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। ब्रह्मोत्सव की शुरुआत 13 जून को ध्वजारोहण से होगी। समारोह में हर दिन एक अनूठा कार्यक्रम होगा, जिसके बाद 15 जून को गरुड़ वाहन, 16 जून को राधोत्सव, 17 जून को सुबह 10.30 बजे चक्रस्नान और 17 जून को शाम पुष्पयागम होगा।

IN THE COURT OF THE HON'BLE Ist SENIOR CIVIL JUDGE CITYCIVIL COURTAT HYDERABAD

E.P. No. 138 OF 2023
IN
O.S.No. 231 OF 2022

BETWEEN :-
Sri. Jugal Kishore Upadhay
...Petitioner/Decree Holder/ Plaintiff
AND
Sri. Umesh Kumar Sharma
... Respondent/Judgement Debtor/Defendant

NOTICE TO JUDGEMENT DEBTOR

It is to informed to that Judgement Debtor No. 1 Mr. Umesh Kumar Sharma S/o Late Pandit Pruthviraj, Aged about 53 years, Occ : Lecturer, R/o Flat No. 35, Panchalok Complex, Gyan Bagh Colony, Hyderabad, that the Petitioner/Plaintiff has filed the above said E.P. against the JDR No.1 and to execute and Register the Sale Deed in favour of the Petitioner/ Plaintiff/DHR the present Case is posted to 12.06.2024 at 10 : 30 A.M. for your appearance before the Hon'ble I Senior Civil Judge, City Civil Court, Hyderabad. If you failed to appear the Case will be decided in your absence.

Sd/- **M/s Sri V.S.SUDHAKER,**
Advocates
309, 3rd floor, Lenaine Estate, Opp. Chermas, Abids, Hyderabad.
Cell: 9347005557

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, विजयनगरम
एमआईजी-2, विवेकानंद कॉलोनी, जिला अस्पताल जंक्शन
केण्टोंमेंट, विजयनगरम - 535 003

लीज पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को निम्नलिखित स्थान के पास अच्छी तरह निर्मित एक व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता है। इसकी परिसीमा/ क्षेत्र लगभग 1200 ft. (10% अधिक या कम) कार्पेट एरिया होनी चाहिए।

आवश्यक स्थान	जिला एवं राज्य	आवश्यक कार्पेट एरिया
चिंतलवलसा विल्लेज	विजियनगरम, आंध्र प्रदेश	1200 (±10%) Sq. Ft.

टेंडर कागजाद एवं अन्य जानाकारी हेतु कृपया हमारे बैंक के वैबसाइट www.unionbankofindia.com या सरकारी वेबसाइट https://eprocure.gov.in को देखें। विधिवत प्रारूप में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 24-06-2024 के शाम 4 बजे तक है। बैंक बिना कारण बताएं किसी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का हक सुरक्षित रखती है।

क्षेत्र प्रमुख

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, विजयनगरम
एमआईजी-2, विवेकानंद कॉलोनी, जिला अस्पताल जंक्शन
केण्टोंमेंट, विजयनगरम - 535 003

लीज पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को निम्नलिखित स्थान के पास अच्छी तरह निर्मित एक व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता है। इसकी परिसीमा/ क्षेत्र लगभग 1200 ft. (10% अधिक या कम) कार्पेट एरिया होनी चाहिए।

आवश्यक स्थान	जिला एवं राज्य	आवश्यक कार्पेट एरिया
बदंगी विल्लेज	विजियनगरम, आंध्र प्रदेश	1200 (±10%) Sq. Ft.

टेंडर कागजाद एवं अन्य जानाकारी हेतु कृपया हमारे बैंक के वैबसाइट www.unionbankofindia.com या सरकारी वेबसाइट https://eprocure.gov.in को देखें। विधिवत प्रारूप में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 24-06-2024 के शाम 4 बजे तक है। बैंक बिना कारण बताएं किसी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का हक सुरक्षित रखती है।

क्षेत्र प्रमुख

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.